अधिकतम :26° C
न्यूनतम: 12° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, शुक्रवार 21 नवम्बर 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 104 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 1 विक्रमी सम्वत् 2082 29 जमादिउल उला1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

संयुक्त राष्ट्र में तत्काल सुधार की जरूरत: ओम बिरला

पेज 2

दीक्षा डागर ने डेफलंपिक्स में लगातार गोल्ड मेडल जीता

खेल टाइम्स

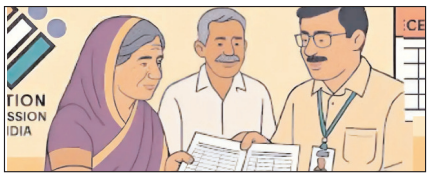

एसआईआर: सिर्फ आरोप से काम नहीं चलेगा

सम्पादकीय

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा: ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने भारत को हराया

पेज 12

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने क्यूआर कोड सत्यापन किया शुरू

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नाम पर धोखाधड़ी और जबरन वसूली के लिए नकली समन भेजे जाने की बढ़ती खबरों के बीच ईडी ने नागरिकों को समन नोटिस की असलियत सत्यापित करने में मदद करने के लिए नए तरीके लागू किए हैं। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को अपने आधिकारिक अकाउंट के जरिए इसकी घोषणा की। नकली ईडी समन असली नोटिस जैसे ही होते हैं, जिससे पाने वालों के लिए सही और गलत के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ईडी अब सिस्टम से बनने वाले समन जारी कर रहा है, जिसमें एक क्यूआर कोड और एक यूनिक पासकोड होता है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी किए गए समन को उन पर छपे क्यूआर कोड को स्कैन करके या आधिकारिक ईडी वेबसाइट पर जाकर सत्यापित किया जा सकता है। ईडी ने यह भी साफ किया कि वह डिजिटल या ऑनलाइन गिरफ्तारी नहीं करता है। ईडी ने नागरिकों को नकली लोगों से सावधान रहने की सलाह दी है। ईडी ने नागरिकों से अपील है कि वे कोई भी कदम उठाने से पहले सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध समन को सत्यापित करें, ताकि वे ईडी अधिकारी बनकर धोखा देने वालों का शिकार न बनें।

एसआईआर: भारत से रोज 150 अवैध बांग्लादेशी लौट रहे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ ने दावा किया है कि बॉर्डर पार करने की कोशिश करने वाले अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ गई है, यह वापसी राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) से जुड़ी है। बीएसएफ के एक अधिकारी के मुताबिक नॉर्थ 24 परगना, मुर्शिदाबाद और मालदा में बॉर्डर के बिना फेंसिंग वाले हिस्सों से लौटने की कोशिश कर रहे बांग्लादेशी इमीग्रेंट्स के फ्लो में क्वांटम जंप देखा गया है। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि पहले ऐसे मामले मुश्किल से डबल डिजिट में आते थे। अब यह आंकड़ा हर दिन लगातार तीन डिजिट में है। बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने कहा कि चेक पोस्ट पर छोटे बैग और सामान लेकर लोगों की लाइन लग रही है, जो खुलेआम मान रहे हैं कि वे बांग्लादेशी हैं और सालों पहले गैर-कानूनी तरीके से भारत में आए थे।

वायुसेना के मानव रहित विमान को आपात स्थिति में उतारा

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर के सीमावर्ती रामगढ़ क्षेत्र में गुरुवार को भारतीय वायुसेना के एक मानव रहित विमान को तकनीकी खराबी के कारण एक खेत में आपात स्थिति में उतारना पड़ा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इससे किसी प्रकार के जानमाल की हानि की सूचना नहीं है। मानव रहित विमान अपने नियमित अभ्यास उड़ान पर था। घटना की जानकारी मिलने पर वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। साथ ही सूचना मिलने पर पुलिस एवं सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर जांच पड़ताल शुरू की।

अमेरिका भारत को 100 टैंक किलर मिसाइल देगा

नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत को एफजीएम-148 जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और एम982ए1 एक्सकैलिबर प्रक्षेपास्त्र तथा संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी प्रदान की है, जिसका अनुमानित मूल्य 4.71 करोड़ अमेरिकी डॉलर है।

एफजीएम- 148 जेवलिन एक पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल है। इसे टैंकों, बख्तरबंद वाहनों, बंकरों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है। मिसाइल टारगेट की गर्मी (हीट सिग्नेचर) पहचानकर उस पर हमला करती है। इसकी 2500 मीटर रेंज है। धुएं, धूल या खराब मौसम में भी टारगेट को तबाह करने में सक्षम है। एम982ए1 जीपीएस-गाइडेड स्मार्ट गोला है। यह स्मार्ट बम की तरह काम करता है, लेकिन तोप से छोड़ा जाता है। सामान्य तोप रेंज 15-20 किमी तक होती है, लेकिन एक्सकैलिबर 40-50 किलोमीटर दूर तक सटीक निशाना लगा सकता है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत को एक्सकैलिबर प्रक्षेपास्त्र और संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दी है। एजेंसी ने कांग्रेस को सूचित करते हुए आवश्यक प्रमाणन प्रदान किया है।

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है, कुल 775 करोड़ डॉलर की डील
- भारत को 4.71 करोड़ डॉलर की मिसाइलें, प्रोजेक्टाइल की बिक्री को दी मंजूरी

बेंगलुरु में एटीएम कैश वैन से सात करोड़ की लूट

बेंगलुरु। बेंगलुरु में बदमाशों ने एक एटीएम कैश वैन से 7 करोड़ रुपये लूट लिए। घटना बुधवार दोपहर 12:30 बजे की है। बदमाशों ने खुद को भारतीय रिजर्व बैंक का अधिकारी बताकर कैश वैन को रास्ते में रोक लिया और कैश लेकर फरार हो गए।

पुलिस को वैन बाद में जयदेव डेयरी सर्कल फ्लाईओवर के पास मिली। पुलिस ने ड्राइवर, दो सुरक्षाकर्मियों और एक कैश डिपॉजिटर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। वैन सीएमएस कंपनी की है। पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि सीएमएस के कुछ कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। मामला सिद्धापुरा पुलिस थाने में दर्ज कर लिया गया है। सीएमएस के ऑफिस से वैन सुबह 9.30 बजे एचडीएफसी बैंक की ओर रवाना हुई थी।

- बदमाशों ने RBI का अधिकारी बनकर की वारदात

राज्यपाल विधानसभा से पारित बिलों को न लटकाएं: सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने कहा: बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम संवैधानिक फैसले में गुरुवार को कहा कि राज्य के राज्यपाल राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयक को अनिश्चित काल तक नहीं रोक सकते। न्यायालय ने हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि वह संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राष्ट्रपति या राज्यपालों को मंजूरी देने या न देने के लिए ज़रूरी समयसीमा तय नहीं कर सकता, लेकिन राज्यपाल अनिश्चितकाल तक किसी भी विधेयक को नहीं रोक सकते।

हालांकि इसमें स्पष्ट किया गया है कि लंबे समय तक, बिना किसी वजह के मंजूरी नहीं दिए जाने के मामलों में न्यायालय विधेयक की प्राथमिकता की जांच किए बिना एक निश्चित अवधि में फैसला करने का निर्देश देते हुए एक सीमित 'परमादेश' रिट जारी कर सकते हैं। गौरतलब है कि आठ अप्रैल को उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु विधानसभा से पारित हुए विधेयकों पर फैसला देते हुए पहली बार यह कहा था कि राष्ट्रपति को राज्यपाल की तरफ से भेजे गए किसी भी बिल पर तीन महीने के -शेष पृष्ठ दो पर

- डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी पर दखल देंगे
- राज्यपाल अनिश्चितकाल तक किसी भी विधेयक को नहीं रोक सकते

अधिकरण में नियुक्ति के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट को 25 साल का अनुभव जरूरी नहीं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को साफ़ किया कि आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) जैसे अधिकरण में तकनीकी सदस्य के तौर पर नियुक्ति के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) को कम से कम 25 साल का अनुभव होना ज़रूरी नहीं है।

पीठ ने निर्देश दिया कि केंद्र सरकार को 19 नवम्बर को रद्द कर दिए गए अधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 की जगह नया कानून बनाते समय इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने सीए को भी वही बराबरी दी, जो उसने 19 नवम्बर को अधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 को रद्द करने वाले अपने फैसले में वकीलों को दी थी। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के वकील के पीठ के सामने यह मामला उठाए जाने पर यह स्पष्टीकरण सामने आया। वकील ने बताया कि न्यायालय ने अधिकरण में नियुक्ति के लिए वकीलों की कम से कम 50 साल की उम्र की ज़रूरत को खत्म कर दिया था, लेकिन सीए के लिए 25 साल के अनुभव की ज़रूरत, जो असल में पात्रता को लगभग 50 साल तक बढ़ा देती है, पर ध्यान नहीं दिया गया।

प्रियंका गांधी के पति पर ईडी ने कसा शिकंजा

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बिजनेसमैन पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला ब्रिटेन के आर्म्स डीलर संजय भंडारी के साथ संदिग्ध लेनदेन से जुड़ा है।

चार्जशीट दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की गई है। इस मामले में पीएमएलए के तहत वाड्रा का बयान जुलाई में दर्ज किया गया था। ईडी का दावा है कि वाड्रा और भंडारी के बीच वित्तीय लेनदेन की कड़ियां मिली हैं, जिनमें विदेशी प्रोपर्टी और फंड ट्रांसफर की जांच भी शामिल है। ईडी ने चार्जशीट में वाड्रा को 9वें नंबर का आरोपी बनाया गया है। अब इस मामले पर अदालत 6 दिसम्बर को विचार करेगी। वाड्रा के खिलाफ यह मनी लॉन्ड्रिंग का दूसरा आरोपपत्र है। जुलाई में, ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। संजय भंडारी हथियार डीलर है। इनकम टैक्स विभाग ने भंडारी के खिलाफ 2015 के काला धन विरोधी कानून के तहत आरोपपत्र दाखिल किया था। 2016 में इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी के बाद वह भारत से लंदन भाग गया। दिल्ली की एक अदालत ने 63 साल के संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। भारत ने उसके प्रत्यर्पण की कार्रवाई की लेकिन ब्रिटेन की अदालत ने याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही भंडारी को भारत लाए जाने की संभावना लगभग खत्म हो गई। रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की जांच लंदन की संपत्ति से जुड़ी है, जो ब्रिटेन के हथियार डीलर संजय भंडारी के नाम पर दर्ज हैं। ईडी ने 2023 में अपनी चार्जशीट में आरोप लगाया था कि भंडारी ने 2009 में लंदन स्थित 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर स्थित घर खरीदा और वाड्रा के कहने पर उसका रेनोवेशन कराया। आरोप है कि रेनोवेशन के लिए पैसे भी राबर्ट वाड्रा ने ही दिए थे। ईडी ने यह भी कहा कि वाड्रा अपनी लंदन यात्राओं के दौरान वहां कई बार रुके थे। ईडी ने 2016 में इस मामले में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया था। ईडी का दावा है कि ए घर असल में वाड्रा की बेनामी संपत्ति है। ईडी अब भंडारी के साथ उनके कथित संबंधों की जांच कर रही है।

- ईडी ने ब्रिटेन के संजय भंडारी से जुड़े केस में आरोपी बनाया
- आर्म्स डीलर भारत में भगोड़ा घोषित

बेल्जियम कोर्ट नौ दिसम्बर को प्रत्यर्पण के खिलाफ चोकसी की अपील सुनेगा

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की ओर से अपने प्रत्यर्पण को चुनौती देने के मामले की सुनवाई 9 दिसम्बर को बेल्जियम के सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट ऑफ कैसेशन के समक्ष होगी। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

चोकसी ने बेल्जियम की शीर्ष अदालत में एंटवर्प अपीलीय न्यायालय के 17 अक्टूबर के फैसले को चुनौती दी है। इस फैसले में भारत की ओर से उसके प्रत्यर्पण के अनुरोध को बरकरार रखते हुए इसे वैध बताया गया था। एडवोकेट जनरल हेनरी वेंडरलिंडन ने कहा कि कोर्ट ऑफ कैसेशन 9 दिसम्बर को मामले की सुनवाई करेगा।

- मेहुल चोकसी ने बेल्जियम सुप्रीम कोर्ट में फैसले को दी थी चुनौती

10 दिन की NIA कस्टडी में चार आरोपी

दिल्ली ब्लास्ट

नई दिल्ली। दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए ने डा. मुजम्मिल, डा. शाहीन सईद, डा. आदिल अहमद और मुफ्ती इरफान अहमद को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने चारों आरोपियों को 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेज दिया है।

दरअसल इस केस में एनआईए ने कुल 6 आरोपियों को अरेस्ट किया था। हालांकि ये पहले जम्मू-कश्मीर सहित अन्य राज्यों की पुलिस की गिरफ्त में थे। एनआईए ने अब आरोपियों को अपनी कस्टडी में लिया है। उधर जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने गुरुवार को कश्मीर टाइम्स अखबार के जम्मू ऑफिस पर छापा मारा। जहां से एके-47 राइफल के कारतूस, पिस्तौल के राउंड और हैंड ग्रेनेड पिन बरामद की गई। दरअसल यह कार्रवाई पब्लिकेशन के देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में की गई। वहीं आतंकी डाक्टरों की 'पनाहगार' रही फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का शिकंजा कस गया है।

- इनमें तीन डाक्टर भी, जम्मू में कश्मीर टाइम्स के ऑफिस पर छापा, एके-47 के कारतूस बरामद

नीतीश ने 26 मंत्रियों के साथ सीएम पद की ली शपथ

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 26 मंत्रियों के साथ गुरुवार को ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में शपथ ली, जिनमें भाजपा के 14, जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के आठ, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के दो और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) तथा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के एक-एक मंत्री शामिल हैं।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने श्री कुमार को ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। श्री कुमार मंत्रिमंडल में सर्वाधिक 14 मंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा ,मंगल पाण्डेय, पार्टी के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष, डा. दिलीप कुमार जायसवाल, नितिन नवीन, पूर्व केन्द्रीय मंत्री राम कृपाल यादव, संजय सिंह 'टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, सुरेन्द्र मेहता,नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लखेन्द्र कुमार रौशन,श्रेयसी सिंह और डा. प्रमोद कुमार भाजपा से हैं। इनमें डा. दिलीप जायसवाल, राम कृपाल यादव, संजय सिंह टाइगर, अरूण शंकर प्रसाद, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, श्रेयसी सिंह लखेन्द्र कुमार रौशन -शेष पृष्ठ दो पर

- भाजपा के 14 विधायक बने मंत्री

पढ़े-लिखे आतंकी ज्यादा खतरनाक: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जब पढ़े-लिखे आतंकवादी बन जाते हैं तो वे ओवरग्राउंड वर्कर्स से ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। पुलिस ने कहा कि डाक्टरों और इंजीनियरों के लिए देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होना अब एक ट्रेंड बन गया है। ये लोग सरकारी पैसों का इस्तेमाल करके पढ़ाई करते हैं फिर एंटी नेशनल एक्टिविटी में शामिल हो जाते हैं।

दिल्ली पुलिस ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में शरजील इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो पेश किए। वीडियो में शरजील इमाम नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देते हुए दिख रहा है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि इन भाषणों से माहौल बिगड़ा और लोगों को उकसाने का काम हुआ। शरजील इमाम ने सीएए और एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान ऐसे भाषण दिए, जिसने हिंसा भड़काने का काम किया। शरजील इमाम इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है। दिल्ली पुलिस ने 2020 दिल्ली दंगे में शामिल एक्टिविस्ट उमर खालिद, शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं का विरोध किया। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि दिल्ली दंगे को पूरे भारत में फैलाने की कोशिश की गई थी और इसका मकसद अंतर्राष्ट्रीय ध्यान खींचना था। आरोपियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत दौरे के समय ही हिंसा भड़काने की योजना बनाई थी, जिससे कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा जा सके। यह एक साजिश थी। यह एक गहरी, सुनियोजित और सोची-समझी साजिश थी। दंगों में 53 लोगों की मौत हुई, और सैकड़ों करोड़ों रुपयों की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। इस हिंसा से जुड़े 753 एफआईआर दिल्ली में दर्ज की गईं। पुलिस ने ये भी दावा किया कि जांच के दौरान मिले चैट मैसेज और अन्य डिजिटल सबूतों से पता चला है कि दंगों की योजना केवल दिल्ली तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसे देशभर में फैलाने की कोशिश की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में कहा-ये सरकारी पैसों से डाक्टर और इंजीनियर बनते हैं, फिर दंगे करते हैं

संक्षिप्त समाचार

जम्मू पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर की संपत्ति कुर्क की

जम्मू। जम्मू पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के अंतर्गत एक मादक पदार्थ तस्कर की संपत्ति कुर्क की है। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि आरोपी की पहचान बूट पॉलिश मोहल्ला, राजीव नगर, नरवाल निवासी विशाल कुमार के रूप में हुई है, जो मादक पदार्थ तस्करी के विभिन्न मामलों में शामिल है। प्रवक्ता ने कहा कि जांच अधिकारी ने एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार संपत्ति की कुर्की की और कुर्की का आदेश अधिनियम की प्रक्रिया के अंतर्गत जारी किया गया था।

लोगों को जागरूक कर रहा है स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय गीत-संगीत, नुक्कड़ नाटक और चित्रकला के जरिए लोगों को जागरूक बना रहा है। भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में स्वास्थ्य मंत्रालय के पवेलियन में गुरुवार को दर्शकों की काफी भीड़ देखने को मिली। मंत्रालय की ओर से आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए पवेलियन में संगीत, नुक्कड़ नाटक और चित्रकला का आयोजन किया गया था। मंत्रालय की कर्मचारी नन्हें बच्चों को चित्रकला के माध्यम से स्वास्थ्य के बारे में जानकारियां दे रही थी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से यहां पर टीबी उन्मुलन, अंग प्रत्यारोपण और परिवार नियोजन जैसे विभिन्न प्रकार के काउंटर स्थापित किए गए हैं, जहां पर मंत्रालय के कर्मचारी सरकार की ओर से चलाई जा रहीं योजनाओं के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

कांग्रेस ने अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग की रिपोर्ट को चिंताजनक बताया

विवादास्पद रिपोर्ट पर जवाब दे सरकार

नई दिल्ली, वार्ता

- कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने बोला हमला
- 800 पेज की रिपोर्ट के 108 व 109 पन्ने पर दिए गए उल्लेख आश्चर्यजनक व समझ से परे

कांग्रेस ने अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग की हाल में आई वार्षिक रिपोर्ट को भारत के लिए चिताजनक बताया और इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए कहा कि उनकी सरकार को इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रिपोर्ट में भारत से जुड़े संवेदनशील सुरक्षा मुद्दों का उल्लेख है, जिसने भारत की राजनयिक स्थिति के लिए चिंता पैदा कर दी है। यह वार्षिक रिपोर्ट करीब 800 पेज की है और इसके पृष्ठ 108 और 109 में दिए उल्लेख आश्चर्यजनक और समझ से परे हैं। रिपोर्ट में इस साल अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले को पाकिस्तान द्वारा आयोजित 'विद्रोही हमला' बताया गया है। रिपोर्ट में इसके बाद चार दिन चले संघर्ष में भारत पर पाकिस्तान की 'सैन्य सफलता' बताया गया है। कांग्रेस नेता ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय इस रिपोर्ट पर अपनी आपत्ति दर्ज कराएंगे। यह रिपोर्ट हमारी कूटनीति को एक और गंभीर झटका है। सरकार बताए कि इस रिपोर्ट में किए गए दावों के संबंध में क्या कार्रवाई की जाएगी। अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी गई यह रिपोर्ट चीन से संबंधित आर्थिक और सुरक्षा मुद्दों का आकलन करती है, लेकिन यह रिपोर्ट भारत-पाकिस्तान संघर्ष सहित दक्षिण एशियाई भू-राजनीतिक तनावों को भी छूती है।

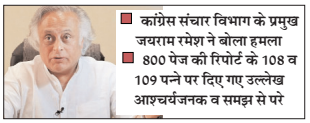

कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग लाएगी!

नई दिल्ली। कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संसद के शीतकालीन सत्र में महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार पार्टी इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), मतदाता सूची में गड़बड़ियों, चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के संबंध में विपक्षी दलों के सवालों का चुनाव आयोग से समुचित जवाब न मिलने से असंतुष्ट है।

80 साल पुराने संयुक्त राष्ट्र में तत्काल सुधार की जरूरत: ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संयुक्त राष्ट्र में तत्काल सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि लगभग 80 साल पुराना यह संगठन समकालीन वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सक्षम नहीं है।

नई दिल्ली में विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिरला ने बुधवार को कहा कि वैश्विक दक्षिण के लिए उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए लोकतांत्रिक, निष्पक्ष एवं समावेशी सुधारों की आवश्यकता है। बिरला ने वैश्विक शांति एवं सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम' की प्राचीन परंपरा और 'लोकतंत्र की जननी' के रूप में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत के महत्वपूर्ण योगदान, जिसमें 300,000 से अधिक सैनिक शामिल हैं, तथा कोविड-19 महामारी के दौरान भारत के मानवीय प्रयासों का उल्लेख किया। बिरला ने कहा कि भारत ने कोविड संकट के दौरान 150 देशों को दवाइयां उपलब्ध कराकर 'वैश्विक फार्मेसी' की तरह काम किया।

बिहार में बसपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण

शाह टाइम्स ब्यूरो

- मतगणना वाले दिन जानबूझकर कराया था उत्पात

लखनऊ/नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बिहार में पार्टी कार्यकर्ताओं पर कथित पुलिस कार्रवाई को गंभीर मुद्दा बताते हुए प्रदेश सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान यह तथ्य सामने आया कि 14 नवम्बर को मतगणना वाले दिन विपक्षी दलों और असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर उत्पात कराया गया था। सुश्री मायावती ने आरोप लगाया कि इस दौरान नव-निर्वाचित बसपा विधायक सतीश यादव की गाड़ी के साथ-साथ प्रशासन की कई गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया। बसपा अध्यक्ष के अनुसार हालात को नियंत्रित करने के नाम पर पुलिस ने रात में लाठीचार्ज किया, जिसमें बसपा के कई कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने दबाव में आकर बसपा के लगभग 250 कार्यकर्ताओं और करीब 1000 अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज की, जबकि वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस केवल बसपा कार्यकर्ताओं को परेशान कर रही है, जबकि पहले घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और उसके बाद ही कोई कानूनी कदम उठाया जाना चाहिए। बसपा अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि उनकी पार्टी की मांग है कि इस पूरे मामले की सही और निष्पक्ष जांच कराई जाए। जब तक जांच पूरी न हो जाए, तब तक किसी भी कार्यकर्ता की गिरफ्तारी या पुलिस कार्रवाई उचित नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि बिना जांच के बसपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई करना अन्यायपूर्ण है और पार्टी इसे स्वीकार नहीं करेगी।

विकसित यूपी 2047 का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण व समान शिक्षा प्रणाली पर आधारित: पार्थ

लखनऊ, वार्ता

- योजना भवन में राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन

उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य के साथ गुरुवार को योजना भवन में राज्य स्तरीय सम्मेलन 'शिक्षा में नवाचार, प्रगति का आधार विकसित उत्तर प्रदेश /2047' का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में शिक्षा के भविष्य, तकनीकी बदलावों के प्रभाव, सीखने के परिणामों में सुधार और वैश्विक मानकों वाली शिक्षण प्रणाली पर व्यापक चर्चा हुई। अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, पार्थसारथी सेन शर्मा ने कहा कि विकसित यूपी 2047 का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और अवसर-समान शिक्षा प्रणाली पर आधारित है। उन्होंने शिक्षकों के उन्नत प्रशिक्षण, वैश्विक स्तर की शिक्षण पद्धति, तकनीकी दक्षता और सीखने के मूलभूत परिणामों को सुधार यात्रा के केंद्र में रखने की आवश्यकता बताई। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि डिजिटल कंटेंट, तकनीकी हस्तक्षेप और कौशल- आधारित शिक्षा आज की अनिवार्यता बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि नवाचार की यह गति जारी रही, तो उत्तर प्रदेश निकट भविष्य में देश का अग्रणी शिक्षा मॉडल बनेगा। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी और शिक्षा सलाहकार प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि विकसित भारत 2047 के विजन में उत्तर प्रदेश की युवा पीढ़ी सबसे बड़ी शक्ति है और इसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विकसित यूपी एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज, संस्थाओं और नीति-निर्माताओं का सामूहिक संकल्प है। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन अपर मुख्य सचिव पार्थसारथी सेन शर्मा, महानिदेशक मोनिका रानी, सलाहकार अवनीश अवस्थी, शिक्षा सलाहकार प्रो. डीपी सिंह और

यूपी में बिजली बिल राहत योजना एक दिसम्बर से

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड एक दिसम्बर से 'बिजली बिल राहत योजना' शुरू करने जा रहा है। योजना का उद्देश्य नेवर पेड, लॉन्ग अनपेड और बिजली चोरी के प्रकरणों को हल करते हुए करोड़ों उपभोक्ताओं को राहत देना है।

प्रदेश में 54,12,443 लाख ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन्होंने बिजली के बिल के रूप में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड को एक भी रुपये का भुगतान नही किया है। इन पर पावर कारपोरेशन का 16,105 करोड़ रुपया बकाया है। जबकि 91,45,985 लाख ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन पर लंबे समय से कारपोरेशन का 15,100 करोड़ रुपये बकाया पड़ा है। ऐसे में उपभोक्ताओं से बकाए की वसूली को लेकर पावर कारपोरेशन यह योजना शुरु कर रहा है। गुरुवार को अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए पॉवर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने बताया कि कुल 1.45 करोड़ उपभोक्ताओ के ऊपर कुल 31,205 करोड़ बकाया सरचार्ज सहित कुल देयक 45,980 करोड़ रुपये (जिसमें 24,775 करोड़ रुपये सरचार्ज) है। उन्होंने कहा कि यह योजना सरचार्ज माफी और मूलधन में भारी छूट देने वाली ऐतिहासिक पहल है।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले होगा उपचुनाव?

मऊ। यूपी के मऊ की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार को निधन हो गया हैं। उनके निधन के बाद घोसी सीट एक बार फिर से खाली हो गई हैं। ऐसे में अब इस सीट पर 2022 के बाद दूसरी बार उपचुनाव होंगे। नियमों के मुताबिक अगर किसी जन प्रतिनिधि की अचानक मृत्यु होने, अयोग्य ठहराए जाने या इस्तीफा देने के बाद कोई सीट खाली हो जाती है, तो उस पर छह महीने के भीतर उपचुनाव कराए जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच एक बार फिर से घोसी सीट पर मुकाबला देखने को मिलेगा।

2022 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से दारा सिंह चौहान ने इस सीट पर जीत हासिल की थी, लेकिन एक साल बाद ही उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देकर बीजेपी ज्वाइन कर ली थी, जिसके बाद 2023 में घोसी में उपचुनाव कराए गए। बीजेपी ने इस सीट से दारा सिंह चौहान को उतारा, लेकिन सपा के टिकट पर सुधाकर सिंह ने उन्हें 50 हज़ार वोटों से हरा दिया था।

सेंसेक्स 85632.68
निफ्टी 26192.15

सोना रु. 127000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 159000
प्रति किलो

नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे प्रमुख सूचकांक

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन प्रमुख सूचकांकों में तेजी रही और वे इस साल के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 446.21 अंक (0.52 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 85,632.68 अंक पर बंद हुआ।

बीच कारोबार में यह 85,801.70 अंक तक मजबूत हुआ था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी.50 सूचकांक भी 139.50 अंक यानी 0.54 प्रतिशत ऊपर 26,192.15 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का इस साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि कुल मिलाकर बाजार में बिकवाली ज्यादा देखी गई। निफ्टी में मझौली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक लगभग सपाट रहे, जबकि छोटी कंपनियों में गिरावट रही। निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.05 प्रतिशत लुढ़क गया। एनएसई में कुल 3,202 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,721 के शेयर बढ़त में और 1,385 के लाल निशान में बंद हुए जबकि 96 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सार्वजनिक बैंक, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और मीडिया समूहों में बिकवाली ज्यादा रही। वहीं, ऑटो, वित्त, निजी बैंक और तेल एवं गैस समूहों में लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 15 के शेयर लाल निशान में और अन्य 15 के हरे निशान में बंद हुए। बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे अधिक 2.28 फीसदी चढ़ा। बजाज फिनसर्व का शेयर 2.25 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.01, एचडीएफसी बैंक का 1.42, टेक महिंद्रा का 1.29 और एक्सिस बैंक का 1.20 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। ट्रेंट, पावरग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स, आईटीसी, मारुति सुजुकी और एलएंडटी के शेयर भी हरे निशान में रहे। एशियन पेंट्स के शेयर में 1.20 फीसदी की गिरावट रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 1.06 प्रतिशत, टाइटन का 0.80, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 0.48 और कोटक महिंद्रा बैंक का 0.43 प्रतिशत फिसल गया। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई आज 2.65 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.02 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.40 फीसदी की गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.70 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.57 फीसदी ऊपर था।

रेल पवेलियन में भारत के बदलते परिदृश्य की झलक

नई दिल्ली। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में रेल पवेलियन भारत के बदलते परिदृश्य की झलक प्रस्तुत कर रहा है। यहां के भारत मंडप में स्थापित रेल पवेलियन में नमो भारत, वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल जैसी आधुनिक ट्रेनों की झलक देखने को मिल रही है, जो तेजी से बदल रही रेल यातायात की कहानी बयां कर रही है। भारतीय रेलवे के पवेलियन में सरकार की ओर से यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक और तीव्र यातायात की सुविधा मुहैया कराने के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। यहां पर रेलवे के विभिन्न कारखानों में निर्मित हो रहे डीजल और इलेक्ट्रिक इंजनों की भी छवि प्रदर्शित की गई हैं। साथ ही यहां भारतीय रेलवे की ओर से विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होने वाली पत्रिकाएं भी आगंतुकों को मुफ्त में मुहैया कराई जा रही हैं, जिनमें रेलवे से संबंधित परियोजनाओं के बारे में जानकारी मुहैया कराई गई हैं।

शहरों में जर्जर मकानों की जगह बनेंगी हाई-राइज बिल्डिंग्स

- योगी सरकार ने बनाया लोगों के लिए मेगा प्लान, अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा

लखनऊ। यूपी के लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर जैसे शहरों में दशकों से खतरनाक बनी जर्जर इमारतों को हटाया जाएगा। योगी सरकार प्रदेश में पहली बार व्यापक शहरी पुनर्विकास नीति ला रही है। इसके तहत 25 साल से पुराने खतरनाक भवनों को तोड़कर उनकी जगह मॉर्डन हाई-राइज बिल्डिंग्स बनाई जा सकेंगी। वह भी रिकॉर्ड समय में मंजूरी और भारी छूट के साथ बनेंगी।

यह योजना कम से कम 1500 वर्ग मीटर जमीन पर ही लागू होगी। 25 साल या उससे ज्यादा पुरानी इमारतें इसके अंदर आएंगी। साथ ही दायरे में स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर तुरंत मंजूरी मिलेगी। इसके अलावा एकल मकान या लीज वाली जमीन पर इस योजना का क्रियान्वन नहीं किया जा सकेगा। इन इमारतों को मिश्रित भू-उपयोग (रिहायशी + कमर्शियल) की पूरी छूट होगी। इसके अलावा डेवलपमेंट चार्ज में 50 प्रतिशत तक का भारी डिस्काउंट मिलेगा। प्रभाव शुल्क में भी 25 प्रतिशत का छूट मिलेगी। इन हाई राइज बिल्डिंग में 15 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस और 10 प्रतिशत एलआईजी फ्लैट्स होंगे। ये प्रोजेक्ट शहरों की सूरत और अर्थव्यवस्था दोनों बदलेगी। आवास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश के पुराने शहरी इलाकों में सैकड़ों प्राइम लोकेशन पर जर्जर भवन पड़े हैं। इनके पुनर्विकास से हजारों नए फ्लैट्स बनेंगे, खासकर मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए। इससे शहरों की खूबसूरती लौटेगी, अरबों रुपये का नया निवेश आएगा। स्थानीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा। बंद पड़े कारखानों पर भी खुलेगा रास्त। इसके तहत तीन साल से बंद या बीमार घोषित उद्योगों की जमीन पर भी नई इमारतें बनाने की अनुमति मिल सकेगी।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

राज्यपाल...

भीतर निर्णय लेना होगा। यह फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना गया, क्योंकि इससे पहले ऐसी कोई समय सीमा तय नहीं थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मई में संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत उच्चतम न्यायालय से राय मांगी थी। उन्होंने पूछा था कि क्या न्यायालय यह तय कर सकता है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल को विधेयकों पर कब तक निर्णय लेना चाहिए। श्रीमती मुर्मू ने अपने पांच पन्नों के संदर्भ पत्र में 14 प्रश्नों पर उच्चतम न्यायालय से राय मांगी थी। यह सवाल मुख्य रूप से अनुच्छेद 200 और 201 से जुड़े हैं, जिनमें राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों का जिक्र है। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर की संविधान पीठ ने 10 दिनों तक दलीलें सुनीं और 11 सितम्बर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति संदर्भ का जवाब देते हुए, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की संविधान पीठ ने कहा कि न्यायालय द्वारा तय की गई समयसीमा संविधान में सोची गई ष्लचीलेपनष के खिलाफ होगी। न्यायालय ने पूछा कि क्या राज्यपाल पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक सकते हैं और चेतावनी दी कि इस तरह की कवायद से लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकारें राज्यपाल की मर्ज़ी पर आ सकती हैं। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायिक समय सीमा का इस आधार पर विरोध किया कि न्यायालय संवैधानिक कार्यालयों के कार्य नहीं कर सकते। उन्होंने मानी गई मंजूरी के विचार को भी खारिज कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, डा. एएम सिंघवी, केके वेणुगोपाल, गोपाल सुब्रमणियम और अरविंद दातार ने देरी से मंजूरी मिलने से होने वाली संवैधानिक रुकावट को रोकने के लिए न्यायिक रूप से लागू करने उचित समय सीमा के पक्ष में तर्क दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और महेश जेठमलानी ने तय समय सीमा के खिलाफ केन्द्र सरकार के रुख का समर्थन किया।

नीतीश ने... और डा. प्रमोद कुमार नीतीश कुमार की मंत्रिमंडल में इस बार शामिल हुए हैं, जबकि अन्य पांच पूर्व से मंत्रिमंडल में शामिल रहे। इसी तरह नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के आठ मंत्री विजय कुमार चौधरी, बिजेन्द्र प्रसाद यादव,श्रवण कुमार, अशोक चौधरी,लेसी सिंह,मदन सहनी, सुनील कुमार और मो. जमा खान शामिल रहे। लोक जनशक्ति पार्टी (रामिवलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की पार्टी से दो मंत्री संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। वहीं उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) से उनके पुत्र दीपक प्रकाश ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली है, जबकि केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) से उनके पुत्र संतोष कुमार सुमन ने एक बार फिर मंत्री पद की शपथ ली। श्री कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधामनंत्री श्री मोदी के अलावा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान, केन्द्रीय मंत्री अर्जन राम मेघवाल, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल, राजस्थान की उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित राजग में शामिल जदयू, भाजपा, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के नवनिर्वाचित विधायक, अन्य विशिष्ट अतिथिगण, सांसदगण, नवनिर्वाचित विधायकगण, विधान पार्षदगण, गणमान्य व्यक्ति, राजनीतिक कार्यकर्त्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

नेहरू की किताबें व भाषण आदि स्मार्टफोन पर ऑनलाइन उपलब्ध

नई दिल्ली, वार्ता

- मेमोरियल फंड ने पंडित नेहरू के लेखन के चुने कार्यों को डिजिटल रूप से तैयार किया

जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड ने एक ऑनलाइन साइट विकसित की है, जिसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू के लेखन कार्यों, भाषणों तथा साक्षात्कारों को स्मार्टफोन पर पढ़ा और सुना जा सकता है।

जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल फंड ने गुरुवार को यहां एक विज्ञप्ति में यह बताया कि उसने पंडित नेहरू के लेखन के चुने हुए कार्यों को डिजिटलरूप में तैयार किया है, जिसे अब ऑनलाइन पढ़ा जा सकता है। मेमोरियल फंड ने पिछले वर्ष पंडित नेहरू की जयंती पर यह काम करने की घोषणा की थी और इसको लेकर वेबसाइट को पूरी तरह तैयार कर लांच कर दिया गया है। मेमोरियल फंड ने कहा है कि पंडित नेहरू के लेखन कार्यों के 100 संस्करणों का डिजिटल संस्करण तैयार किया गया है और उनके कार्यों के चुने हुए इन संस्करणों को अब स्मार्टफोन-अनुकूल नेहरूआर्काइव डॉट इन पर पढा जा सकता है। पंडित नेहरू के समग्र कार्यों को साइट पर जाकर अपने मोबाइल फोन पर आसानी से पढ़ा और देखा जा सकता है। इसे आसानी से खोजने के साथ ही डाउनलोड भी किया जा सकता है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
खून की कमी, बदहज़मी, जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन में विकसित उत्तराखंड-2047 पर मंथन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । उत्तराखंड सरकार ने गुरुवार को अपनी दीर्घकालिक विकास प्राथमिकताओं को पुनः रेखांकित करते हुए नीति-निर्माताओं, वरिष्ठ प्रशासकों और जिला अधिकारियों को विकसित उत्तराखंड / 2047 के रोडमैप को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ लाया।

अपने उद्घाटन संबोधन में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने एओसी को क्षेत्रीय अधिकारियों और नीति-निर्माताओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद का महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि आमने-सामने की भागीदारी समन्वय को मजबूत करती है और उन क्षेत्रीय मुद्दों पर स्पष्टता लाती है, जिनके समाधान के लिए नीति-स्तरीय हस्तक्षेप आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने पर्यटन, बागवानी, स्वास्थ्य एवं वेलनेस और शहरी विकास को राज्य की विकास यात्रा के प्रमुख स्तंभों के रूप में चिन्हित करते हुए अनियोजित शहरी विस्तार को रोकने हेतु नियोजित एवं सतत शहरीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि "विकसित उत्तराखंड 2047 तभी साकार होगा जब नीति निर्माण में जमीनी वास्तविकताओं का समुचित प्रतिबिंब हो। आशा है कि यह विचार-विमर्श हमारे साझा दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए ठोस और समन्वित समाधान प्रदान करेगा।"

जावलकर ने प्रस्तुत की राज्य की वित्तीय स्थिति

वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने राज्य की वित्तीय स्थिति प्रस्तुत करते हुए उभरती चुनौतियों जैसे अनुदानों की समाप्ति, राजस्व वृद्धि में मंदी और व्यय में बढ़ोतरी का उल्लेख किया। उन्होंने साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण, यथार्थवादी अनुमान, लाइफ-साइकिल लागत आकलन और विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि राज्य की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

पंकज पांडे ने किया इंफ्रास्ट्रक्चर एवं मोबिलिटी रोडमैप पेश

इंफ्रास्ट्रक्चर एवं मोबिलिटी रोडमैप प्रस्तुत करते हुए सचिव पंकज पांडे ने पिछले 25 वर्षों में बेहतर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हुई प्रगति को रेखांकित किया और डी-कंजेशन उपायों, मजबूत एवं लचीले बुनियादी ढांचे, तथा सार्वजनिक परिवहन के बेहतर एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया, विशेषकर पर्यटन तथा आर्थिक विकास को गति देने के लिए।

■ सुधार के संभावित क्षेत्रों का दिया गया प्रस्तुतिकरण
वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार सचिवालय देहरादून में दो दिवसीय प्रशासनिक अधिकारी सम्मेलन शुरू

प्रमुख सचिव डा. आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने विकसित उत्तराखंड 2047 की विजनिंग प्रक्रिया प्रस्तुत की और 2025 से 2047 तक सतत विकास प्राप्त करने के लिए प्रस्तावित व्यापक आर्थिक मार्गों का विवरण दिया। बताया गया कि राज्य का जीएसडीपी 3.78 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2047 तक 28.92 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचने का अनुमान है।

उन्होंने उच्च-मूल्य कृषि की ओर संक्रमण, सेवा क्षेत्र के विस्तार, डिजिटल पहुँच एवं गुणवत्ता के सुदृढ़ीकरण, साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के उन्नयन की आवश्यकता पर जोर दिया।पर्यटन विभाग की अतिरिक्त सचिव ने विंटर टूरिज्म की अवधारणा प्रस्तुत की। इस संबंध में कुछ सर्किट चिन्हित किए गए हैं तथा इसे क्रियाशील बनाने के लिए नीतियों एवं प्रभावी अभिसरण की आवश्यकता पर बल दिया।

इसके अतिरिक्त, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, उधम सिंह नगर और हरिद्वार के जिलाधिकारियों द्वारा क्रमशः हर्बल एवं औषधीय पौधों, वाइब्रेंट विलेजेज, बागवानी की संभावनाएँ, आकांक्षी जिला पहल तथा कचरा प्रबंधन से संबंधित जिला-स्तरीय उत्कृष्ट कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

विभिन्न जिला-स्तरीय चुनौतियों को भी जिलाधिकारियों द्वारा साझा किया गया। इस पर मुख्य सचिव ने सुझाव दिया कि चुनौतियों के समाधान एवं राज्य के त्वरित विकास हेतु कुछ संस्थागत ढाँचे विकसित किए जाने आवश्यक हैं।

बैठक में अपर सचिव नवनीत पांडेय ने सम्मेलन का संचालन किया। इस दौरान बैठक में प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु व एल एल फैनई सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दहेज हत्या प्रकरण पर महिला आयोग सख्त, कार्रवाई के निर्देश

■ आयोग अध्यक्ष ने दिए गहन जांच के दिए निर्देश पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने को आयोग की जीरो टॉलरेंस नीति लागू

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून/ ऋषिकेश। दहेज उत्पीड़न से जुड़े एक गंभीर मामले में उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने कड़ा संज्ञान लेते हुए सीओ ऋषिकेश डॉ. पूर्णिमा गर्ग और एडिशनल एसपी जया बलूनी को तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने पुलिस को मामले की गंभीर जांच कर दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

शिकायत पत्र के अनुसार, ऋषिकेश निवासी उमेश कुमार ने अपनी पुत्री सोनी की दहेज उत्पीड़न और हत्या का गंभीर आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि पुत्री की शादी 02 जुलाई 2023 को सुमित पुत्र विनोद निवासी जाटव बस्ती, रेलवे रोड, ऋषिकेश से हुई थी। शादी के शुरुआत से ही पुत्री को उसके पति व ससुराल पक्ष द्वारा दहेज को लेकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। इस संबंध में 30 सितंबर 2023 को थाना पुलिस को तहरीर भी दी गई थी।

पीड़ित पिता के अनुसार 18 नवंबर 2025 की शाम करीब 6 बजे पुत्री के ससुराल वालोंख्रपति सुमित, सास जसवंती, ससुर विनोद, जेठ अमित, जेठानी रूबी, ननद कामिनी, शिया सहित अन्य रिश्तेदारख्रने मिलकर सोनी की हत्या कर दी।

आरोप है कि घटना के बाद सभी आरोपी शव को सरकारी अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए।गंभीर आरोपों को देखते हुए महिला आयोग ने इसे अत्यंत संवेदनशील मामला मानते हुए पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जांच में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और दोषियों को कानूनन कठोर सजा दिलाई जाए।

बिहार में नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल सीएम धामी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को बिहार के गाँधी मैदान, पटना में आयोजित बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग करने पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि बिहार और उत्तराखंड के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार के नेतृत्व में बिहार राज्य नई ऊर्जा और संकल्प के साथ विकास की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने देशभर से पहुंचे विभिन्न राज्यों के गणमान्य नेताओं से भी शिष्टाचार भेंट की और उनसे राष्ट्रीय विकास, सुशासन तथा समन्वित प्रगतिशील नीतियों पर विचार-विमर्श किया।

■ नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों को दी हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने बिहार के जनता जनार्दन के उज्ज्वल भविष्य, राज्य की निरंतर प्रगति और नवगठित सरकार के सफल कार्यकाल की शुभकामनायें प्रेषित कीं।

हिन्दू संगठनों ने मृत गोवंश के लिए ठेकेदार प्रणाली का किया विरोध

विकासनगर। गौशाला संचालकों, विभिन्न हिंदू संगठनों तथा डेयरी संचालकों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम विकासनगर को महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य मांग यह रखी गई कि गौवंश के सम्मानजनक अंतिम संस्कार के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध कराई जाए। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वर्तमान में जिला पंचायत द्वारा मृत गौवंश के लिए ठेकेदार प्रणाली अपनाई जा रही है, जो कि हिंदू रीति.रिवाजों के विरुद्ध है और धार्मिक भावनाओं को आहत करती है।प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से आग्रह किया कि मृत गौवंश का अंतिम संस्कार हिंदू परंपराओं के अनुसार किए जाने हेतु एक निश्चित भूमि तत्काल चिन्हित की जाए, ताकि गायों को सम्मानजनक विदाई दी जा सके।इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को 15 दिन का अल्टीमेटम भी दिया।

ईडी ने डीआईटी यूनिवर्सिटी चेयरमैन को भेजा नोटिस

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में वर्षों पुराने एससी-एसटी छात्रवृत्ति घोटाले की जांच एक बार फिर तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डीआईटी यूनिवर्सिटी के चेयरमैन को नोटिस जारी किया है।

ईडी ने उन्हें 10 दिनों के भीतर कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने और दस्तावेज पेश करने का निर्देश दिया है। ईडी ने पिछले कुछ महीनों से दस्तावेजों और बैंक लेनदेन की जांच तेज कर रखी है। इसी के तहत डीआईटी यूनिवर्सिटी प्रबंधन का नाम सामने आने पर ईडी ने यूनिवर्सिटी के चेयरमैन को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

उल्लेखनीय है कि घोटाले के सामने आने के बाद हरिद्वार और देहरादून दोनों जिलों में कई संस्थानों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए थे। सबसे पहले हरिद्वार के सिडकुल क्षेत्र में तैनात अधिकारियों ने फर्जीवाड़े की पुष्टि करते हुए एफआईआर दर्ज की थी, जिसके आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच शुरू की।

■ एससी-एसटी छात्रवृत्ति घोटाले में कार्रवाई तेज, उत्तराखण्ड के कई शिक्षण संस्थानों की बढ़ी मुश्किलें

ईडी अब डीआईटी यूनिवर्सिटी सहित अन्य संस्थानों से भी विस्तृत दस्तावेज और फीस रिकॉर्ड मांग सकती है। यदि अनियमितता प्रमाणित होती है, तो मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की संभावना है।

घोटाला: 2012 से 2016 तक करोड़ों की छात्रवृत्ति में धांधली

वर्ष 2012 से 2016 के बीच सरकार की ओर से एससी-एसटी छात्रों की फीस और शिक्षा सहायता के लिए जारी की गई करोड़ों रुपये की छात्रवृत्ति कई शिक्षण संस्थानों ने गलत तरीके से हड़प ली थी। आरोप है कि अनेक संस्थानों ने या तो फर्जी छात्रों के नाम पर राशि ली, या फिर छात्रों को पूरी राशि न देकर खुद बंदरबांट कर ली।

फर्जी छात्र दिखाकर हड़पी गई थी छात्रवृत्ति

देहरादून। अभी तक हुई जांच में खुलासा हुआ है कि कई संस्थानों ने वास्तविक छात्रों की संख्या से कई गुना अधिक छात्रवृत्ति दिखाई। कुछ संस्थानों में छात्रों के खातों में आंशिक राशि भेजी गई और बाकी की रकम संस्थान में ही रोक ली गई। कई छात्रों ने बयान दिया कि उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ पूर्ण रूप से नहीं मिला। ईडी ने बैंक खातों और वाउचर की गहन जांच में कई वित्तीय असंगतियों को पाया है।

जंगली जानवरों से सुरक्षा को कार्ययोजना तैयार करें: महाराज

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने राज्य के पर्वतीय जनपदों में जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों और उनसे आम जन की सुरक्षा के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

प्रदेश के पंचायतीराज, पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने गुरुवार को सुभाष रोड स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर वन विभाग एवं पंचायतीराज के अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य के पर्वतीय जनपदों में जंगली जानवरों के बढ़ते हमलों पर चिंता जताते हुए आमजन एवं ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देते हुए कहा कि गढ़वाल एवं अन्य पर्वतीय जनपदों में स्थित ग्राम पंचायतों में बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं जो कि जंगली जानवरों के छुपने की जगह बन गई हैं। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। स्कूली बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। इसके अलावा वर्तमान में शादियों का साया भी चल रहा है इसलिए जरूरी है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की मनरेगा के तहत अनटाइड फंड से झाड़ियां का शीघ्र कटान किया जाए।

■ अंबानी के बनतारा में भेजे जाएंगे घातक हो रही जंगली जानवर पंचायत विभाग के अधिकारियों को अनटाइट फंड से मनरेगा के तहत झाड़ियां को काटने के निर्देश

पंचायत मंत्री महाराज ने कहा कि जंगली जानवरों के संरक्षण के लिए जो पार्क बने हैं उनमें उन्हें रखने की व्यवस्था की जाए और बड़ी-बड़ी संस्थाओं एवं कंपनियों से उन्हें गोद लेकर उनके रखरखाव एवं खान-पान की व्यवस्था के लिए उनसे अनुरोध किया जाए। उन्होंने कहा कि एक बाघ को पड़कर यदि पार्क में रखा जाता है तो उसके खान-पान एवं रखरखाव पर 20 से 25 लाख रुपए के लगभग वार्षिक खर्च आता है। इसलिए इस तरह की पहल करना आवश्यक है।

महाराज ने कहा कि आमजन की सुरक्षा के लिए घातक बन रहे ऐसे जंगली जानवरों को पड़कर उन्हें संरक्षण देने के लिए वह अंबानी परिवार द्वारा बनाये गये बनतारा से भी अनुरोध करेंगे। बैठक में पंचायती राज विभाग के विशेष सचिव पराग मधुकर धकाते, निदेशक पर्यावरण पीसीसीएफ एस.पी. सुबुद्धि और पंचायतीराज निदेशक निधि यादव आदि मौजूद थे।

आईएसबीटी को बनाएंगे स्वच्छता व व्यवस्था का आदर्श मॉडल: तिवारी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । आईएसबीटी देहरादून शहर का सबसे व्यस्त परिवहन केंद्र है, जहां रोजाना हजारों यात्री यात्रा करते हैं। ऐसे में स्वच्छता और सुव्यवस्थित प्रबंधन की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। इसी संदर्भ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विगत दिनों आईएसबीटी में औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था को बारीकी से परखा। उन्होंने स्वयं झाड़ू लगाकर यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सरकारी मशीनरी का कार्य नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ और सुरक्षित रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और आईएसबीटी जैसे महत्वपूर्ण स्थल पर किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के बाद मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) एक्शन मोड में आ गया है। एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने एमडीडीए और आईएसबीटी के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ विस्तृत बैठक कर पूरे परिसर की सफाई व्यवस्था को लेकर समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आईएसबीटी में 24 घंटे साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी की जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि किसी भी स्तर पर उदासीनता की गुंजाइश न रहे।

इसी दिशा में गुरुवार को आईएसबीटी परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में एमडीडीए और आईएसबीटी कार्यालय के सभी कर्मचारियों ने सहभागिता निभाई। अभियान के दौरान न केवल आईएसबीटी परिसर, बल्कि उसके बाहर मुख्य मार्ग तक सफाई कार्य किया गया। कूड़ा हटाने के साथ-साथ नालियों की सफाई, बस स्टैंड के विभिन्न ब्लॉकों और प्रतीक्षालयों की सफाई भी की गई ताकि यात्रियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। स्वच्छता अभियान के दौरान परिवहन निगम और अन्य बस ऑपरेटरों के ड्राइवरों और कंडक्टरों को भी जागरूक किया गया। उन्हें पॉलिथीन बैग प्रदान कर समझाया गया कि बसों का कचरा खुले में न फेंकें, बल्कि पॉलिथीन बैग में इकट्ठा कर निर्धारित डस्टबिन में ही डालें। इससे न केवल परिसर में गंदगी रोकने में मदद मिलेगी, बल्कि यात्रियों के लिए बेहतर वातावरण भी सुनिश्चित होगा। अधिकारियों का मानना है कि यदि वाहन कर्मी नियमित रूप से इस प्रक्रिया का पालन करें तो आईएसबीटी परिसर की सफाई व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

■ एमडीडीए ने तैयार की व्यापक रणनीति, जनसहभागिता से बदलेगा आईएसबीटी का चेहरा, आईएसबीटी में चलाया गया व्यापक स्वच्छता अभियान, यात्रियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा

जनता को विकास का अनुभव, विपक्ष अनजान: भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष के सांसद आदर्श गांवों में विकास की समीक्षा वाले बयान पर पलटवार कर कहा कि जनता विकास का अनुभव कर रही है, लेकिन विपक्ष आंख मूंदे है।

प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने बूथ स्तर तक संगठन बनाने के कांग्रेसी दावे पर कहा कि हमारे बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख जनता के मध्य सक्रिय रहकर, जनता को पार्टी से जोड़ते हैं, कांग्रेस के लिए इसकी नकल करना असंभव है। वहीं उपनलकर्मियों को भी विश्वास दिलाया कि किसी राजनैतिक झांसे में न आएं, सरकार उनके हित में न्यायलय के आदेश लागू कराने के लिए प्रयासरत हैं।

विभिन्न माध्यमों से मीडिया द्वारा कांग्रेस के बूथ स्तर तक संगठन बनाने के दावे पर पूछे गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता आधारित राजनीति करने वाली कांग्रेस के लिए यह असंभव है। उन्होंने कहा कि हमारे बूथ अध्यक्ष, पन्ना प्रमुख पार्टी के कार्यक्रमों और सरकार की उपलब्धियों को घर घर पहुंचाता है। जिससे आम आदमी पार्टी से जुड़ता है और परिणाम है बारम्बार चुनावों में कमल का खिलना। कांग्रेस पार्टी को लगता है वह नकल कर ऐसा संगठन तैयार कर सकती है तो यह उनकी गलतफहमी है। हमारे कार्यकर्ताओं के पास पार्टी का विचार है, सिद्धांत हैं और सबसे महत्वपूर्ण, उनमें समर्पण का भाव है। जबकि कांग्रेस का एकमात्र लक्ष्य होता है किसी भी कीमत पर सत्ता को प्राप्त करना। लिहाजा कांग्रेस नेताओं के ऐसे बयान मीडिया की सुर्खियां तो बन सकती हैं लेकिन जनता का विश्वास नहीं जीत सकती हैं।

इसी तरह कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष द्वारा सांसद आदर्श ग्रामों में विकास देखने वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी कि सच कहना कांग्रेस की प्रवृति में नहीं है। अन्यथा भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार में हुए विकास से संतुष्ट, प्रदेशवासियों का लगातार जनादेश उन्हें समझ में आता। आज विकास को राज्य की जनता अपने आसपास, दैनिक गतिविधियों में देख और अनुभव कर रही है। लेकिन कांग्रेस नेताओं ने तो आंखें मूंदी हुई हैं, वे कहीं भी चले जाएं उन्हें विकास नहीं नजर आएगा। यही नकारत्मक राजनीति उन्हें लागातार अप्रासंगिक बनाती जा रही है।उन्होंने उपनल कर्मचारियों के आंदोलन को लेकर कहा कि सरकार उनके हित में लगातार न्यायालय के निर्णय का क्रियान्वहन हेतु प्रयासरत हैं। इस दिशा में समाधान के लिए एक उपसमिति भी बनाई गई है जो तमाम पहलुओं पर विचार कर रही है कि कैसे उपनलकर्मियों की मांगों को पूरा किया जाए। लिहाजा किसी को भी राजनैतिक झांसे में नहीं आते हुए थोड़ा सा सब्र रखना चाहिए क्योंकि सरकार कर्मचारी हित में निर्णय के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध है।

सहकारी समिति चुनावों में भाजपा ने लहराया परचम

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (एम-पैक्स) के प्रबंध समितियों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने अपना परचम लहराया है। राज्य की कुल 671 सहकारी समितियों में से 668 समितियों में कोरम पूर्ण कर प्रबंध कमेटियों का गठन किया गया है, जिनमें भाजपा समर्थित उम्मीदवार भारी बहुमत से निर्वाचित हुए हैं।

इतना ही नहीं, सहकारी समितियों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर भी भाजपा ने निर्णायक विजय दर्ज कर प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र में अपना कब्जा किया है। सहकारिता क्षेत्र में भाजपा सरकार द्वारा किए गए व्यापक सुधार, समितियों का डिजिटलाइजेशन, पारदर्शी संचालन, किसान एवं ग्रामीण समुदाय के लिये प्रभावी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का यह प्रत्यक्ष परिणाम है। जिसके चलते सहकारिता सदस्यों ने भाजपा समर्थित उम्मीदवारों पर अपार विश्वास जताया है।

■ 668 सहकारी समितियों में प्रबंध कमेटियां गठित,95 फीसदी प्रबंध कमेटी पर भाजपा ने किया कब्जा

सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण के अनुसार प्रदेश में 671 एम-पैक्स में कुल 7381 वार्ड हैं। इनमें से 6235 वार्डों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ, जबकि शेष वार्डों पर मतदान संपन्न कराया गया। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों के लिये आज मतदान एवं मतगणना पूर्ण की गई, जिसमें भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने एकतरफा जीत हासिल की।

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने इस ऐतिहासिक जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प की जीत बताया।

उन्होंने कहा कि यह परिणाम सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और आम लोगों, किसानों, काश्तकारों, कारीगिरों व महिलाओं को सहकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने का प्रतिफल है।

निकाली गई एकता रैली

विकासनगर। भारत की एकता और अखंडता के लिए हरबर्टपुर से विकासनगर होते हुए जीवनगढ़ रेजिडेंस तक एकता रैली निकाली गई। रैली विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया।इस मौके पर ब्राइट एंजेल्स स्कूल जीवनगढ़ के निदेशक कर्नल कादिर हुसैन ने कहा कि रैली का मकसद भारत की एकता और अखंडता बढ़ावा देना और सभी नागरिकों को एकजुट करना है।उन्होंने कहा कि ब्राइट एंजेल्स स्कूल देश के हित के लिए जोभि कार्यक्रम होते है उसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता है। रैली में विधायक मुन्ना सिंह चौहान, कुलदीप, भाजपा जिलाध्यक्ष मीता सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संतोष रावत,अंशुल रमोला, कनिका, दानिश अलीआदि मौजूद रहे

देश के प्रथम गांव माणा पहुंचे मंत्री जोशी

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली। प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी गुरुवार को जनपद चमोली स्थित देश के प्रथम गांव माणा पहुंचे। मंत्री जोशी ने माणा आगमन पर भारतीय सेना के जवानों से भेंट कर उनका हालचाल जाना और उनके उत्साह एवं सेवा भाव की सराहना की।

इसके उपरांत ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने माणा बाजार का भ्रमण किया, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों, तीर्थयात्रियों एवं दुकानदारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं व सुझावों पर संवाद किया। उन्होंने यात्रियों से बातचीत कर यात्रा व्यवस्था एवं सुविधाओं की भी जानकारी ली। माणा बाजार में मंत्री गणेश जोशी ने स्थानीय उत्पादों की खरीददारी करते हुए डिजिटल पेमेंट के माध्यम से भुगतान किया और लोगों को डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

मंत्री जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताते हुए कहा कि अंतिम गांव माणा गांव देश का प्रथम गांव बनाया। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों की संस्कृति, परंपरा एवं देशभक्ति पूरे उत्तराखण्ड के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने क्षेत्र में पर्यटन एवं स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार समूहों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक प्रदेश में 1.65 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाया जा चुका है। जो राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण व आजीविका वृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने बदरीनाथ धाम से लौटते समय वृद्ध बद्री के पास अपने काफिले को रोक कर बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार्य कर रहे श्रमिकों को मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी कार्मिकों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि कठोर परिस्थितियों में भी आप सभी जिस भावना और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। इस दौरान बद्री केदार मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सेना के जवानों और ग्रामीणों से की मुलाकात, माणा बाजार में की स्थानीय उत्पादों की खरीदारी

कोटी गांव में गुलदार ने महिला को उतारा मौत के घाट

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। तहसील श्रीनगर क्षेत्र के कोटी गांव में गुलदार ने हमला कर एक महिला को मौत के घाट उतार दिया। गुलदार के हमले के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सास-बहू गुरुवार को शाम 4 बजे करीब गांव की महिलाओं के साथ आसपास के खेतों में घास काटने गई थी, तभी घात लगाए गुलदार ने बुजुर्ग महिला पर हमला कर दिया। पास में गुलदार के हमले को देख बहू बेहोश होकर खेत में गिर पड़ी। इसी दौरान अन्य खेतों में घास काट रही महिलाओं ने शोर किया तो गुलदार घटनास्थल से भाग निकला।

श्रीनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में दहशत का महौल

कोटी गांव के पूर्व प्रधान जगमोहन सिंह पंवार ने बताया कि देर सांय दोनों सास और बहू गांव की कुछ महिलाओं के साथ घास काटने खेतों की ओर गयी थी। शाम का वक्त होने के कारण गुलदार ने घात लगाकर महिला पर हमला कर दिया। बताया कि गुलदार के हमले से 60 वर्षीय गिन्नी देवी पत्नी सुरेंद्र सिंह ग्राम कोटी पो जामणाखाल की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है।इधर,डीएफओ पौड़ी अभिमन्यु सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। टीम कैमरा ट्रेप्स व अन्य उपकरणों से लगातार क्षेत्र में नजर बनाई जा रही है।गुलदार प्रभावित सभी क्षेत्रों में समय-समय पर गश्त भी जारी है। कहा कि पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा राशि देने की कार्यवाही की जारी रही है।

एडीएम ने पुरोला पहुंचकर किया विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: अपर जिलाधिकारी उत्तरकाशी मुक्ता मिश्र ने तहसील पुरोला के सिंचाई, लोक निर्माण विभाग , एनएच और पीएमजीएसवाई के कार्यालयों का औचक निरीक्षण पर कई कर्मियों को करने से नदारद पाया है।

उन्होंने अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड पुरोला, अधिशासी अभियंता एनएच बड़कोट के साथ कई कार्मिक बिना अवकाश स्वीकृति के अनुपस्थित पाए गए एडीएम ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान इन कार्यालयों में पत्रावलियों के रखख्ररखाव और सफाई की उचित व्यवस्था नहीं होने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में उपस्थिति पंजिकाओं की जाँच की और कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुँचने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा पुरोला तहसील के अंतर्गत कंडियाल गांव में प्रस्तावित खेल मैदान एवं दणमाण गांव में पेयजल पंपिंग योजना के लिए लैंड विजिट किया तथा कंडियाल गांव के प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर छात्र छात्राओं से फीडबैक लिया एवं शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिये। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से सिंचाई परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति और पीएमजीएसवाई के तहत चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करने को कहा।

बदरीनाथ धाम में परिवार संग पहुंचे कृषि मंत्री जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स
शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली। नवम्बर। प्रदेश के कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी गुरुवार को प्रातः परिवार सहित श्री बदरीनाथ धाम पहुंचे, जहाँ उन्होंने विधिवत हवन-यज्ञ एवं पूजा-अर्चना कर भगवान बदरी. विशाल से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री जोशी ने प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलक. ामनाएँ कीं।

धाम में पहुंचे तीर्थयात्रियों से मंत्री गणेश जोशी ने यात्रा व्यवस्था और सुविधाओं को लेकर फीडबैक भी लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए बीकेटीसी द्वारा की गई व्यवस्थाओं के लिए बीकेटीसी की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बड़े बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य कर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बदरीनाथ यात्रा के दौरान मंत्री जोशी ने रावल एवं तीर्थ पुरोहितों के साथ भेंट की और हक-हकूक धारियों से आत्मीय संवाद किया। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय दुकानदारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके सुझाव भी सुने। मंत्री जोशी ने कहा कि बदरीनाथ धाम की आध्यात्मिक गरिमा और क्षेत्र के विकास के लिए सरकार कटिबद्ध है।इस अवसर पर निर्मला जोशी, बद्री केदार समिति उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, रावल अमरनाथ नंबूदरी, सीईओ बद्री केदार विजय थपलियाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

एक नजर ....

21 व 22 को होगी जिलास्तरीय संस्कृत स्पर्धा

कोटद्वार। पौड़ी की जनपद स्तरीय संस्कृत स्पर्धाएं नगर निगम प्रेक्षागृह में 21 व 22 नवंबर को आयोजित होंगी। बुधवार को शिब्बूनगर में आयोजित बैठक में विभिन्न समितियों का गठन किया गया। जिला संयोजक रौशन गौड़ ने बताया कि ये स्पर्धाएं छात्रों में संस्कृत के प्रति अनुराग उत्पन्न करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही हैं। इस प्रतियोगिता में खंड स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी 15 ब्लॉकों के छात्र प्रतिभाग करेंगे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र संस्कृत महोत्सव में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर सहसंयोजक कुलदीप मैंदोला, संयोजिका बीना गौड़, डॉ. रमाकांत कुकरेती आदि मौजूद रहे।

बीएसएनएल मोबाइल संचार सेवा के बेहतर होने की जगी उम्मीद

कोटद्वार । रिखणीखाल, नैनीडांडा और जयहरीखाल विकास खंडों के विभिन्न गांवों के लोगों को बीएसएनएल मोबाइल संचार सेवा के बेहतर होने की उम्मीद नजर आ रही है, कारण यह है कि ग्राम पंचायत कांडा की ग्राम प्रधान विनीता ध्यानी द्वारा कंपनी के उच्च अधिकारियों को समस्या से अवगत कराने के बाद बीएसएनएल की टेक्निकल टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर समस्या के समाधान के लिए टावरो की चौकिंग व सुधारीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। गुरुवार को ग्राम प्रधान विनीता ध्यानी ने बताया कि टावरों की टेक्निकल परेशानी और लोगों की शिकायत के बाद इस संबध में उन्होंने मुख्य महाप्रबंधक बीएसएनएल देहरादून व डीजीएम श्रीनगर को तीन दिन पहले समस्या से अवगत कराया था। इस पर टेक्निकल टीम क्षेत्रीय प्रबन्धक श्रीनगर हरप्रीत सिंह व दूरसंचार अधिकारी शेखर सुमन शर्मा के निर्देशन में ग्राम पंचायत काण्डा पहुंचकर काम में जुट गई है। साथ ही टीम अन्य स्थानों पर लगे टावरों का भी निरीक्षण और सुधारीकरण कार्य करेगी। बताया कि रिखणीखाल के रौंदेड़ी में नया टावर मार्च माह तक स्थापित करने की संस्तुति दी गई है जिससे पैनों पट्टी व बूंगी पट्टी के तीन दर्जन से अधिक गांवों को मोबाइल सेवा का लाभ मिलेगा।

बजीरा वार्ड पर उप चुनाव संपंन

रुद्रप्रयाग। जिला पंचायत रुद्रप्रयाग के बजीरा वार्ड पर उप चुनाव संपंन हो गया है। हालांकि इस बार मतदान प्रतिशत काफी कम रहा। वार्ड के 22 पोलिंग बूथों पर चुनाव प्रक्रिया संपंन हुई। समाचार लिखे जाने तक कुल मतदान प्रतिशत नहीं आया पाया था, लेकिन जानकारी के अनुसार काफी कम पोलिंग हुआ है। उप चुनाव में वार्ड की जनता ने कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। इस उप चुनाव में भाजपा व कांग्रेस में आमने-सामने की टक्कर है। पूर्व जिपंस स्व. बिमला बुटोला के आकस्मिक निधन के बाद इस सीट पर उप चुनाव हुआ है। 22 नवम्बर को चुनाव का रिजल्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। रुद्रप्रयाग जिला पंचायत के बजीरा वार्ड पर उप चुनाव निर्विघ्न रूप से संपंन हो गये हैं। यह वार्ड ओबीसी घोषित है। पूर्व में संपंन हुये चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी बिमला देवी ने भाजपा प्रत्याशी को 39 वोटों से पराजित किया था, लेकिन कुछ समय बाद बिमला देवी का आकस्मिक निधन हो गया था और बजीरा सीट खाली हो गई थी। भाजपा ने इस सीट पर पूर्व में दूसरे स्थान पर रही नीता बुटोला को समर्थन दिया है। जबकि कांग्रेस ने इस सीट पर नीलम बुटोला को अपना प्रत्याशी बनाया था।

गुलदार व भालु के आतंक से पहाड़ वासियों का जीवन हुआ कठिन

रुद्रप्रयाग। जनपद में भालुओं के साथ ही गुलदार का भी लगातार आतंक बढ़ रहा है। आये दिन भालु व गुलदार पालतू मवेशियों को निवाला बना रहे हैं। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति इतनी भयावह है कि सायं होते ही लोग घरों में दुबह रहे हैं। सुबह के समय परिजन बच्चों को स्वयं स्कूल छोड़ने जा रहे हैं। एक सप्ताह के भीतर जनपद में भालु व गुलदार लगभग एक दर्जन मवेशियों को निवाला बनाने के साथ ही घायल कर चुके हैं। जनपद के अलग-अलग हिस्सों में इन दिनों भालु व गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। विकासखण्ड अगस्त्यमुनि के अंतर्गत दशज्यूला काण्डई के जरम्वाड़ ढुंग के साथ ही थपलगांव में गुलदार का आतंक बना हुआ है। एक सप्ताह के भीतर गुलदार ने ढुंग व थपलगांव के दयूका तोक से तीन पालूत मवेशियों को निवाला बना दिया है। गांवों में आये दिन गुलदार की धमक है और ग्रामीण भय के साये में जीवन यापन कर रहे हैं।

मंत्री के खिलाफ टिप्पणी करने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई

श्रीनगर। कैबिनेट मंत्री एवं श्रीनगर विधायक डॉ. धन सिंह रावत के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट एवं टिप्पणी पर भाजपाईयों ने कोतवाली पहुंचकर दोषि के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। कोतवाली श्रीनगर को सौंपे पत्र में भाजपा के जिला महामंत्री गणेश भट्ट और भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय घिल्डि़याल ने कहा कि सोशल मीडिया पर उत्तराखंड़ी राजेंद्र के नाम से बनी आईडी से कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के प्रति गैर जिम्मेदारना पोस्ट की गई है। कहा कि इस तरह की टिप्पणी से कैबिनेट मंत्री की छवि धुमिल की जा रही है। उन्होने सोशल मीडिया पर इस तरह की टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

श्रीनगर में डेंगू के तीन मरीज मिले

श्रीनगर। नगर निगम श्रीनगर में एक बार फिर डेंगू के मरीज समाने आए है। मरीजों का उपचार संयुक्त चिकित्सालय श्रीनगर में चल रहा है। नगर क्षेत्र के कमलेश्वर महौले, गोला बाजार से डेंगू के तीन मरीज मिले है। उपजिला संयुक्त चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल गुसांई ने बताया कि बीते 18 नवम्बर को तीन मरीज बुखार की शिकायत को लेकर संयुक्त चिकित्सालय पहुंचे थे। मरीजों में डेंगू के लक्षण दिखाई देने से उनकी जांच की गई। गुरूवार को तीनों मरीजों की रिपोर्ट पॉजीटिव मिली है। बताया कि मरीजों को भर्ती करवाया गया है। तीनों की स्थिति सामान्य है। उन्होने लोगों से अभी भी एतिहात बरतने कि अपील की है।

छह माह पूर्व बना मार्ग से उखड़ा डामर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। एक ओर सड़कों को गढड़ा मुक्त करने की बात की जा रही है। वहीं दूसरी ओर जनपद के अंतर्गत कई सड़कों के बुरे हाल हैं। स्थिति यह है कि जिन सड़कों पर विगत छह माह पूर्व ही डामर बिछाया गया है, उन सड़कों से डामर उखड़ चुका है और सड़क गढड़ों में तब्दील हो गई है। दरअसल, विकासखण्ड अगस्त्यमुनि के अंतर्गत काण्डई-बैरांगना-कमोल्डी मोटरमार्ग पर विगत छह माह पूर्व ही डामर किया गया था, लेकिन छह माह में ही मोटरमार्ग का डामर उखड़ चुका है। एक ही स्थान पर मोटरमार्ग का डामर नहीं उखड़ा है, बल्कि जगह-जगह सड़क से डामर उखड़ने के साथ ही बड़े-बड़े गढड़े पड़ गये हैं। बीते मानसून सीजन ने मोटरमार्ग के बुरे हाल कर दिये हैं। यह मोटरमार्ग काण्डई के निकट लगातार धंसता भी रहा है। जिस कारण मोटरमार्ग पर आवाजाही करना भी खतरनाक साबित हो रहा है। ग्रामीण गोपाल भटट, बलवीर पंवार आदि का कहना है कि छह माह के भीतर ही करोड़ों की लागत से बिछाये गये डामर के उखड़ने से विभागीय लापरवाही सामने आ रही है। मोटरमार्ग पर बिछाया गया डामर उखड़ने के साथ ही मोटरमार्ग पर बड़े-बड़े गढड़े पड़ गये हैं। जिस कारण मोटरमार्ग पर आवाजाही करना खतरनाक साबित हो रहा है। उन्होंने विभाग से मोटरमार्ग पर हुये डामर की जांच करने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही करने की मांग की है। इधर, लोनिवि के अधिशासी अभियंता इन्द्रजीत बोस का कहना है कि मोटरमार्ग की स्थिति का जायजा टीम ले चुकी है और शीघ्र ही मोटरमार्ग को दुरूस्त किया जाएगा।

काण्डई-बैरांगना-कमोल्डी मोटरमार्ग का मामला, ग्रामीणों ने की मोटरमार्ग को दुरुस्त करने की मांग

खेतों में लगे विद्युत पोलों को हटाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । नगर निगम क्षेत्र के सनेह क्षेत्र के किसानों ने खेतों में लगे विद्युत पोलों को हटाने की मांग की है। कहा कि खेतों में लगे विद्युत पोल से करंट का खतरा बना हुआ है। इस संबध में गुरूवार को क्षेत्रीय विधायक ऋतु खंडूडी भूषण को भेजे ज्ञापन में स्थानीय निवासी श्रीकृष्ण सिंह नेगी व पार्षद अनिल रावत सहित माधों सिंह, किशन कुमार, राममनोहर आदि काश्तकारों ने कहा है कि जब 1980 के दशक में जब इस क्षेत्र में आबादी नाममात्र की थी व मकान भी काफी दूरी पर होते थे, उस दौरान विद्युत विभाग ने लोगों को विद्युत सुविधा देने के लिए खेतों में पोल गाड़े थे। कहा कि उस दौर में सड़क की सुविधा भी नहीं हुआ करती थी, लेकिन अब क्षेत्र की आबादी लगातार बढ़ रही है। वहीं लोग अपने मकान भी बना रहे है, जिसमें बीच खेतों में लगे विद्युत पोल बाधक बन रहे हैं। कहा कि अब तो मोहल्लों में सड़कें भी बन गई हैं। ऐसे में इन विद्युत पोलों को सड़क के किनारे शिफ्ट किया जा सकता है, जिससे लोगों को करंट के खतरे से बचाया जा सकता है। ज्ञापन में क्षेत्रीय विधायक से खेतों में लगे विद्युत पोलों को हटवा कर सड़क के किनारे शिफ्ट करवाने के लिए संबधित विभाग को निर्देशित करने को काहा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेशवर। दशोली खंड शिक्षा सभागार आयोजित समारोह का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी पंकज उप्रेती ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि पठन पाठन के साथ ही शाररिक विकास में खेलों का विशेष महत्व है खेल से बच्चों के सर्वागीण विकास होता वर्तमान समय में बच्चों को उनकी मूल भावनाओं को समझ कर शिक्षकों के साथ अभिभावकों को समन्वय बना कर छात्र का सर्वांगीण विकास करना ही शिक्षा का उद्देश्य है।उन्होंने कहा प्रत्येक अभिभावक को शिक्षक के साथ सतत् सम्पर्क कर अपने पाल्य की प्रगति में बाधक समस्याओं को शिक्षक अभिभावक समन्वय से ही दूर किया जा सकता है

यह पहला अवसर है जिसमे उदीयमान छात्र खिलाडियों व उनके अभिभावकों को शिक्षकों के सहयोग से सम्मानित किया जा रहा है और आगे के वर्षों में भी होता रहेगा

इस सम्मान समारोह में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हरमनी 16 नेशनल पब्लिक स्कूल 8 आदर्श विद्या मंदिर कोठियालसैण के 4 राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय घुड़साल से 2 प्राथमिक विद्यालय छिनका से 1 सुवोध पब्लिक स्कूल प्रेम शान्ति व चिराग पब्लिक स्कूल से एक एक छात्र छात्राओं के साथ कुल 34 खिलाडियों व उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया इस अवसर जिला क्रीड़ा समन्वय वीरेंद्र बिष्ट व्लाक क्रीड़ा समन्वय वैशाख सिहं रावत दशौली प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विक्रम झिक्वाण जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष शेर सिंह परमार सम्बन्धित विद्यालयो के प्रधानाचार्य व खेल प्रशिक्षण उपस्थित थे।

सेम नागराजा क्रिकेट टूर्नामेंट में मंदार की शानदार जीत

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। सेम मुखेम के मडभागी सौंड़ मैदान में बीते एक सप्ताह से चल रहे सेम नागराजा उपली रमोली क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच उत्साह और रोमांच से भरपूर रहा, जहाँ मंदार की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हेरवालगांव पर छह विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

स्थानीय युवाओं के लिए खेल भावना और प्रतिभा का यह मंच पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है, जिसने गाँवों में खेल गतिविधियों को नई गति देने का काम किया है।

फाइनल मुकाबला ढुंगमंदार पट्टी मंदार और उपली रमोली के हेरवालगांव की टीम के बीच खेला गया। हेरवालगांव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और निर्धारित 12 ओवरों में 99 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। उनकी पारी में कई आकर्षक शॉट देखने को मिले, जिससे मैदान में मौजूद दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मंदार की टीम ने संतुलित और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही रन बनाने की गति को बनाए रखा और मात्र 11 ओवर में 99 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। जीत के इस क्षण ने मैदान में मौजूद दर्शकों के बीच उत्साह का माहौल बना दिया और खिलाड़ियों का हौसला दोगुना कर दिया।

अनीता पोखरियाल और सुंदरा देवी बनीं सभापति, ग्रामीणों में उत्साह

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। साधन सहकारी समितियों के चुनाव परिणामों ने इस बार ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को नई पहचान दी है।

कोटाल गांव और लंबगांव की साधन सहकारी समितियों में हुए चुनावों में महिलाओं ने न केवल मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, बल्कि सभापति पद पर काबिज होकर सहकारिता के क्षेत्र में अपनी भूमिका को अहम तरीके से स्थापित किया। चुनाव परिणाम घोषित होते ही दोनों क्षेत्रों में खुशी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों ने नए दायित्व संभालने वाली टीम को शुभकामनाएं दीं।

कोटाल गांव महिला आरक्षित सीट पर हुए चुनाव में पोखरी निवासी अनीता देवी पोखरियाल को सभापति चुना गया।

जबकि उपसभापति पद की जिम्मेदारी प्रवीण व्यास को सौंपी गई। इसी समिति से जिला सहकारी बैंक के लिए चंद्रशेखर पैन्यूली और चमन प्रकाश प्रतिनिधि चुने गए, जबकि जिला बैंक प्रतिनिधि के रूप में खुशहाल सिंह नेगी का चयन हुआ।

यातायात श्रेणी से दयाल सिंह सजवाण को जिम्मेदारी मिली, वहीं ब्लॉक स्तर पर समिति का प्रति. निधित्व करने के लिए राकेश राणा को नामित किया गया।

10 मरीज कैंसर मुक्त, कैंसर योद्धा के रूप में हुआ सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के बेस चिकित्सालय ने कैंसर उपचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल ने गढ़वाल क्षेत्र के 10 कैंसर पीड़ित मरीजों को सफलतापूर्वक उपचारित कर उन्हें कैंसर मुक्त किया है। इन मरीजों को बेस अस्पताल में एक वर्ष पूर्व शुरू की गई कैंसर एवं पैलिएटिव केयर ओपीडी से लाभ मिला, जहां उनका उपचार आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क किया गया। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की पहल पर खुली कैंसर ओपीडी से आज मरीजों को लाभ मिल रहा है। कैंसर से पूर्ण रूप से उभर चुके इन 10 मरीजों को कैंसर योध्दा के रूप में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मरीजों ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया और अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा मिले सहयोग, सहानुभूति और प्रभावी इलाज के लिए आभार व्यक्त किया। डॉ. आशुतोष सयाना ने कैंसर स्पेशलिस्ट एवं ऑन्कोलॉजी सर्जन डॉ. अजीत तिवारी और कैंसर ओपीडी के नोडल अधिकारी डॉ. मोहित कुमार की टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने मरीजों के साथ करुणा और सकारात्मक व्यवहार रखते हुए उच्च गुणवत्ता का चिकित्सकीय उपचार प्रदान किया, जो अनुकरणीय है। कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. अजीत तिवारी ने बताया कि इन 10 मरीजों की रिकवरी टीम के प्रयासों और परि. जनों के सहयोग से सफल हो सकी। उन्होंने कहा कि कैंसर का इलाज केवल दवाओं और सर्जरी का मामला नहीं है। यह मरीज की उम्मीद, उसके परिवार का भरोसा और डॉक्टर की प्रतिबद्धता। तीनों के मेल से ही सफल होता है। मौके पर कैंसर ओपीडी के नोडल अधिकारी डॉ. मोहित कुमार, कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश रावत, एनेस्थिसिया विभाग के एचओडी डॉ. अजेय विक्रम सिंह, बाल रोग विभाग के एचओडी डॉ. सीएम शर्मा, हड्डी रोग विभाग के एचओडी डॉ. दयाकृष्ण टम्टा, ईएनटी विभाग के एचओडी डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ. नेहा काकरान सहित आदि मौजूद थे।

विशेष अधिवेशन से यूकेडी ने भरी हुंकार

सुरेंद्र कुकरेती बने यूकेडी के केंद्रीय अध्यक्ष

25 प्रस्ताव किये पास, स्थाई राजधानी गैरसैंण बनाने की मांग

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल के आगाज से पहले ही उत्तराखंड क्रांति दल ने संगठन को एकजुट करने और चुनावी समर में मजबूति के साथ उतरने के संकेत दिये है।

गुरुवार को कुआंवाला में आयोजित उत्तराखंड क्रांति दल के एक दिवसीय विशेष अधिवेशन में जहा केंद्रीय अध्यक्ष की कमान सुरेंद्र कुकरेती को सौंपी गई, वहीं, स्थाई राजधानी गैरसैंण बनाने की मांग सहित 25 प्रस्ताव पास कर जनता की नब्ज टटोलने की कोशिश की है। काशी सिंह ने कहा कि राज्य आंदोलनकारी के रूप में मजबूत स्तंभ सुरेंद्र कुकरेती निश्चित तौर पर उत्तराखंड क्रांति दल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुकरेती ने कहा कि दल की और से जो अहम जिम्मेदारी मुझे दी गई है मैं उन पर खरा उतारूंगा।

अधिवेशन में स्थाई राजधानी गैरसैंण को बनाने, सशक्त भू-कानून लागू करने, मूल निवास 1950 लागू करने, प्रत्येक ब्लॉक में एक नि:शुल्क बोर्डिंग स्कूल बनाने, स्वास्थ्य सेवा बेहतर करने, 300 यूनिट की बिजली मुफ्त प्रदान करने, किसानों को मुफ्त सिंचाई की व्यवस्था प्रदान करने, बड़े बांधों का विरोध, जंगली जानवरों के आतंक से निजात, प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार, पर्यटन विकास व समस्त सीमांत क्षेत्रों को धारचूला से यमुनोत्री तक जोड़ने के लिए सड़क निर्माण कराने, प्रदेश में पीपी मोड में चल रहे अस्पतालों की व्यवस्था तुरंत समाप्त करने, आउट सोर्सिंग व्यवस्था समाप्त करने, बाहर से आने वालों पर ग्रीन टैक्स लगाने, सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने, पहाड को ध्यान में रखते हुए ऊन उद्योग को विकसित करने, रिंगाल/बांस को प्रोत्साहन करने, सभी व्यापक घोटालो की जांच सार्वजनिक करने, मूल निवासियों को राष्ट्रीय स्तर पर नौकरियों में विशेष आरक्षण प्रदान करने, पर्वतीय क्षेत्र में चिकित्सा एवं व्यवसायिक संस्थानों को स्थापित करने, प्रदेश में डिग्री व डिप्लोमा युवकों जैसें सीपीएड, वीपीएड, डीपीएड, योग प्रषिक्षक, वीएड, और फार्मेसिस्ट आदि को शीघ्र नियुक्ति प्रदान करने, चकबंदी व्यवस्था लागू करने व ब्लॉक प्रमुखों एवं जिला पंचायत अध्यक्षों का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान से कराये जाने को प्रस्ताव पास किये गये।

अधिवेशन में बहादुर सिंह रावत, महानगर अध्यक्ष प्रवीण रमोला, केंद्रीय महामंत्री किरन रावत, बृजमोहन सजवान, विजय बोड़ाई, सुशील उनियाल, नारायण सिंह जनतवाल, पुष्पेंद्र त्रिपाठी, खड़क सिंह बगड़वाल, विजय ध्यानी, जयप्रकाश, शांति प्रसाद, पंकज व्यास, राजेंद्र बिष्ट, रेखा मियां, प्रमिला रावत, शकुंतला रावत, राजेश्वरी रावत, गणेश कला, मनोज कंडवाल, अतुल बेंजवाल, जितेंद्र पवार, संगीता बहुगुणा, रमा चौहान, आशा शर्मा, डीडी शर्मा, सलीम अहमद, देवेंद्र चमोली, आशुतोष नेगी, आशीष नेगी, आशुतोष भंडारी, अनूप बिष्ट, प्रेम पडियार, मुकेश कुंद्रा, जितेंद्र कुमार, दीपक भाकुनी, खेमानंद सती, पवन बिजलवान, केंद्रपाल, धर्मेंद्र गोसाई, राजीव नौटियाल व डॉ आशीष आदि उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स का 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

आपदा के समय राहत और बचाव कार्य करने की दी गई विशेष ट्रेनिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारत सरकार की युवा आपदा योजना के तहत चमोली के एनसीसी कैडेट्स का छह दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। कैडेट्स को आपदा के समय राहत और बचाव कार्य करने की विशेष ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने कैडेट्स को भूकंप, भूस्खलन, बाढ़, क्लाउड बर्स्ट और आगजनी जैसी घटनाओं से निपटने के तरीके सिखाए। इसके अलावा, फर्स्ट एड, स्ट्रेचर बनाना, रस्सियों की गांठे, नदी पार करना, गहरी खाइयों में उतरना और सैटेलाइट फोन का उपयोग जैसे तकनीकी विषयों का भी व्यावहारिक ज्ञान दिया गया।

इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एनसीसी कैडेट्स को फर्स्ट रिस्पॉन्डर (प्रथम प्रतिक्रिया दल) के रूप में तैयार करना है। समापन अवसर पर यूके बटालियन गोपेश्वर के कमान अधिकारी कर्नल श्राजेश रावत, मास्टर ट्रेनर राजू शाही, सुशील सिंह कैन्तुरा, किशन राजगुरु और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण देहरादून के ऋषभ कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम में सूबेदार समर सिंह, जगदीश सिंह व अन्य सैन्य अधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिलाधिकारी ने कसे पेंच यूजेवीएनएल को फटकार

अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, मुआवजा वितरण होगा टाइमबाउंड

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। लखवाड़-व्यासी जल विद्युत परियोजना के कार्यों में ढिलाई अब अधिकारियों को भारी पड़ेगी। जिलाधिकारी सविन बंसल ने गुरुवार को परियोजना की समीक्षा बैठक में सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि यह राज्य, देश और मुख्यमंत्री का प्राथमिकता वाला प्रोजेक्ट है। बैठक में गणना सीट प्रस्तुत न कर पाने पर डीएम ने यूजेवीएनएल के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और 5 दिसंबर तक हर हाल में सीट जमा करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दो टूक कहा कि परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि पर बनी परिसंपत्तियों के मूल्यांकन का कार्य अगले 10 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुग्रह राशि और मुआवजा प्रभावितों का अधिकार है। प्रभावितों की समस्याओं को सुलझाने के लिए अब दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने होंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर सप्ताह में एक दिन विशेष कैंप लगाया जाए। इस कैंप में यूजेवीएनएल, राजस्व और संबंधित विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे बैठकर ग्रामीणों की आपत्तियां सुनेंगे और उनका मौके पर निस्तारण करेंगे। एडीएम के के मिश्रा ने बताया कि बैठक में प्रभावितों ने मुद्दा उठाया कि कई परिवार मार्च 2023 से पहले ही अलग हो चुके थे, लेकिन पोर्टल पर उनकी एंट्री बाद में हुई, जिससे वे मुआवजे की पात्रता से बाहर हो रहे हैं।

इस पर जिलाधिकारी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए ऐसे परिवारों को लाभार्थी बनाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने का आश्वासन दिया।बैठक में एडीएम के.के.मिश्रा, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी स्मृता परमार, आईएम कराती (जीएम यूजीवीएनएल) और लाखामंडल जलकल्याण समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों का अपमान कर रही सरकारः उनियाल

शाह टाइम्स संवाददाता

डोईवाला। चीनी मिल की और से कल (आज) आयोजित पेराई सत्र शुभारंभ कार्यक्रम के लिए जारी आमंत्रण पत्र को लेकर परवादून कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कड़ा विरोध दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि आमंत्रण पत्र में गन्ना मंत्री, हरिद्वार सांसद, डोईवाला तथा ऋषिकेश विधायक सहित कई अधिकारियों के नाम शामिल किए गए हैं, मगर डोईवाला क्षेत्र के प्रमुख निर्वाचित प्रतिनिधि व गन्ना किसान परिवार से देहरादून जिला पंचायत अध्यक्ष सुखविन्दर कौर और डोईवाला ब्लॉक प्रमुख गौरव चौधरी को अतिथि के रूप में आमंत्रित ही नहीं किया गया है। उनियाल ने इसे भाजपा सरकार और मिल प्रशासन की सोची-समझी राजनीतिक उपेक्षा बताया। क्षेत्र के दो सबसे महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधियों को आमंत्रण पत्र में स्थान न देना लोकतांत्रिक मर्यादा का उल्लंघन है और यह दर्शाता है कि सरकार

स्थानीय नेतृत्व को कमजोर करने की मंशा से काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि डोईवाला चीनी मिल क्षेत्र के किसानों, गन्ना उत्पादकों और स्थानीय जनता के हितों से जुड़ा प्रमुख संस्थान है। ऐसे कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन आमंत्रण पत्र में उनके नाम न शामिल करना पूरी तरह पक्षपातपूर्ण और अस्वीकार्य कदम है।

कांग्रेस अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्धः गोदियाल

वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधिमंडल ने पगड़ी पहनाकर किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड कांग्रेस के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल से गुरुवार को वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस मुख्यालय पहुंच कर मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाए दी।

वाल्मीकि समाज की ओर से पगडी पहनाकर एवं वाल्मीकि तीर्थ का स्मृति चिह्न प्रदान कर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस ने सदैव सर्वधर्म समभाव की बात कि है और आगे भी हम इसी भावना को लेकर आगे बढेगें। उन्होने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सदैव समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गो के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है।

उन्होंने कहा कि सबल की मदद करने में भले ही विलंब हो जाए, मगर वंचितों का साथ सदैव देना ये कांग्रेस पार्टी की रीति और नीति है, उन्होने प्रतिनिधि मण्डल को विश्वास दिलाया कि समाज से जुडी समस्याओं व सुझावों को प्राथमिकता से लिया जाएगा।

इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी कांग्रेस नेता विरेन्द्र पोखरियाल, प्रवक्ता मोहन कुमार काला, आशिष देसाई अध्यक्ष वाल्मीकि सेवा समिति, कैलाश वाल्मीकि, सुरेन्द्र सूद, ओपी वरुण, अनिल बागडी, दीपक पंवार, संजय विरला, नीतिन चंचल, शुभम चंद, मानस चिनालिया, वंश चौधरी व करन डबराल आदि मौजूद रहे।

ऋषिकेश में हुई लूट का खुलासा, चार गिरफ्तार

पकड़े गए आरोपियों से शत प्रतिशत संपत्ति बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। विगत 3 दिन पूर्व 18 नवंबर को ऋषिकेश कोतवाली में अभियोग पंजीकृत करते हुए लाम रसूल पुत्र माम हसन, निवासी सात मोड गिजरेडा ने बताया कि विगत 17 नवंबर को वह ऋषिकेश क्षेत्र मे दूध बेचकर सरकारी अस्पताल के पास बाल्मिकी बस्ती रोड पर सडक किनारे बैठकर दूध से प्राप्त पैसो को गि रहा था इसी बीच, चार हथियारबन बदमाशों द्वारा उसके साथ मारपीट करते हुए उनके हाथ से पर्स व 10 हजार छीनकर भाग गये। पुलिस ने धारा 309(4)/115 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया गया।

घटना की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अजय सिंह द्वारा घटना के अनावरण एंव आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक ऋषिकेश को आवश्यक निर्देश दिये गये, उक्त निर्देशों के क्रम में कोतवाली ऋषिकेश पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल व उसके आसपास आने जाने वाले रास्तों पर लगे लगभग 110 सीसीटीवी कैमरो की फुटेजो को चौक किया गया, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के अवलोकन से प्रकाश में संदिग्धों के सम्बंध में जानकारियां एकत्रित करते हुए मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे प्रयासो से को घटना को अजांम देने वाले अभियुक्तों अमन भण्डारी पुत्र पूरव सिंह भण्डारी कैलाश पुत्र कुन्दन सिह पंकज सिह पुत्र स्व0 राजेन्द्र सिह आकाश उर्फ गोलू पुत्र आन्नाद मणी को एम्स जाने वाली रोड कोतवाली ऋषिकेश से लूटे गये 10 हजार के साथ गिरफ्तार किया गया ।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने अपने कार्यालय में जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गए चारों आरोपियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि वह सभी दोस्त है तथा नशे के आदि है, नशे की पूर्ति के लिये उनके द्वारा आते जाते लोगो से सामान, मोबाइल व रूपये छीनाझपटी करते है। विगत 17 नवंबर को उन्होने सरकारी अस्पताल के पास बाल्मिकी बस्ती रोड पर सडक किनारे एक व्यक्ति से 10 हजार छीनकर मौके से फरार हो गये थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पकड़े गए सभी लुटेरों को संबंधित न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

सभी सरकारी आईटीआई में 'साइबर सुरक्षा प्लस' कार्यक्रम लॉन्च

युवाओं को डिजिटल कौशल से सशक्त बनाने की पहलः बहुगुणा

कार्यक्रम का शुभारंभ सितारगंज स्थित राजकीय आईटीआई में हुआ

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। उत्तराखंड के युवाओं को नए दौर की डिजिटल क्षमता से सशक्त करने के उद्देश्य से कौशल विकास एवं रोजगार निदेशालय (डीएसडीई), सेतु आयोग और एनआईआईटी फाउंडेशन ने मिलकर एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत प्रदेश के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में 'साइबर सुरक्षा प्लस' कार्यक्रम लागू किया जाएगा।

कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि सिस्को के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता, पेशेवर प्रशिक्षण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कौशल जैसी आधुनिक क्षमताओं से हजारों आईटीआई विद्यार्थियों को लैस करना है। यह प्रयास उत्तराखंड के युवाओं को भविष्य के रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ सितारगंज स्थित राजकीय आईटीआई में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा, सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राज शेखर जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा डीएसडीई, सेतु आयोग, राजकीय आईटीआई संस्थानों और साझेदार संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। बहुगुणा ने कहा कि राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण में भविष्य उन्मुख कौशलों को शामिल करने पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि पेशेवर प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों की सॉफ्ट स्किल और साक्षात्कार क्षमता को बढ़ाकर उनके रोजगार के अवसरों को विस्तार देना बेहद आवश्यक है।

सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राज शेखर जोशी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि साइबर अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी को देखते हुए युवाओं में साइबर जागरूकता और कौशल विकास की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

एनआईआईटी फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रमुख अखिलेश शर्मा ने कहा कि हर शिक्षार्थी गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा और भविष्य के अनुरूप कौशल पाने का हकदार है।

एक नजर ....

छात्रों के साथ फार्मा से जुड़ी जानकारी साझा की

देहरादून। दून कॉलेज ऑफ फार्मेसी सेलाकुई के 30 फार्मेसी छात्रों और 5 संकाय सदस्यों का एक ग्रुप हिमालय वेलनेस कंपनी देहरादून की मैन्युफैक्चरिंग और फैसिलिटी देखने के लिए एक इंडस्ट्रियल विजिट पर पहुँचे। डॉ. दीक्षित, डॉ. सुमन लता, डॉ. जफर और डॉ. एस. फारूक अध्यक्ष हिमालया वेलनेस कंपनी ने छात्रों से बातचीत की और

फार्मास्यूटिकल और हर्बल हेल्थकेयर इंडस्ट्री में हाल के विकास पर अपनी राय साझा की। उन्होंने हेल्थकेयर के भविष्य को बनाने में इनोवेशन, क्वालिटी एश्योरेंस और सस्टेनेबल प्रैक्टिस के महत्व पर जोर दिया। डॉ. फारूक ने कहा, "फार्मास्यूटिकल सेक्टर तेजी से बदल रहा है, और युवा प्रोफेशनल्स के लिए मॉडर्न दवा डेवलपमेंट और ग्लोबल हेल्थकेयर में हर्बल मेडिसिन की भूमिका, दोनों को समझना जरूरी है। फैकल्टी मेंबर्स प्रो. स्वेक्षा सिंह, प्रिया खंडवाल, भावना, एस. तिवारी और डॉ. हरिंदर ने डॉ. फारूक को धन्यवाद दिया और कहा कि यह अनुभव क्लासरूम लर्निंग को काफी बेहतर बनाएगा और स्टूडेंट्स को अपने करियर में बेहतरीन करने के लिए प्रेरित करेगा।

उपनल कर्मियों का धरना जारी

देहरादून। समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग को लेकर उपनल कर्मियों का धरना 11वें दिन में जारी रहा। काली सेना के संस्थापक व

प्रमुख स्वामी आनन्द स्वरुप महाराज ने अपना समर्थन दिया। स्वामी आनंद स्वरूप महाराज ने कहा कि कर्मचारियों का शोषण किसी भी प्रकार से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से जल्द से जल्द उपनल कर्मियों के नियमितीकरण की मांग की। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कर्मचारियों के मांगे तीन दिन के भीतर पूरी नहीं होती तो वह समस्त कार्यकर्ताओं के साथ देहरादून धरने में बैठ जाएंगे। प्रदेश संयोजक विनोद गोदयाल ने कहा कि कर्मचारी आज ग्यारवें दिन धरने में डटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारियों की मांगे पूरी नहीं होती तब तक धरने पर डटे रहेंगे। ग्याहरवें दिन आंदोलन के दौरान प्रदेश संयोजक हरीश कोठारी, कार्यकारी अध्यक्ष महेश भट्ट, प्रदेश महामंत्री विनय प्रसाद, प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रदीप चौहान, संगठन मंत्री भूपेश नेगी, सागर ध्यानी, दसरथ धनंपुरी, अजय देव, प्रकाश, मनोज सहित सैकड़ो कर्मचारी मौजूद रहे।

युवाओं को रोड सेफ्टी की सीख दी

हल्द्वानी। सुरक्षित सड़कें और जिम्मेदार नागरिक बनाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने हल्द्वानी, उत्तराखंड में टैगोर पब्लिक स्कूल, यूनिवर्सल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल और एसकेएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक प्रभावशाली सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया। अभियान में 2400 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिन्होंने सुरक्षित और जिम्मेदार सड़क व्यवहार की बुनियादी बातें सीखी। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को यह समझाना है कि सड़क सुरक्षा केवल एक बार की सीख नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। सत्रों ने छात्रों को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि कैसे जेब्रा क्रॉसिंग का इस्तेमाल करना, ध्यान भटकाने से बचना और हेलमेट पहनना जैसी छोटी-छोटी बातें भी सड़क सुरक्षा में बड़ा फर्क ला सकती हैं। इंटरएक्टिव मॉड्यूल्स और डेमोंस्ट्रेशन के जरिए इस पहल ने प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा को असल जिंदगी की स्थितियों से जोड़ने में मदद की, जिससे यह संदेश और भी ज्यादा असरदार और यादगार बन गया। इससे बच्चों को अपने परिवारों में सेफ्टी इंफ्लुएंसर की भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरित किया, जागरूकता सिर्फ क्लासरूम तक सीमित न रहकर घर-घर तक पहुंच सके। सुरक्षा जागरूकता की संस्कृति को बढ़ावा देने की मुहिम में एक और अहम अध्याय जोड़ दिया। इस अभियान का मूल संदेश सरल लेकिन प्रभावशाली था: सड़क सुरक्षा की शुरुआत जागरूकता और कार्रवाई से होती है।

सिद्धार्थ में लगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून । सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस सहस्त्रधारा रोड देहरादून ने देहरादून चौरिटेबल ब्लड सेंटर के सहयोग से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में संस्थान के कर्मचारियों, नर्सिंग, फार्मेसी एवं विधि विभाग के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, जिससे मानवता की सेवा का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया गया।

इस पहल के तहत रक्तदान शिविर में कुल 60 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया, जो किसी भी शिक्षण संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। संस्थान के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद कर्मा ने सभी रक्त दाताओं और देहरादून चौरिटेबल ब्लड सेंटर के अधिकारियों का

हृदय से धन्यवाद किया।

इस अवसर पर संस्थान के वाइस चेयरमैन अभिषेक कर्मा, डायरेक्टर डीके त्यागी, नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अनिल सिंह आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी से मिले जोशी, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी ने नई दिल्ली में पार्टी प्रभारी कुमारी शैलजा से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

जोशी ने प्रभारी से आग्रह किया कि प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी को अविलंब गठित किया जाए, जिससे संगठनात्मक ढांचा मजबूत हो और कार्यकर्ता बूथ स्तर तक चुनाव की तैयारियाँ प्रभावी रूप से शुरू कर सकें। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए प्रदेश में समय रहते तैयारियाँ प्रारंभ होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि कांग्रेस पार्टी मजबूत रणनीति के साथ चुनाव

मैदान में उतर सके। इस दौरान जोशी ने प्रदेश की महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, किसानों की समस्याएँ और स्वास्थ्य व्यवस्था जैसे प्रमुख मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की। प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने जोशी की सभी बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि पार्टी संगठन को मजबूत किया जाएगा।

दुनिया का पहला क्विक पार्किंग ऐप-सिर्फ 2 मिनट में गारंटीड पार्किंग पेश

देहरादून। भारत के प्रमुख स्मार्ट पार्किंग-मोबिलिटी स्टार्टअप बीएलवाईपी ने बीएलवाईपी एप का लॉन्च किया, एक ऐसा क्विक पार्किंग ऐप जो उपयोगकर्ताओं को सिर्फ 02 मिनट में गारंटीड पार्किंग प्रदान करता है।

यह ऐप उपयोगकर्ताओं को सुविधा देता है कि वे अपनी गाड़ी कहीं भी छोड़ सकते हैं और कहीं भी प्राप्त कर सकते हैं, वह भी 100 प्रतिशत सुरक्षा और संरक्षा की गारंटी के साथ। हरिद्वार के संस्थापक अभिमन्यु सिंह द्वारा स्थापित बीएलवाईपी हाल ही में जीटीवी और जी5 के शो आइडियावाज पर फीचर होने और टाइटन-संदेश शारदा से फंडिंग प्राप्त करने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुआ।

भाजपा सरकार में किसानों की समस्या बढ़ी : कांग्रेस

कांग्रेस का मौन व्रत व सांकेतिक धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर जिला महानगर कांग्रेस कमेटी व जिला हरिद्वार ग्रामीण कांग्रेस ने किसान घाट पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर मौन उपवास किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को नमन करते हुए गन्ना मूल्य 450 रूपए करने, इकबालपुर चीनी मिल के बकाया भुगतान और ऊधमसिंह नगर सहित कई स्थानों पर धान की सरकारी खरीद में किये जा रहे विलंब के खिलाफ धामी सरकार को चेतावनी दी और कहा कि यदि जल्द ही किसानों की मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले 2027 में किसान भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। जिला महानगर कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अमन गर्ग और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुरली मनोहर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जीवन देश सेवा की प्रेरणा देता है। जिला हरिद्वार ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष बालेश्वर सिंह व विधायक ममता राकेश ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों की लगातार अनदेखी की जा रही है। जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक रवि बहादुर व अनुपमा रावत ने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर सरकार जनता का शोषण कर रही है। जिसके खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर संघर्ष करने का काम करेंगे। वरिष्ठ नेता वीरेंद्र रावत व राजबीर सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों का शोषण किया जा रहा है। जिसके खिलाफ कांग्रेस जनांदोलन करेगी। महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष संतोष चौहान और मनोज सैनी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में दलितों के वर्ग 4 व वर्ग 3 की भूमि पट्टों को धामी सरकार द्वारा निरस्त किया जाना भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का परिचायक है। एस.सी कांग्रेस जिलाध्यक्ष तीर्थपाल रवि और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राव आफाक अली ने कहा कि भाजपा सरकार में दलित, किसान व मजदूर हितों पर डाका डाला जा रहा है। जिसका खामियाजा भाजपा को 2027 में उठाना पड़ेगा। इस दौरान महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंजू मिश्रा, महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लता जोशी, वरिष्ठ नेता महेश प्रताप राणा, सुशील राठी, किसान नेता आदित्य राणा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

कप्तान ने लापरवाह थाना प्रभारियों को फटकार लगाई

लंबित विवेचनाओं के निस्तारण पर सीओ ध्यान दे

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। दिनांक 20 नवंबर को एस.एस.पी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय रोशनाबाद स्थित सभागार में कर्मचारियों के सम्मेलन के बाद माह अक्टूबर की अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। क्राइम मीटिंग में एस.एस.पी द्वारा लम्बित विवेचनाओं व माह अक्टूबर में घटित अपराधों पर समीक्षा करते हुए कुछ लापरवाह थानेदारों को फटकार लगाते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपडेट सूचनाओं के साथ अपराध गोष्ठी में सामिल होंगे

लापरवाही किसी दशा में क्षम्य नहीं होगी। जनपद के थाना/चौकियों में जो निर्माण कार्य चल रहे है सम्बन्धित थाना प्रभारी एंव क्षेत्राधिकारी साप्ताहिक रुप से उनका निरीक्षण करेंगे जिसकी रिपोर्ट पुलिस कार्यालय में प्रेषित करेंगे जिससे की उसकी अपडेट कार्यदायी संस्था को अवगत कराते हुए कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जा सके। पुलिस एक अनुशासित फोर्स है सभी यह सुनिश्चित करेंगे कि उच्च अधिकारी स्तर पर जो आदेश निर्देश प्राप्त होते है उनका अनुपालन अवश्य करेंगे किसी कारण वश नहीं हो पाता है तो सम्बन्धित अधिकारी को वस्तुस्थिति से अवश्य अवगत करायेंगे। सभी लोगों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का समय से निर्वहन करना आवश्यक है। आने वाले दिनों में ठंड के कारण कोहरा पड़ने की सम्भावना हो जाती है जिस हेतु देहात क्षेत्र में काफी अधिक सर्तकता की आवश्यकता है जिस हेतु सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में रात्रि हेतु अलाव एंव अन्य आवश्यक व्यवस्था समय से पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे जिससे की सभी कर्मचारी मुस्तैदी के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकेंगे। विगत दिनों दिल्ली में हुई घटना के दृष्टीगत सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में गहनता से सत्यापन एंव लगातार चौकिंग अभियान चलाते रहेंगे, बी. डी.एस प्रभारी राउण्ड द क्लॉक अपनी टीम के साथ महत्वपूर्ण स्थानों पर चौकिंग अभियान चलायें एंव लाभप्रद सूचना से उच्चाधिकारियों को समय से सूचित करें। अपराध गोष्ठी के दौरान एस.एस.पी हरिद्वार द्वारा निम्न बिन्दुओं पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

1.तंबाकू मुक्त युवा कैम्पेन को सभी गंभीरता से लें, तम्बाकू सेवन के नुकसान के बारे में अपने- अपने क्षेत्र के स्कूल कॉलेजों में जाकर छात्र-छात्राओं एवं आमजन को नुक्कड़ नाटक एवं गोष्ठी के माध्यम से जागरुक किया जाए। 2.लंबित विवेचनाओं के निस्तारण में संबंधित सर्किल ऑफिसर्स ध्यान दें. पूरी पारदर्शिता के साथ गुण-दोष के आधार पर विवेचनाओं का निस्तारण किया जाए। 3.शांति व्यवस्था प्रभावित कर रहे तत्वों के विरुद्ध प्रत्येक दशा में विधिक कार्यवाही अमल में लाते हुए आपराधिक तत्वों पर सतर्क नजर रखी जाये ताकी बड़ी घटनाओं पर रोक लगायी जा सके। 4.गंभीर अपराधों में वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित करना आवश्यक है। थाना प्रभारी बड़े अपराधों में फिल्ड यूनिट का सहयोग अनिवार्य रूप से लें तथा प्रत्येक अपराध/ घटनास्थल का वर्तमान परिवेश को देखते हुए फोटोग्राफी/ वीडियो अवश्य करें। 5.एस.एस.पी ने अज्ञात शव शिनाख्त की कार्यवाही पर जोर देते हुए विगत में की गई कार्यवाही की समीक्षा करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में टीम गठित कर अभियान को गम्भीरता से लेकर कार्यवाही करें। 6.एसएसपी हरिद्वार द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी थाना प्रभारी निरोधात्मक कार्यवाही पर जोर दे व थाने स्तर पर गुंडा एंव गैंगेस्टर पर कार्यवाही करें। 7. साइबर अपराध लगातार बढ रहे है जिस हेतु अपराध होने पर उसकी एफआईआर दर्ज की जाए जिससे की हम अभियुक्तों तक पहुंच सके साथ ही आमजनमानस को जागरुक करने हेतु सभी थाना प्रभारी एंव साइबर सैल अपने अपने क्षेत्र में संयुक्त रुप से चौपाल आयोजित करें। 8.जिन विवेचनाओं में चार्टशीट लग चुकी है उन्हे समय से ऑनलाइन करवाया जाये जिससे की समय से अभियोग न्यायालय में प्रेषित किया जा सके और पीड़ित को समय से न्याय मिल सके। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर, देहात, संवार, ए.एस.पी क्षेत्राधिकारी सदर, क्षेत्राधिकारी, नगर, रुड़की, लक्सर,यातायात एंव जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक-थानाध्यक्ष एंव अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे।

नवजात शिशु की मृत्यु दर एकल अंक में हो : सीडीओ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपद में नवजात शिशु की मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से संकल्प प्रोजेक्ट के तहत किए जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी जिसमें उन्होंने संकल्प प्रोजेक्ट के तहत किए जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। स्वामी राम हिमालियन इंस्टिट्यूट जौली ग्रांट उपनिदेशक डॉ. राजीव बिज्लवान ने अवगत कराया है कि नवजात शिशु की दर में कमी लाने के उद्देश्य से आई.सी.एम.आर एवं नीति आयोग भारत सरकार के सहयोग से संकल्प प्रोजेक्ट का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संकल्प प्रोजेक्ट 2024 से शुरू किया गया है जिसका उद्देश्य नवजात शिशु की मृत्यु दर एकल अंक में लाना है इस कार्यक्रम को उत्तराखंड में स्वामी राम हिमालियन इंस्टिट्यूट जौली ग्रांट द्वारा इम्प्लीमेंट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2020 में नवजात शिशु दर 30 प्रतिशत थी जो छः माह में घटकर 17 प्रतिशत हो गयी है तथा इस अंक को एकल अंक में लाना है। मुख्य विकास अधिकारी ने चिकित्सा विभाग को निर्देश दिए है की जनपद में शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए आई.सी.एम.आर एवं नीति आयोग भारत सरकार तथा स्वामी राम हिमालियन इंस्टिट्यूट जौली ग्रांट के साथ आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा जनपद में नवजात शिशु मृत्यु दर को एकल अंक में लाने हेतु सभी बेहतर ढंग से कार्य करें। मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए की चिकित्सालय रुड़की में माँ नवजात शिशु क्रिटिकल केंद्र खोलने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर आई. सी.एम.आर टीम द्वारा चिकित्सालय रुड़की का निरीक्षण किया गया। बैठक में आई.सी.एम.आर के वैज्ञानिक डॉक्टर अमलीन शुक्ला, डॉ. कपिल जोशी, हिमालयन इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर वाइस चांसलर अशोक देवराडी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार वर्मा सहित संबंधित अधिकार एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने स्वयं सफाई व्यवस्था की निगरानी की

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ, साफ एवं मॉडल जनपद बनाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विगत दिन सफाई व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद के सभी क्षेत्रों में एवं प्रवेश द्वारों में सभी अधिकारियों को स्वयं धरातल पर उतरते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर सफाई व्यवस्था किए जाने के लिए निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में आज दूसरे दिन भी जनपद के सभी विकास खंडों एवं तहसीलों में संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंच कर सफाई व्यवस्था की निगरानी कर रहे है। जिलाधिकारी स्वयं धरातल पर पहुंचकर कर ले रहे सफाई व्यवस्था का जायजा।अपर मुख्य नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी एवं सहायक नगर आयुक्त रिषभ उनियाल के देखरेख में आज पंतद्वीप मैदान(पार्किंग) एवं चमगादड़ टापू क्षेत्र में पर्यावरण मित्रो के माध्यम से क्षेत्र की साफ सफाई अभियान चलाया गया जिसमें लगभग दस टन कूड़ा कचरा एकत्रित किया गया। मुख्य नगर आयुक्त रुड़की राकेश चंद तिवारी ने अवगत कराया है कि नगर निगम क्षेत्र रुड़की में आज दूसरे दिन भी सफाई अभियान चलाया गया जिसमें मालवीय चौक क्षेत्रांतर्गत नालियों की सफाई की गई तथा सड़क किनारे झाड़ियों की कटान का निरीक्षण किया गया। एस.डी.ओ वन विभाग पूनम कैथोला ने अवगत कार्य है कि वन विभाग द्वारा जटवाड़ा पुल नहर पटरी मार्ग वन क्षेत्र में की जा रही सफाई व्यवस्था एवं झाड़ी कटान का निरीक्षण किया गया। खंड विकास अधिकारी बहादरबाद मानस मित्तल ने अवगत कराया है कि चिकित्सालयों एवं उनके परिसरों में मेडिकल वेस्ट निकाला गया एवं साफ-सफाई का निरीक्षण किया गया। खंड विकास अधिकारी रुड़की ने अवगत कार्य है कि ढंडेरा नगर पंचायत क्षेत्र में की जा रही सफाई व्यवस्था एवं झाड़ी कटान का निरीक्षण किया गया। खंड विकास अधिकारी लक्सर परवीन भट्ट ने अवगत कराया है कि लाडपुर कलां क्षेत्र एवं रायसी मार्ग में की जा रही सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। खंड विकास अधिकारी खानपुर राजेंद्र जोशी ने अवगत कराया कि पुरकाजी बॉर्डर खानपुर में की जा रही सफाई व्यवस्था एवं झाड़ी कटान का निरीक्षण किया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने अवगत कराया है कि कलेक्ट्रेट के बाहर नगर पालिका के सहयोग से साफ सफाई एवं कूड़ा उठान कार्य का निरीक्षण किया गया। खंड विकास अधिकारी नारसन सुभाष सैनी ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग नारसन एवं विकास खंड कार्य में की जा रही साफ सफाई व्यवस्था कार्य का निरीक्षण किया गया।अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने अवगत कराया है कि हर की पौड़ी क्षेत्र को साफ सुथरा रखने के लिए एवं आने वाले श्रद्धालुओं को आने जाने में परेशानी न हो इसके लिए फुटपाथ एवं घाटों पर लगाई गई दुकानों को हटाया गया।

कप्तान ने पुलिसकर्मियों को सम्मानित कर मनोबल बढ़ाया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कप्तान प्रमेन्द्र डोभाल ने सभी थाने,कोतवाली,चौकी से अच्छा कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों की आख्या थाना प्रभारियों व चौकी प्रभारियों से मांगी जिस आधार पर कप्तान ने 36 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया, कप्तान द्वारा अच्छा कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने का कार्यक्रम लंबे समय से चल रहा है। जिसकी सरहाना समाज में भी होड़ रही है। कप्तान का कहना है की पुलिसकर्मियों को प्रेत्येक महीने सम्मानित करने से पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ता है जिससे पुलिसकर्मी और लगन के साथ काम करते है पुलिस की ड्यूटी बड़ी जटिल है गंभीर घटना या समस्या होने पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को हाजिर होना पड़ता चाहे समय कितना भी हो रहा है इसी क्रम में जिन पुलिसकर्मियों को पुलिस मैन ऑफ द मंथ मिला उन पुलिसकर्मियों ने कप्तान, पुलिस अधिक्षक, सर्किल अधिकारी एवं थाना-चौकी प्रभारी का तेह दिल से धन्यवाद कहा और यह भी कहा कि सभी पुलिसकर्मी निरंतर फुर्ती व लगन से कानून व्यवस्था नियंत्रण करने में अहम भूमिका निभाते रहेंगे। इसी क्रम में कोतवाली रानीपुर से उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह पाल, कोतवाली नगर से हरीश रतूडी, थाना श्यामपुर से वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज रावत, कांस्टेबल राहुल देव, थाना कनखल से कांस्टेबल दीपक चौधरी, कोतवाली सी.आई.यू रूडकी से हेड कांस्टेबल चमन, फील्ड यूनिट से कांस्टेबल अनिल चौहान, कार्यालय क्षेत्राधिकारी मंगलौर से होम गार्ड सतपाल, लोकल इंटेलिजेंस यूनिट से कांस्टेबल हरीश रावत, दूरसंचार से हेड कांस्टेबल राजीव कुमार, फायर सर्विस मायापुर से मातबर सिंह, पुलिस लाईन हरिद्वार से कांस्टेबल महावीर तोमर, सी.सी.टी.एन.एस

पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने का कार्यक्रम लंबे समय से चल रहा है। जिसकी सरहाना समाज में भी होड़ रही है। कप्तान का कहना है की पुलिसकर्मियों को प्रेत्येक महीने सम्मानित करने से पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ता है जिससे पुलिसकर्मी और लगन के साथ काम करते है पुलिस की ड्यूटी बड़ी जटिल है गंभीर घटना या समस्या होने पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को हाजिर होना पड़ता चाहे समय कितना भी हो रहा है इसी क्रम में जिन पुलिसकर्मियों को पुलिस मैन ऑफ द मंथ मिला उन पुलिसकर्मियों ने कप्तान, पुलिस अधिक्षक, सर्किल अधिकारी एवं थाना-चौकी प्रभारी का तेह दिल से धन्यवाद कहा और यह भी कहा कि सभी पुलिसकर्मी निरंतर फुर्ती व लगन से कानून व्यवस्था नियंत्रण करने में अहम भूमिका निभाते रहेंगे। इसी क्रम में कोतवाली रानीपुर से उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह पाल, कोतवाली नगर से हरीश रतूडी, थाना श्यामपुर से वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज रावत, कांस्टेबल राहुल देव, थाना कनखल से कांस्टेबल दीपक चौधरी, कोतवाली ज्वालापुर से कांस्टेबल दिनेश वर्मा, थाना बहादराबाद से वरिष्ठ उप निरीक्षक नितिन बिष्ट, थाना सिडकुल से हेड कांस्टेबल विवेक यादव, थाना पथरी से कांस्टेबल सुशील, कोतवाली गंगनहर से उप निरीक्षक प्रवीण बिष्ट, थाना कलियर से अपर उप निरीक्षक पुष्कर सिंह चौहान, कोतवाली रूडकी से हेड कांस्टेबल विपिन, कोतवाली लक्सर से कांस्टेबल राजेन्द्र बिष्ट, थाना खानपुर से कांस्टेबल सतेन्द्र सिंह नेगी कोतवाली मंगलौर से कांस्टेबल जफर हुसैन, थाना झबरेडा से महिला कांस्टेबल रीना, थाना भगवानपुर से कांस्टेबल रविन्द्र राणा, थाना बुग्गावाला से हेड कांस्टेबल कुश कुमार, सी.आई.यू से कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह व कांस्टेबल हरवीर सिंह, मायापुर से कांस्टेबल जितेन्द्र घिल्डियाल, साइबर क्राइम सैल से उप निरीक्षक प्रकाश चन्द आई. आर.बी द्वितीय से HCP प्रवीण कुमार, अभियोजन कार्यलय से महिला कांस्टेबल माया शर्मा, महिला हेल्प लाईन मायापुर से महिला कांस्टेबल आंचल मनवाल, यातायात पुलिस विभाग से महिला कांस्टेबल कल्पना गहलौत व कांस्टेबल शेर सिंह, यातायात पुलिस विभाग रूडकी से कांस्टेबल लवकेश, प्रधान लिपिक कार्यालय से ओ.पी गुलबहार अली को शानदार कार्य करने के लिए मैन ऑफ द मंथ अवार्ड मिला। सभी ने कप्तान का धन्यवाद कहा हो।

अवैध वाहन उपकरण बिक्री पर होगी कार्रवाई

दुकानदारों को दी हिदायत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सहायक परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा ने जानकारी दी है कि शहर में अवैध वाहन एक्सेसरीज की बिक्री पर रोक लगाने के लिए आज परिवहन विभाग की टीम ने व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। ए.आर.टी.ओ(ए) निखिल शर्मा, ए.आर.टी.ओ(ई) नेहा झा, टी.टी.ओ मुकेश भारती एवं टी.टी.ओ वरुणा सैनी के नेतृत्व में यह संयुक्त कार्रवाई की गई जिसके तहत लगभग आठ या नौ दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में गैर-अनुमोदित और प्रतिबंधित वाहन उपकरण बेचे जाते पाए गए। इनमें प्रेशर हॉर्न, मल्टी-टोन हूटर, ब्लैक फिल्म, अनधिकृत LED/स्टोब लाइट, फैंसी नंबर प्लेट तथा अन्य नियम-विरुद्ध सामग्री शामिल थी। अधिकारियों ने मौके पर ही पूरी सामग्री का भौतिक सत्यापन किया और दुकानदारों को नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अवैध उपकरण सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। प्रेशर हॉर्न एवं हूटर ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाते हैं जबकि ब्लैक फिल्म, अनधिकृत LED लाइट और फैंसी नंबर प्लेट वाहन की पहचान, दृश्यता और ट्रैफिक प्रवर्तन को प्रभावित करती हैं। इस प्रकार की सामग्री का उपयोग न केवल कानून के विपरीत है बल्कि आम जनमानस की सुरक्षा के लिए भी हानिकारक है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की जांच आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी और किसी भी अवैध वाहन उपकरण की बिक्री को प्रोत्साहित नहीं होने दिया जाएगा। विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे केवल मानक-अनुरूप, अनुमोदित उपकरणों का ही प्रयोग करें ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अवैध शराब के जुर्म में दो आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली रानीपुर पुलिस ने दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। बीती रात कोतवाली पुलिस टीम ने अवैध रूप से शराब बेचने का धंधा कर रहे लोगों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने छापेमारी करते हुए बैरियर नं.6 से विनीत पुत्र दिनेश निवासी निर्मल बस्ती शिवालिक नगर को दबोच कर उसके कब्जे से देशी शराब के 49 टेट्रा पैक व रामधाम कालोनी में यूकेलिप्टिस बाग के पास से पकडे गए विवेक उर्फ विक्की पुत्र विनोद सैनी निवासी बढोवाला प्रेमनगर देहरादून हाल निवासी निर्मल बस्ती शिवालिक नगर के कब्जे से देशी शराब के 36 टेट्रा पैक बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकद्मा दर्ज किया गया है।

अमेरिकन आश्रम की संपत्ति की जांच कराने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानी गली स्थित अमेरिकन आश्रम में प्रस्तावित विश्व सनातन पीठ के शिलान्यास एवं उद्घोषणा कार्यक्रम से पूर्व शहर के युवाओं एवं छात्र नेताओं ने जिला अधिकारी मयूर दीक्षित एवं नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर संपत्ति की जांच कराने की मांग की है। सामाजिक कार्यकर्ता कपिल शर्मा जौनसारी ने बताया कि जिस स्थल पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कुछ लोग कार्यक्रम के माध्यम से उस स्थल पर अपनी पकड़ स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि उक्त संपत्ति की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि यह संपत्ति वास्तव में किसकी है, क्योंकि स्थानीय निवासियों तथा सोशल मीडिया पर इस संबंध में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। यदि कोई व्यक्ति या समूह संपत्ति पर अनधिकृत कब्जा करने की मंशा रखता है तो उन पर कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज निषाद एवं आदित्य गौड ने बताया कि यह संपत्ति पूर्व में स्वामी देवानंद योग भक्ति धाम नामक ट्रस्ट के नाम से पंजीकृत बताई जाती है। जिसके ट्रस्टी विदेशी नागरिक हैं। सोशल मीडिया पर यह भी आरोप सामने आए हैं कि इस ट्रस्ट का रजिस्टर खो जाने का हवाला देकर एक नई एवं फर्जी ट्रस्ट बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसकी जांच की जानी चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता अनिकेत गिरी ने भी कार्यक्रम को लेकर सवाल उठाए और कुछ लोगों द्वारा संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगाया। ज्ञापन सौंपने वालों में याज्ञिक वर्मा, आदित्य गौड़, आकाश खत्री, सनी शर्मा, खुशी भार्गव, पलक शर्मा, मुस्कान चौधरी, अजय राणा, खुशी लोहानी सहित कई युवा शामिल रहे।

रजत जयंती अवसर पर विद्यार्थी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे : शिवडेल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शिवडेल स्कूल का रजत जयंती समारोह शुक्रवार से आयोजित किया जाएगा। शिवडेल स्कूल जगजीतपुर के प्रधानाचार्य अरविन्द कुमार बंसल ने स्कूल में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि अभिभावकों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से शिवडेल स्कूल पिछले ढाई दशकों से उत्कृष्ट शिक्षा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। स्कूल की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर 21 एवं 22 नवम्बर को रजत जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य को सच्चा मनुष्य बनाती है। यह ऐसी पवित्र ज्योति है जो जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शन करती है। स्कूल के संस्थापक स्वामी शरद पुरी के सहयोगी जितेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि रजत जयंती महोत्सव में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। शिवडेल की दोनों शाखाओं रानीपुर तथा जगजीतपुर के बाल कलाकार भारतीय पौराणिक कथाओं, संस्कृति और परम्पराओं पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। प्रैसवार्ता में जितेन्द्र रघुवंशी, शिवडेल स्कूल जगजीतपुर के प्रधानाचार्य अरविन्द कुमार बंसल, शिवडेल रानीपुर के प्रधानाचार्य पुनीत कुमार श्रीवास्तव तथा अन्य लोग मौजूद रहे।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :
शाह टाइम्स हरिद्वार
डी. एस. वर्मा
प्रभारी हरिद्वार/ब्यूरो चीफ
मो.: 9411100741

धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा अलर्ट

दिल्ली बम ब्लास्ट के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। दिल्ली में पूर्व में हुए ब्लास्ट के बाद धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है। गुरुवार को अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम का सुरक्षा एजेंसियों ने निरीक्षण किया। इस दौरान धाम के सेफ्टी ऑडिट की समीक्षा की गई तो सुरक्षा में तमाम खामियां मिलीं। इस पर इन खामियों को दूर करने के निर्देश जारी किए गए हैं। दरअसल, दिल्ली में बीते दिनों हुए ब्लास्ट के बाद सुरक्षा एजेंसिया देश भर में अलर्ट हो गई हैं। वहीं, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। इधर, अलर्ट के बीच गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा के नेतृत्व में आईबी, एलआईयू सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां जागेश्वर धाम पहुंच सुरक्षा का ऑडिट किया। टीम ने पाया कि जागेश्वर धाम में मास्टर प्लान के तहत केवल मंदिर में ही सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। मंदिर के बाहर, बाजार या रामलीला मंच के पास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। प्रवेश द्वार पर लगे सीसीटीवी से ही सुरक्षा मापी जा रही है। बाजार और सड़क पर नजर बनाए रखने के लिए कोई कैमरा नहीं लगाया गया है। एसएसपी ने अधिकारियों को तत्काल सुरक्षा को देखते हुए हर एंगल में सीसीटीवी लगाने के निर्देश दिए। यहां निरीक्षण के दौरान सीओ सदर गोपाल दत्त जोशी, डीसीआईओ आईबी राजीव जोशी, प्रभारी निरीक्षक अभिसूचना मनोज भारद्वाज, तहसीलदार ज्योती धपवाल, तहसीलदार बरखा जलाल समेत कई अधिकारी मौजदू रहे। सुरक्षा की दृष्ट से एसएसपी ने मंदिर में डीएफएमडी स्थापित करने के निर्देश दिए। जल्द ही यहां प्रवेश द्वार पर एक डीएफएमडी स्थापित कर दिया जाएगा। श्रद्धालु डीएफएमडी की जांच के बाद ही मंदिर में प्रवेश कर पाएंगे। इसके अलावा जागेश्वर में रामलीला मंच स्थल के पास बनाई गई दर्शक दीर्घा को भी सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा।

आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नगर से सटे ग्राम सभा बख में आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है।

गुलदार के पिंजरे में कैद होने से लोगों और वन विभाग के अधिका. रियों ने राहत की सांस ली। दरअसल, लंबे समय से धारानौला के चीनाखान, गोपालधारा, गोलनाकरड़िया, सरसों, बख समेत कई इलाकों में गुलदार की धमक से लोगों में दहशत थी। आए दिन रिहायशी इलाकों में गुलदार की चहलकदमी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो रही थी। जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ था। वहीं, घरों के आंगन से गुलदार कई कुत्तों को भी उठा ले गया। लोगों की मांग के बाद वन विभाग ने क्षेत्र के बख गांव समेत अन्य इलाकों में पिंजरा लगाया हुआ था। वहीं, गुरुवार तड़के गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। जिसे रेस्क्यू कर विभाग ने एनटीडी स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचा दिया है। वन विभाग के वन क्षेत्राधिकारी मोहन राम आर्य ने बताया कि शिकायत मिलने पर बख में विभाग की ओर से पिंजरा लगाया गया था। गुरुवार तड़के गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। पकड़े जाने के बाद गुलदार को रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया है।

पदाधिकारियों को निर्विरोध चयन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कालाढूंगी। बैलपड़ाव किसान सेवा सहकारी समिति बैलपडाव में अध्यक्ष पद व उपाध्यक्ष सहित सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद हेतु पंकज पाण्डे व उपाध्यक्ष पद हेतु हरदीप सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए। व सदस्यों के लिए सुधा तिवारी, जानकी मेहरा, रूपा बिष्ट, कमल जीत कौर, दुर्गा देवी, ईश्वर सिंह, चन्दन सिंह, दिगम्बर सिंह, गजेन्द्र तिवारी व नेशनल को-आपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड के लिए विपिन काण्डपाल व लक्ष्मी काण्डपाल बैंक प्रतिनिधि के लिए नरेन्द्र खनायत, देवेन्द्र आर्या, धर्मदत्त सती. इन्द्र सिंह, मंजू बोरा, क्रय-विक्रय के लिए गजेन्द्र तिवारी, दीप चन्द्र तिवारी, राम दत्त बेलवाल, दीवान सिंह बिष्ट का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। व इनके निर्विरोध निर्वाचन पर सांसद प्रतितिधि हेम तिवारी, ग्राम प्रधान संगठन ब्लॉक कोटाबाग अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह बोरा, गणेश छिम्वाल ग्राम प्रधान सेमलचौड, पूर्व प्रधान हेम पाठक, पूर्व प्रधान रसपाल सिंह, पूर्व प्रधान कविन्द्र बिष्ट, पूर्व उपाध्यक्ष शोभा काण्डपाल, चेतन तिवारी, सुमित बजाज, रमन सिंह पन्नू, पंकज बेलवाल, कृष्ण पाल खनायत, अमन सिंह आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

फ्लाईओवर पर लगा जाम

काशीपुर। बीती रात्रि रेत से भरे ओवरलोड डंपर ने फ्लाईओवर के ऊपर बनी रोटरी में जबरदस्त टक्कर मार दी जिससे रोटरी क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि इस घटना में कोई हातात नहीं हुआ। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा डंपर को कई घंटे की बड़ी मशक्कत के बाद वहां से हटाया गया। इस दौरान जाम की स्थिति बनी रही। घटना बीती रात्रि की है जब एक ओवरलोड डंपर रामनगर की ओर से रेत भरकर अलीगंज रोड की तरफ जा रहा था कि जैसे ही उक्त डंपर फ्लाईओवर के ऊपर चढ़ा वहां टी प्वाइंट पर बनी रोटरी से टकरा गया, जिससे रोटरी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कई घंटे की बड़ी मशक्कत के बाद हाइड्रे की मदद से डंपर को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

कार्यबहिष्कार पर रहे उपनल कर्मी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। सरकार की ओर से नो वर्क नो पे का आदेश जारी करने पर उपनल कर्मी भड़क उठे हैं। गुरुवार को भी वन विभाग के उपनल कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया। मांगें पूरी होने तक डटे रहने का आह्वान किया। सरकार की ओर राज्य में सरकारी विभागों में हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं, उपनल में नो वर्क नो पे लागू किया है। नो वर्क नो पे लागू करने से अल्मोड़ा में पिछले नौ दिनों से हड़ताल पर चल रहे वन विभाग के उपनल कर्मियों का आक्रोश भड़क उठा है। कहा कि कर्मचारी पिछले आठ दिनों से अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक उनकी मांगों को पूरा करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उलटा नो वर्क नो पे लागू कर सरकार कर्मचारियों की आवाज को दबाने का काम कर रही है। उपनल कर्मियों ने कहा कि जब तक नियमितीकरण, समान कार्य समान वेतन, पदों के सृजन आदि मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती वह कार्यबहिष्कार पर डटे रहेंगे। यहां अध्यक्ष राजेश पांडे, दिनेश सिंह परिहार, संदीप, भुवन परिहार, अंकित, ललित कुमार, अशोक बोरा, भानु प्रकाश बेलवाल, अनिल जीना, ममता वर्मा, मनोज भट्ट, दीपक रावत, अमित आदि रहे।

अपहरण व मारपीट के आरोप में मुकदमा दर्ज

काशीपुर। कुंडा क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास कार सवार पर एक डंपर चालक का अपहरण और मारपीट कर हाइवे किनारे फेंकने का आरोप लगा है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। सैदपुर बिजनौर यूपी निवासी आदिल पुत्र जाबिर ने कुंडा पुलिस को दी तहरीर में कहा कि 18 नवंबर की सुबह 10 बजे वह डंपर चलाकर बिजनौर से काशीपुर आ रहा था। इसी बीच टोल प्लाजा के पास एक व्यक्ति ने अपनी कार उनके डंपर के आगे रोक दी। आरोप है कि कार सवार चारों लोगों उसे जबरन कार में डालकर जंगल की ओर ले गए और मारपीट करने लगे। इसके बाद उसे हाईवे पर उतारकर फरार हो गए। कुंडा थाना प्रभारी रवि सैनी ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

'गो ब्ल्यू-फाइट' थीम पर वाकाथॉन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। विश्व एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) जागरूकता सप्ताह के तहत गुरुवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. उमेश के दिशा निर्देशन में विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एमबीबीएस छात्रों के लिए आयोजित क्विज़ प्रतियोगिता से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज़ प्रतियोगिता में अनुग्रह सिंह, ओजस मणि, निकिता डौर्बी, निकिता गोस्वामी, मयंक सिंह बाफिला एवं पारुल अग्रवाल विजयी रहे। इसके उपरांत विभाग द्वारा पोस्टर निर्माण, कविता लेखन तथा निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें छात्रों ने एंटीबायोटिक प्रतिरोध के खतरों, एंटीबायोटिक के सही उपयोग तथा जनजागरूकता जैसे विषयों पर रचनात्मक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए। कविता लेखन प्रतियोगिता में दिव्या विश्वकर्मा, रिया टम्टा विजई रहे। वहीं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में पल्लवी बिष्ट, नेहा भट्ट व आशीष ने बाजी मारी। निबंध लेखन प्रतियोगिता में अंशदीप सिंह व चिराग गुप्ता ने जीत दर्ज की। इस अवसर पर डा. कुणाल शर्मा, डा. सुष्मिता एम. बनर्जी, डा. एमएस अबिनेश आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के समापन पर विभाग द्वारा 'गो ब्ल्यू-फाइट' एएमआर थीम पर वाकाथॉन आयोजित किया गया। नीले परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं ने पूरे कैंपस में जागरूकता रैली निक. ालकर एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस के बढ़ते खतरे को रोकने हेतु सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

किसान सेवा सहकारी समिति में मोहन रावत निर्विरोध अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाद्दाता

शांतिपुरी। शांतिपुरी किसान सेवा सहकारी समिति में बोर्ड चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से शांतिपुरी नंबर तीन निवासी किसान एवं पूर्व सैनिक मोहन सिंह रावत को समिति का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही राधिका देवी को उपाध्यक्ष तथा 15 अन्य किसानों को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। इस दौरान प्रधान कविता तिवारी, दुग्ध संघ डारेक्टर इंदर सिंह मेहता, दिग्विजय खाती विसन सिंह मेहरा, कमल ठठोला, ओम प्रकाश, पूरन सिंह कोरंगा, राम सिंह, विजेन्द्र जोशी, टीकम सिंह कोरंगा, एमएस धोनी, कैलाश जोशी आदि लोग मौजूद रहे।

वायलिन वादन में विशेष को प्रथम पुरस्कार

हल्द्वानी। स्वर संगम हल्द्वानी के प्रतिभाशाली वायलिन वादक विशेष तिवारी ने विगत दिनों रुड़की में संपन्न हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता कला उत्सव-2025 में उत्कृष्ट वायलिन वादन प्रस्तुत कर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। आचार्य हरीश चंद्र पंत के शिष्य विशेष तिवारी आगामी दिसंबर माह में पुणे महाराष्ट्र में राष्ट्रीय कला उत्सव में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। वायलिन वादक विशेष तिवारी इससे पूर्व भी प्रयाग संगीत समिति आगरा में निनाद-2025 व कोलकाता बांग्ला नववर्ष-2025 की अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में भी प्रथम पुरस्कार अर्जित कर उत्तराखंड को गौरव प्रदान कर चुके हैं।

एक नजर

राशनकार्ड धारक 30 तक कराएं केवाईसी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिले के राशन कार्ड धारकों को 30 नवंबर तक ई-केवाईसी करानी होगी। जिला पूर्ति अधिकारी जीबी पांडे ने जानक. ारी देते हुए बताया कि जनपद के सभी राशन कार्ड धारक/यूनिट को अपने नजदीकी उचित दर विक्रेता की दुकान पर उपस्थित होकर अपने परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी 30 नवंबर तक अनिवार्य रूप से करानी होगी। उन्होंने बताया कि जो बहुत ज्यादा बुजुर्ग, दिव्यांग, बीमार हैं, या किसी अन्य कारण से बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए उचित दर विक्रेता की दुकान पर नहीं जा सकते ऐसे राशन कार्ड धारक अपने-अपने ग्राम पंचायत में स्थित उचित दर विक्रेताओं को अपना नाम, पता, आधार नंबर व राशन कार्ड नंबर नोट करवा सकते हैं। उन्होंने सभी राशन कार्ड धारकों से निर्धारित समय सीमा के भीतर ई-केवाईसी पूरा करा लेने की अपील की है, ताकि भविष्य में राशन वितरण संबंधी किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

दो बालिकाओं का फुटबाल टीम में चयन

बागेश्वर। जिले की दो खिलाड़ी बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता खेलने के लिए नागालैंड में अपने हुनर का लोहा मनवाएंगी। दोनों ही बेटियां उत्तरखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। 22 नवंबर से बालिका राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता धीमापुर नागालैंड में खेली जाएगी। पांच नवंबर को आयोजित ट्रायल में इनका चयन हुआ है। टीम के कोच नीरज पांडेय ने बताया कि वर्षा आर्य व खुशबू आर्या राजकीय बालिका इंटर कालेज बागेश्वर में पढ़ती हैं। दोनों का चयन बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 22 नंबर को धीमापुर नागालैंड में खेली जाएगी। पांच व छह नवंबर को रुद्रपुर में आयोजित ट्रायल के बाद दोनों का चयन उत्तरखंड की टीम में हुआ है। इनके चयन पर विधायक पार्वती दास, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, जिला क्रीड़ा अधिकारी गुंजन बाला, सचिव ललित कनवाल, सूरज जोशी, सभासद नवीन रावल, कविता खेतवाल तथा गरिमा ने खुशी जताई है।

डीएलएड की प्रवेश परीक्षा कल

बागेश्वर। 22 नवंबर को होने वाली डीएलएड प्रवेश परीक्षा के दौरान विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कालेज मंडलसेरा, विक्टर मोहन जोशी राजकीय इंटर कालेज व बालिका इंटर कालेज परीक्षा केंद्रों में निषेधाज्ञा लागू रहेगी। परगना मजिस्ट्रेट प्रियंका रानी ने बताया कि निर्धारित केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए परीक्षा समाप्ति की तिथि तक निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

त्रिशूल की क्षति की जांच को पहुंची टीम

बागेश्वर। बागनाथ मंदिर परिसर में शिव प्रतिमा के त्रिशूल की क्षति की जांच करने गुरुवार को एसडीएम एवं इंजीनियरों की टीम पहुंची। खंडित त्रिशूल की निरीक्षण करने के पश्चात उपजिलाधिकारी ने तत्काल खंडित त्रिशूल की मरमत करने के लिए आदेश दिए। बागेश्वर स्थित बागनाथ मंदिर के पास स्थापित शिव प्रतिमा का त्रिशूल खंडित होने की खबर उत्तर उजाला ने प्राथमिकता से प्रकाशित की। खबर के तत्काल बाद उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी ने गुरुवार को ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रियंका रानी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा मामला जन आस्था से जुड़ा है, इसलिए त्रिशूल की मरम्मत कार्य में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

नवम्बर में ही दिसम्बर जैसी ठंड

बागेश्वर। जिले में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। नवंबर माह में ही दिसंबर जैसी ठंड पड़ने लगी है। घाटियों में सुबह कोहरा छाने लगा है। जिसके चलते सूर्य की किरणे साढ़े नौ बजे दिखाई दे रहे हैं। बदलते मौसम को देखते हुए स्थानीय लोगों एवं नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष सूरज जोशी द्वारा इस बार जल्दी अलाव जलाने की मांग की है। बढ़ते ठंड के कारण सुबह मॉर्निंग वॉक एवं इवनिंग वॉक पर जाने वाले लोगों की संख्या भी कम हो गई है। लोगों ने अपने गर्म कपड़े निकाल लिए है। जिले के कई स्थानों पर धूप की किरणे 11 बजे पहुंच रही है।

व्हाट्सएप पर लिंक भेज सवा लाख की ठगी

काशीपुर। व्हाट्सएप के लिंक पर क्लिक करने पर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के खाते से तीन बार में करीब 1 लाख 20 हजार रूपये की ऑनलाइन ठगी कर ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

बाजपुर रोड स्थित केशवपुरम कालोनी सुभाष कुमार ने आईटीआई थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके बडे भाई के 22 अगस्त 2025 को मोबाईल नंबर पर करीब 3.42 बजे एक व्हाट्सएप लिंक पर क्लिक करने पर उसके खाते से तीन बार में 1 लाख 20 हजार 469 रूपये अज्ञात व्यक्ति ने निकाल लिये जिसकी ऑनलाईन साइब क्राईम में शिकायत दर्ज करायी गई है। पुलिस ने अब उक्त साईबर ठगी के मामले में केस दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

मंत्री रेखा आर्या ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के मजखाली मंडल के अंतर्गत दुगौड़ा, बिष्ट कोटुली और गोंडली-चमना गांवों में आयोजित जन मिलन कार्यक्रमों के दौरान कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। रेखा आर्या ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में पीछे नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा कि हर ग्राम क्षेत्र में सड़क, पेयजल, शिक्षा और कृषि सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ठोस काम किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने दुगौड़ा गांव में लोगों की मांग पर धुणी में टीन शेड के लिए विधायक निधि से 3 लाख रुपये, सड़क निर्माण के लिए 2 लाख रुपये, भंडार कक्ष के लिए 1 लाख रुपये, सीसी रोड के लिए डेढ़ लाख रुपये और दुगौडाकोट स्थित हरज्यू मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 2 लाख रुपये की घोषणा की। बिष्ट कोटुली गांव में खेतों की सुरक्षा को लेकर महिलाओं की प्रमुख मांग पर तारबाड़ के लिए 6 लाख रुपये, जबकि प्राथमिक विद्यालय तक मार्ग निर्माण के लिए डेढ़ लाख रुपये स्वीकृत किए। उन्होंने मौके पर पेयजल और हैंडपंप से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए विभागीय अधिकारियों से बात कर समाधान भी कराया। गोंडली-चमना गांव में ग्रामीणों ने फसल की सुरक्षा के लिए तारबाड़ निर्माण की मांग रखी। इस पर मंत्री ने 4 लाख रुपये की स्वीकृति विधायक निधि से दी और गांव के विद्यालय तक जाने वाले रास्ते के निर्माण के लिए 2 लाख रुपये की घोषणा की। साथ ही आसपास के गांवों को जोड़ने वाले 18 किमी लंबे मोटर मार्ग की मरम्मत के लिए शासन स्तर पर वित्तीय स्वीकृति दिलाने का भरोसा दिया। जन मिलन कार्यक्रमों में मंडल अध्यक्ष दीपक बोरा, मंडल महामंत्री राज अधिक. ारी, दीपक रावत, दीवान जलाल, भुवन जोशी, मंटू वर्मा, दिनेश वर्मा, राजू रावत, कैलाश, जीवन बिष्ट, ग्राम प्रधान सुरेश कार्की, हेमा बिष्ट, राकेश कुमार, खड़क सिंह नेगी, कुशाल सिंह बिष्ट, हिमांशु कुमार, गोविंद सिंह बिष्ट सहित कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

गढ़िया बग्वाल मेले का शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। कपकोट के पोथिंग गांव में गढ़िया बग्वाल मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। गांव के वरिष्ठ ग्रामीण नैन सिंह एवं विधायक सुरेश गढ़िया सहित अन्य ग्रामीणों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

बग्वाल त्योहार का शुभारंभ करते हुए विधायक गढ़िया ने कहा कि गढ़िया बग्वाल हमारी पुरातन लोक संस्कृति का परिचायक है, जिसके माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी को हमारी लोक संस्कृति, लोक कला व लोक संगीत के विविध आयामों से परिचित कराने में मददगार साबित हो रहा है। कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा हमारे लिए एक धरोहर प्रदान की है, जिसके संरक्षण व संवर्द्धन हेतु हम सबकी नैतिक ज़िम्मेदारी है। हम सभी ने इस धरो. हर को संजोये रखना है ताकि आने वाली पीढ़ी इस अमूल्य धरोहर को और अधिक सशक्त बना सकें। जिसके बाद ग्रामीणों ने मेले में आए कलाकारों की सुंदर प्रस्तुति का लुप्त उठाया। साथ ही संस्कृतिक परंपरा को बनाए रखते हुए समूह में जोड़ा चाचरी गायन किया गया।

इस इस दौरान लोगों ने गढ़िया बग्वाल त्यौहार का लुत्फ उठाया। इस अवसर पर मेला कमेटी के अध्यक्ष हरीश जोशी, भाजपा ज़िलाध्यक्ष प्रभा गढ़िया, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्य, ब्लॉक प्रमुख भावना शाही, क्षेत्र पंचायत सदस्य अनीता जोशी, ग्राम प्रधान सरस्वती देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य महेश गढ़िया, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी, भुवन गढ़िया, दयाल गढ़िया, भगवत गढ़िया, दीपक सिंह गढ़िया, मेहरबान गढ़िया, भूपेश गढ़िया सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

भूल सुधार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इण्टर कालेज गढकोट माण्डलू की 19 नवम्बर को शाह टाईम्स में छपी चुनाव सूचना में भूलवश क्रम संख्या 2 पर नामांकन पत्रों की जांच एवं आपत्तियों का निस्तारण 2 बजे से 4 बजे तक छपना छूट गया था। आपत्तियों का निस्तारण 2 बजे से 4 बजे तक पढ़ा व समझा जाए।

प्रबंधक
इका गढकोट माण्डलू,
पौड़ी गढवाल

खोया पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2021अनुक्रमांक 21079415 का अंक पत्र सह प्रमाण वास्तव में कहीं खो गया है।

आनंद सिंह ,पुत्र सुंदर सिंह
निवासी -ग्राम डुंगरा,
पोस्ट - सेमलता, तहसील एवं
जिला रूद्रप्रयाग।

न्यायालय श्रीमान असिस्टेन्ट कलक्टर महोदय टिहरी, टिहरी गढ़वाल।

अपील सं०-03 सन्-2025

वादी- श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी रामलाल चमोली पुत्री स्व० मोहन लाल निवासी वर्तमान सर्वहरानगर काली की ढाल हरिद्वार रोड बीरपुर खुर्द बीरभद्र ऋषिकेश जिला देहरादून।

बनाम

प्रतिवादी- मनोज पुत्र स्व० मोहन लाल निवासी ग्राम पाटा पट्टी सारज्यूला, तहसील टिहरी, जिला टिहरी गढवाल।

नोटिस बनाम- मनोज पुत्र स्व० मोहन लाल निवासी ग्राम पाटा पट्टी सारज्यूला, तहसील टिहरी, जिला टिहरी गढ़वाल।

चूंकि वादनी श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी रामलाल चमोली पुत्री स्व० मोहन लाल निवासी वर्तमान सर्वहरानगर काली की ढाल हरिद्वार रोड बीरपुर खुर्द बीरभद्र ऋषिकेश जिला देहरादून ने इस न्यायालय में अपने पिता की सम्पत्ति पर दाखिला अपने नाम सहखातेदारी में भूमिधर दर्ज किये जाने बावत इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जिसमें सुनवाई की तिथि दिनांक 18 माह 12 सन्-2025 को नियत है।

एतद्द्वारा आप प्रतिवादी को सूचित किया जाता है कि यदि आपको उक्त वाद में कोई आपत्ति ऐतराज प्रस्तुत करना हो तो आप इस न्यायालय में दिनांक 18 माह 12 सन्-2025 को प्रातः 10 बजे उपस्थित आकर स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष प्रस्तुत करें, इसकी उपेक्षा होने पर उक्त वाद में एक पक्षीय कार्यवाही गतिमान में लाई जायेगी।

आज दिनांक 17 माह 11 सन्-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

आदेशानुसार
वाचक
असिस्टेन्ट कलक्टर
टिहरी, टिहरी गढ़वाल

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम) कुटुम्ब विहार, ग्रा0 व पो0 सिनौला, मसूरी, देहरादून-248003
फोन नं. : 0135-2736032 e-mail: jalnigam.mussoorie@yahoo.com

पत्रांक-2691/135/79 **निविदा सूचना** दिनांकः- 19.11.2025

अध्यक्ष उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों के लिये तालिका में अंकित श्रेणी के उत्तराखण्ड पेयजल निगम में पंजीकृत ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदायें दिनांक 05.12.2025 को अपराह्न 3:00 बजे तक कार्यालय में आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन (अथवा अवकाश की स्थिति में अगले कार्य दिवस में) अपराह्न 3:30 बजे उपस्थित निविदा दाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा का मूल्य (रु0 में)	निविदा विक्रय की अन्तिम तिथि	पंजीकरण की श्रेणी
1	मसूरी सीवरेज योजना के अन्तर्गत 1.30 एम०एल०डी० एस०टी०पी० के समीप क्षतिग्रस्त 200mm dia D.I. सीवर पाईप लाईन को बदलने एवं तत्सम्बन्धी कार्य।	35300.00	03 माह	1000.00 + GST @18%	04.12.2025	"डी" श्रेणी या उससे उच्चतर

नोटः- शर्तें कार्यालय दिवस एवं कार्यालय समय में इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। **अधिशासी अभियन्ता**

उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, मोहनपुर, 56-स्पेशल विंग, प्रेमनगर, देहरादून
कारपोरेट आईडेन्टीटी संख्याः U40109UR2001SGC025867, दूरभाषः 0135-2978072

विद्युत बाधित सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, मोहनपुर के अधीन विद्युत वितरण उपखण्ड, सेलाकुई से पोषित होने वाले समस्त सम्मानित उपभोक्ताओं को अवगत कराना है कि 33/11 के0वी0 उपसंस्थान सेलाकुई - 2 से पोषित 11 के0वी0 रामपुर फीडर पर नई लाईन सुचारू करने सम्बन्धी महत्वपूर्ण कार्य प्रस्तावित किये जाने के कारण निम्न 11 केवी0 पोषक पर विद्युत आपूर्ति दिनांक 22.11.2025 को निम्न सारणी के अनुसार पूर्ण अथवा आंशिक रूप से बाधित रहेगीः-

दिनांक	समय	33/11 के0वी0 उपसंस्थान का नाम	11 के0वी0 फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
22.11.2025 (शनिवार)	प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक	33/11 के0वी0 उपसंस्थान, सेलाकुई-2	11 के०वी० रामपुर फीडर	सम्बन्धित फीडर से पोषित होने वाली समस्त क्षेत्र।

अतः समस्त उपभोक्ताओं से निवेदन है कि इस कार्य हेतु अपनी वैकल्पिक व्यवस्था बनायें रखें एवं कार्य में विद्युत विभाग को सहयोग करने की कृपा करें।

No:- 740/EE(CM)/UPCL/A-2 Dated: 20.11.2025 **अधिशासी अभियन्ता**

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें।
(टोल फ्री नं0 1912) विद्युत बिलो के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं
(विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं0 1800 180 4185/फैक्स संख्या-0135-2760911 पर दें।)

सर्वसाधारण को सूचना

परिषद की इन्दिरा नगर योजना देहरादून में स्थित आवासीय भूखण्ड संख्या-911 का आंवटन प्रदेशन पत्र सं० 6107 दिनांक 30-3-1983 द्वारा श्री फूल चन्द जैन के पक्ष में प्रविष्ट किया गया था। जिसका पूर्ण भुगतान होने के उपरान्त दिनांक 03-11-1983 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय देहरादून में पंजीकृत किया गया है। तथा आवंटी के मुख्तारेआम श्री विजय कुमार शर्मा द्वारा उक्त भूखण्ड का विकय श्री सोमेन्द्र कुमार राय पुत्र श्री ललित मोहन राय के पक्ष में किया गया है। क्रेता द्वारा कार्यालय संख्या 2369 दिनांक 15-09-04 पक्ष में नामान्तरण एवं फ्री-होल्ड डीड निष्पादित की गयी। श्री सोमेन्द्र कुमार राय द्वारा स्वयं भूखण्ड संख्या-911 व उस पर निर्मित भवन को श्री गिरीश चन्द्र उपाध्याय पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद उपाध्याय के पक्ष में विक्रय कर दिनांक 18-7-08 को विक्रय पत्र उप निबन्धक सदर-2 देहरादून के कार्यालय में पंजीकृत किया गया है। क्रेता श्री गिरीश चन्द्र उपाध्याय पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद उपाध्याय को उक्त भूखण्ड का नामान्तरण पत्र संख्या 1251 दिनांक 18-11-08 द्वारा कराया गया है। श्री गिरीश चन्द्र उपाध्याय की मृत्यु दिनांक 24-05-2021 को होने के उपरान्त उनकी पत्नी श्रीमती किरन उपाध्याय एवं उनके पुत्र श्री गौरव उपाध्याय द्वारा उक्त भूखण्ड को अपने नाम अन्तरण करने हेतु अनुरोध किया गया है, जिसके क्रम आंवटी का मृत्यू प्रमाणपत्र, उत्तरजीवी प्रमाण-पत्र तथा अन्य मृतक के पारिवारिक सदस्यों प्रमाण पत्र, क्षत्रिपूर्तिबन्धकपत्र, शपथपत्र एवं आधार कार्ड की प्रति, संलग्न की गयी है। तत्क्रम में भूखण्ड संख्या-911 इन्दिरा नगर देहरादून को क्रेता की मृत्यू उपरान्त उनकी पत्नी श्रीमती किरन उपाध्याय एवं उनके पुत्र श्री गौरव उपाध्याय निवासी-2-सी/165 नेहरूनगर गाजियाबाद उत्तरप्रदेश के पक्ष में अन्तरण परिषद द्वारा किया जाना प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति एवं पक्षकार को श्रीमती किरन उपाध्याय एवं उनके पुत्र श्री गौरव उपाध्याय के नाम अन्तरण किये जाने में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सर्वसाधारण सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्तराल में साक्ष्य साहित अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर, श्रीमती किरन उपाध्याय एवं उनके पुत्र श्री गौरव उपाध्याय के पक्ष में नामान्तरण सम्बन्धी कार्यवाही परिषद द्वारा नियमानुसार कर दी जायेगी, तथा बाद में किसी व्यक्ति/पक्ष का किसी भी प्रकार का कोई क्लेम (दावा) परिषद को मान्य नही होगा।

सह प्रभारी सम्पत्ति
उत्तराखण्ड आवास एवं विकास परिषद, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण, देहरादून

अतिक्रमण और कूड़े पर डीएम सख्त

प्रवेश द्वारों और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा मिलने पर कार्रवाई के निर्देश दिए

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिले में स्वच्छता को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि जिले के सभी प्रवेश द्वारों और सार्वजनिक स्थलों पर

> एसडीएम नगरीय क्षेत्रों में टीम गठित कर अतिक्रमण को चिन्हित कर तत्काल हटने को कहा

कहीं भी कूड़ा-कचरा न दिखाई दे। कूड़ा पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कैंप कार्यालय हल्द्वानी में अधिकारियों के साथ बैठक कर अधिकारियों को स्वच्छता कार्यों में व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों से स्वच्छता अभियान के बारे में जानकारी ली और स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय अपने क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखें और स्वच्छता के मानकों को पूरा करने के लिए कार्य करें। साथ ही, नगर आयुक्त और सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन नगर में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ एक वार्ड का स्वयं निरीक्षण करें। इसके साथ ही शीतकाल के मद्देनजर जिलाधिकारी ने रैन बसेरों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी रैन बसेरों में अलाव जलाने और निराश्रितों को कंबल वितरण जैसी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए। अवैध अतिक्रमण पर डीएम ने कड़ा रुख अपनाया और सभी उपजिलाधिकारियों तथा नगर आयुक्त हल्द्वानी को निर्देश दिए कि वे नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमण चिह्नित कर उसे तत्काल हटाएं। इसके लिए टीमों का गठन कर अतिक्रमण हटाने का कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए। साथ ही, लोक निर्माण विभाग को हल्द्वानी नगर क्षेत्र के चौराहों के चौड़ीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी लेने और अवशेष चौराहों के चौड़ीकरण तथा सुधारीकरण का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इस बैठक में एडीएम विवेक राय, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, एसडीएम, नगर आयुक्त परितोष वर्मा सहित नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

युवा कारोबारी की मौत पर शोक जताया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। फल सब्जी फुटकर व्यापार समिति के मार्गदर्शक और मशरूम कारोबारी खुर्शीद आलम के बेटे इमरान उर्फ बब्बू का गुरूवार की सुबह हार्ट अटैक से निधन हो गया। इमरान के निधन की सूचना से फल सब्जी फुटकर व्यापार समिति व व्यापारियों में शोक की लहर दौड़ गई। समिति ने इमरान के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। दोपहर बाद जनाजे की नमाज के बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शोकसभा में फल सब्जी फुटकर व्यापार समिति के अध्यक्ष रूपेंद्र नागर, महामंत्री हसीन अंसारी, शेखर जोशी, राम रूप गुप्ता, याकूब अहमद, मरगूब अहमद, धर्मेंद्र साहू, अशोक सिंधी, राजू खान, अशोक कश्यप, मो. सफदर, दानिश, लाइक अहमद, दीपक केसरवानी, हरीश राजपूत, जगदीश, शाहनवाज खान, जियाउद्दीन कुरैशी, हसीनुद्दीन मुन्ना मौजूद रहे।

उपद्रव के आरोप में हिंदूवादी नेता पांडे पुलिस हिरासत में

विपिन पांडे सहित चार अन्य लोगों से की जा रही पूछताछ, हिरासत में लिए गए लोगों में दो नाबालिग युवक भी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रविवार की शाम से लेकर रात तक उजाला नगर में हुए उपद्रव के मामले में पुलिस ने गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस ने गुरूवार शाम हिंदूवादी नेता एवं पूर्व भाजपा नेता विपिन पांडे सहित चार अन्य लोगों को हिरासत में लिया है। जिनमें दो नाबालिग बताए जा रहे है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच अभी भी जारी है। बताया जा रहा कि इसमें और अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हो सकती है। गुरुवार की शाम करीब साढ़े 6 बजे विपिन पांडे को उनके कमलुवागांजा स्थित आवास से हिरासत में लेकर कोतवाली ले आई। जहां पहले से ही अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। जांच अधिकारी रोहिताश सागर के मुताबिक विपिन पांडे से करीब एक घंटे तक पूछताछ की गई। आरोप है कि पांडे ने सोशल मीडिया पर विवादास्पद पोस्ट की थी और उपद्रव के लिए लोगों को उकसाया था। बताया जा रहा कि पुलिस ने इस मामले में चार अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। जिनमें दो बालिग और दो नाबालिग युवक है। इसके साथ ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की जा रही है। माना जा रहा कि इस मामले में पुलिस और अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी कर सकती है। इस मामले में बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ उपद्रव करने का आरोप लगाया है। एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है उपद्रव मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

नशे में वाहन चलाने के दो आरोपियों पर कार्रवाई

हल्द्वानी। काठगोदाम थाना क्षेत्र में नशे में वाहन चलाने और दुर्घटना करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके वाहन सीज किए गए हैं। बीते बुधवार रात्रि नैनीताल रोड बृजलाल अस्पताल के पास एक डम्पर वाहन ने पीछे से कार में टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर काठगोदाम पुलिस मौके पर पहुंची और शीशमहल के पास डम्पर चालक मनोज सिंह निवासी ग्राम मंडलशेरा थाना बागेश्वर को पकड़ लिया। मौके पर एल्कोमीटर से जांच करने पर वह नशे में पाया गया। पुलिस ने डंपर वाहन को सीज कर लिया। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हुई लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई। वहीं, काठगोदाम क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने शराब के नशे में वाहन चलाने वाले इशू कश्यप पुत्र नत्थू लाल निवासी राजपुरा हल्द्वानी को गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध एमवी एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की।

विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक विवाहिता ने कमरे के अंदर दुपट्टे से फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। बच्ची के चिल्लने पर जब परिजन पहुंचे तो विवाहिता फंदे से लटकी हुई थी। आनन फानन में परिजन उसे अस्पताल ले गए जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुरूवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया साथ ही घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस परिजनों जानकारी जुटा रही है। जानकारी के अनुसार गौलागेट हाथीखाल निवासी 23 वर्षीय योगिता सक्सेना यहां अपने पति गौतम सक्सेना व एक डेढ़ साल की बच्ची के साथ रहती थी। बताया जा रहा कि दोनो दंपति गौला नदी में मजदूरी का काम करते है। बीते बुधवार की रात्रि संदिग्ध परिस्थितियों के चलते योगिता ने कमरे के अंदर दुपट्टे से फांसी का फंदा लगा लिया। बताया जा रहा कि मां को लटका देख डेढ़ साल की बच्ची चिल्लाई तभी गौतम कमरे में पहुंचा तो उसने पत्नी को फंदे से लटका देखा और स्थानीय लोगों की मदद से सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से योगिता काफी परेशान थी। माना जा रहा कि जिसके चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विवाहिता के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस परिजनों से मौत की असली वजह जानने के लिए जानकारी जुटा रही है।

बिंदुखत्ता में पहली बार होगा गढ़-कुमु महोत्सव

21 से 25 दिसंबर तक दिखेगा सांस्कृतिक विरासत का भव्य संगम, पोस्टर लॉन्च

> जागर-घटेली से लेकर पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प तक, नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का सार्थक प्रयास

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। झांझर सांस्कृतिक कला समिति बिंदुखत्ता क्षेत्र में पहली बार आयोजित होने वाले पंचदिवसीय गढ़कुमु महोत्सव की तैयारियों में जुट गई है। जिसको लेकर गुरूवार को समिति ने पोस्टर लॉन्च किया है। आगामी 21 से 25 दिसंबर तक होने वाले इस भव्य आयोजन में गढ़वाल और कुमाऊं की लोक संस्कृति, परंपराएं और कलाएं एक ही मंच पर प्रस्तुत होंगी। समिति के संयोजक जीवन पांडे ने कहा हमारी संस्कृति ही हमारी पहचान है। गढ़वाल और कुमाऊं दोनों अंचलों की विलुप्त होती गाथाओं, कलाओं और परंपराओं को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। वहीं सह-संयोजक बसंत पांडे ने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव के बीच यह महोत्सव पारंपरिक मूल्यों को संरक्षित करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। महोत्सव में गढ़वाल व कुमाऊं के देवी-देवताओं की कथाओं पर आधारित जागर, घटेली, बैर भगनौल जैसे पारंपरिक लोकनृत्य और कला प्रस्तुतियां होंगी। साथ ही स्थानीय व्यंजनों, हस्तशिल्प और लोकसंगीत की झलक भी दर्शकों को मिलेगी। समिति ने सभी संस्कृति प्रेमियों से 21 से 25 दिसंबर तक बिंदुखत्ता में आयोजित इस ऐतिहासिक महोत्सव में शामिल होने की अपील की है। इस मौके पर भुवन भट्ट, किशन देवली, जगदीश पाठक, कृष्ण कुमार, हरीश राम, राजेंद्र प्रसाद, लक्ष्मण, मयंक पाठक, जया पांडे, अंजली आर्य, रीना आर्य आदि मौजूद रहे। सहित अनेक कलाकार और स्थानीय नागरिक रहे।

निरीक्षण: थानों के आवासीय भवनों में मिलीं गंभीर कमियां

फायर सेफ्टी पर एसएसपी सख्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एसएसपी डा.मंजूनाथ टीसी ने गुरूवार को काठगोदाम और चोरगलिया थानों में निर्मित द्वितीय श्रेणी के 6-6 नवीन आवासीय भवनों का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवनों के कमरों, रसोईघर, बाथरूम और छतों में दिखाई दे रही निर्माण संबंधी कमियों पर नाराजगी जताते हुए कार्यदायी संस्था और थाना प्रभारियों को इन्हें शीघ्र ठीक करने के सख्त निर्देश दिए। एसएसपी ने बिजली एवं पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर भी जोर दिया। अग्निसुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने नवीन भवनों के तृतीय तल में दो-दो फायर एक्सटिंग्विशर लगाने के आदेश दिए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि सभी भवनों में वाटर लीकेज की जांच कर कमियों को तुरंत दूर किया जाए। निरीक्षण के दौरान एसपी संचार नैनीताल रेवाधर मठपाल, प्रतिसार निरीक्षक हरकेश सिंह, चोरगलिया थानाध्यक्ष चोरगलिया हरपाल सिंह, काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल कुमार मिश्रा, सहायक अभियंता जयॉक पांडे, उत्तराखंड पेयजल निगम से जुड़े अधिकारी, हेम चंद्र सती, दीपा, पीआरओ एसएसपी हेमा ऐठानी सहित थानों के पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

निगम मुख्यालय द्वारा प्रस्तावित ढांचे के विरोध

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड परिवहन निगम के मंडलीय प्रबंधक संचालन/तकनीकी काठगोदाम को भेजे गए एक पत्र में रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने निगम मुख्यालय द्वारा प्रस्तावित नए ढांचे का कड़ा विरोध किया है। परिषद ने आरोप लगाया कि निगम प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों की उत्पादकता वाले पदों को या तो समाप्त किया गया है या कम कर दिया गया है, जिससे कर्मचारियों और निगम के हितों को नुकसान पहुंचेगा। संयुक्त परिषद का कहना है कि यह कदम निगम को निजीकरण की दिशा में अग्रसर करने की एक साजिश प्रतीत हो रही है। परिषद ने यह भी दावा किया कि निगम मुख्यालय ने पहले सभी संगठनों से ढांचे के पुनरीक्षण के लिए प्रस्ताव मांगे थे, लेकिन उनके द्वारा प्रेषित प्रस्तावों को नजरअंदाज कर मनमर्जी से ढांचे में बदलाव किया गया। पत्र में उल्लेख किया गया कि 15 नवंबर 2025 को निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक से पहले, अधिकारियों को पुनरीक्षित ढांचे का अध्ययन करने और बैठक में अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। परिषद ने अनुरोध किया है कि निगम मुख्यालय द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत, क्षेत्रीय स्तर पर पदों की समीक्षा की जाए और वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जाए। परिषद ने यह भी कहा कि यदि प्रस्तावित ढांचे में उत्पादकता के पदों को समाप्त या कम किया गया, तो वे तत्काल आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

देहदान कर्ताओं को मिले सम्मान

अनमोल संकल्प सिद्धि फाउंडेशन की डीएम से मुलाकात

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अनमोल संकल्प सिद्धि फाउंडेशन ने गुरूवार को जिला प्रशासन के साथ बैठक कर देह दान करने वाले व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक घर से मेडिकल कॉलेज तक ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रायल को ज्ञापन सौंपा।

संस्था की अध्यक्ष सुचित्रा जायसवाल ने जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि देह दानकर्ताओं के परिवारों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें सम्मानजनक सुविधा प्रदान की जाए। उन्होंने आग्रह किया गया कि मेडिकल कॉलेज और जिला प्रशासन आवश्यकता पड़ने पर संस्था के साथ मिलकर त्वरित सुनवाई और कार्यवाही सुनिश्चित करें।

डीएम ने फाउंडेशन को आश्वासन दिया कि देह दानकर्ताओं को सम्मान के साथ ले जाने के लिए आवश्यक व्यवस्था जल्द लागू की जाएगी। संस्था ने समाज के गणमान्य नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि देह दान करने वाला व्यक्ति अपने जीवन के बाद भी किसी मेडिकल छात्र की शिक्षा के माध्यम से हजारों लोगों का जीवन बचाने में योगदान देता है। ऐसे में परिवारों को यह महसूस होना चाहिए कि उन्होंने एक महान और सार्थक कार्य किया है। ज्ञापन देने वालो में अध्यक्ष सुचित्रा जायसवाल, अरुण टंडन, बलजीत कौर, तरनजीत कौर मौजूद रहे।

अतिक्रमण व सत्यापन की मांग, डीएम को ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पहाड़ी आर्मी के जिलाध्यक्ष फौजी राजेंद्र कांडपाल के नेतृत्व में गुरूवार को शहर में बढ़ रहे अवैध अतिक्रमण, बाहरी लोगों के सत्यापन और प्राधिकरण द्वारा नियमों के विपरीत नक्शे पास करने के विरोध में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। जिसके बाद संगठन ने जिलाधिकारी ललित मोहन रायल को ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने डीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा कि शहर में कई दुकानदार और अन्य लोग अपने प्रतिष्ठानों के बाहर अवैध अतिक्रमण कर रहे हैं, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है और शहर की सुंदरता भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा शहर में हाल ही में हत्या, चोरी, बलात्कार, गौ-उत्पीड़न, ह्यूमन ट्रैफिकिंग और स्मैक सप्लाई जैसे मामलों में ऐसे लोगों की संलिप्तता सामने आई है, जिससे शहर की छवि धूमिल हो रही है और सामाजिक तनाव की स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। पहाड़ी आर्मी ने ऊंचापुल स्थित नाले के पास अवैध रूप से पास किए गए एक आवासीय भवन मानचित्र के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि राज्य की डेमोग्राफी कांग्रेस और भाजपा मिलकर बदल रही है। लेकिन हम डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे और पर्वतीय अस्मिता, संस्कृति व संसाधनों से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर भुवन पांडेय, प्रेमा मेर, कविता जीना, फौजी मदन फर्त्याल, कमलेश जेठी, राजेंद्र देव, देवेंद्र बिष्ट, हरेंद्र राणा, अंजू पांडेय, गोपाल दत्त पांडेय, बीना भट्ट, गीता बिष्ट, कौशिक धौनी, गीता, बसंत बिष्ट, दीपा बोरा मौजूद रहे।

छात्रनेता व उसके साथियों पर मारपीट का मुकदमा

हल्द्वानी। कोतवाली पुलिस को एक युवक ने एमबीपीजी कॉलेज में छात्रसंघ अध्यक्ष का चुनाव लड़ चुके कमल बोरा व उसके दो साथियों के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुए तहरीर सौंपी है। पुलिस ने पीड़ित युवक की तहरीर के आधर पर कमल बोरा सहित दो अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार काठगोदाम निवासी युवक ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीते 16 नवंबर को वह जगदंबा नगर स्थित एबीवीपी कार्यालय से निकलकर अपने घर काठगोदाम को जा रहे थे तभी रास्ते में कमल बोरा उसके दो साथियों ने उन्हें रोककर बेवजह गाली गौलच शुरू कर दी। युवक का आरोप है कि जब विरोध किया तो कमल बोरा ने हाथापाई शुरू कर दी। आरोप है कि इस मारपीट में युवक के कान के पर्दे फट गए। जिसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जीएसटी की समस्याओं का हो समाधान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष विशाल गर्ग के नेतृत्व में मंडल पदाधिकारियों ने राज्य कर विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए गुरूवार को दस सूत्रीय मांग को लेकर राज्य कर आयुक्त सोनिका को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र ही समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। ज्ञापन में संगठन ने कहा कि जीएसटी रिटर्न में विलंब के कारण रजिस्ट्रेशन सस्पेंड नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि सस्पेंड होने पर व्यापारी अन्य विकल्पों से व्यापार करता है जिससे टैक्स चोरी को बढ़ावा मिलता है। व्यापारियों के स्टॉक बकाया रहने पर टैक्स की लायबिलिटी को निर्धारित किया जाना चाहिए। ट्रांसपोर्टर की बिना बिल पकड़ी गई गाड़ियों में यदि किसी व्यापारी का सामान बिल सहित हो तो उसे तुरंत छोड़ दिया जाए। वही ई-वे बिल बनाते समय व्यापारी से हुई किसी भी त्रुटि का विभाग मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर शीघ्र निस्तारण करे। छोटे वाहनों के पास बिल होने के बावजूद उन्हें जबरन रोककर कार्यालय ले जाने की प्रक्रिया को बंद किया जाए और इसका निस्तारण मौके पर ही किया जाए। इसके अलावा छोटे दुकानदारों के उत्पीड़न के बजाय बड़े उद्योगों, फैक्ट्रियों और टैक्स चोरी में लिप्त बड़े गिरोहों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि व्यापारी को जारी नोटिस की सूचना ऑनलाइन के साथ-साथ डाक और मोबाइल संदेश के माध्यम से भी दी जानी चाहिए। फर्जी रजिस्ट्रेशन करके आईटीसी का लाभ लेने वाली औद्योगिक इकाइयों पर नकेल कसी जानी चाहिए ताकि राज्य राजस्व में वृद्धि हो। कहा कि जीएसटी लागू हुए वर्षों के बावजूद लंबित वेट मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। राज्य कर आयुक्त ने संगठन को आश्वस्त किया कि संगठन की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा। ज्ञापन देने वाले शिव कुमार कश्यप, विशाल गर्ग, मयंक मूर्ति भट्ट, योगेश भारद्वाज, अजय अरोड़ा, अजय अरोड़ा, मनोज सिरोही, प्रवीण शर्मा, विशाल सक्सेना, अनुज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

जल्द ठीक होंगी बेस की लिफ्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में खराब हुई दो लिफ्ट जल्द मरीजों के जाने लायक हो जाएंगी। इन खराब लिफ्ट को ठीक करने के निर्देश जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक बेस चिकित्सालय को दिए। ये लिफ्ट किडनी रोगियों की आवाजाही के लिए लगाई गई हैं। लेकिन इनके खराब होने से डायलिसिस को आने वाले मरीजों को सीढ़ियों से चढ़कर डायलिसिस को जाना पड़ता है। इस दौरान उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उक्त लिफ्ट खराब होने की बात संज्ञान में आने के तुरंत बाद ही जिलाधिकारी ने लिफ्ट को ठीक करने हेतु प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक के एस दताल के साथ ही विशेष तौर पर अपर जिलाधिकारी नैनीताल विवेक राय को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश साफ हैं कि स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर संवेदनशीलता बरती जाए। क्योंकि ये दोनों लिफ्ट किडनी जैसे रोगी जिनकी डायलिसिस होती है उनके लिए विशेष तौर पर लगाई गई हैं। इन लिफ्ट के खराब होने से डायलिसिस के लिए आने वाले मरीजों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसलिए इनका तुरंत ठीक होना आवश्यक है। इस संबंध में अपर जिलाधिकारी विवेक राय ने बताया कि शुक्रवार को जिस कंपनी की लिफ्ट है उसे लिफ्ट रिपेयरिंग का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया जाएगा। साथ ही यही कंपनी लिफ्ट का वार्षिक मेंटेनेंस का कार्य भी करेगी।

कृष्णकुंज में पुलिया होगी चौड़ी

विधायक सुमित हृदयेश के हस्तक्षेप से सिंचाई विभाग ने शुरू कराया कार्य

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कृष्णकुंज कॉलोनी वार्ड नंबर-37 में लंबे समय से लंबित पुलिया चौड़ीकरण का कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। अब तक यह मार्ग केवल मोटर बाइक के लिए ही उपयोग में लाया जा रहा था, जिससे कॉलोनीवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। आपात स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं की एम्बुलेंस भी कॉलोनी के भीतर तक नहीं पहुँच पाती थी। स्थानीय समस्या को गंभीरता से उठाते हुए मन्नू गोस्वामी एवं अन्य कॉलोनीवासियों ने शहर विधायक सुमित हृदयेश से मुलाकात की। मामले की गंभीरता समझते हुए विधायक सुमित हृदयेश ने तत्काल सिंचाई खंड हल्द्वानी के अधिशासी अभियंता से फोन पर वार्ता की और बरसाती नाले की खुदाई से बने संकट को देखते हुए जल्द से जल्द पुलिया का चौड़ीकरण करने के निर्देश दिए। विधायक के निर्देशों के बाद सिंचाई विभाग ने गुरूवार को पुलिया चौड़ीकरण कार्य प्रारंभ कर दिया। इस मौके पर स्थानीय निवासी मन्नू गोस्वामी, लाल सिंह बोरा, बच्ची सिंह बोरा, महेंद्र बोरा, दीपा गोस्वामी, विमला पड़लिया, ललित मेर, धना बिष्ट, ठाकुर सिंह, कमल किशोर, विजय पंत ने विधायक सुमित हृदयेश व सिंचाई विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

बलवीर घनियाल का स्वागत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गुरूवार को अनुसूचित जाति मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष बलवीर घनियाल का प्रथम आगमन होने पर वार्ड नं. 36 के अम्बेडकर पार्क मैदान दमुवाढूंगा में कार्याकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। हल्द्वानी दमुवाढूंगा पहुंचे इस प्रदेश अध्यक्ष बलवीर घनियाल ने बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण भी किया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने बलवीर घनियाल के नेतृत्व में अनुसूचित जाति उत्थान के लिए सहयोग का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता हृदयेश कुमार द्वारा किया गया। इस मौके मेयर गजराज सिंह बिष्ट, दर्जा राज्यमंत्री दिनेश आर्य, स्थानीय पार्षद विद्या देवी, तनुजा जोशी, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष भुवन चंद्र आर्य, ललित आर्य, अजय राजौर, अरुण टम्टा, पूर्व प्रधान महेश जोशी, विजय चंद्र, नंदलाल, पनराम, मदन टम्टा, मुन्ना शुक्ला, पंकज अधिकारी, रक्षित शर्मा सहित कई अनुसूचित मोर्चा के भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून

☎0135-2743363

R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656

मोबाइल-9720007290

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

दीक्षा डागर ने जीता सोना

सिल्वर मेडल फ्रांस की मार्गो ब्रेजो को मिला और ब्रांज मेडल कनाडा की एरिका डॉन ने जीता

टोक्यो, वार्ता। भारत की प्रोफेशनल गोल्फर दीक्षा डागर ने गुरुवार को डेफलंपिक्स के छठे दिन महिलाओं के इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। दीक्षा ने 3 राउंड के बाद 11 अंडर पार का स्कोर किया। 54 होल के आखिर में उनके कुल पार थे- राउंड3: 11 अंडर पार, राउंड2: 11 अंडर पार और राउंड1: 4 अंडर पार। यह 24 साल की दीक्षा का तीसरा डेफलंपिक्स मेडल है। उन्होंने 2017 में सैमसन तुर्किए में अपने पहले गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था, फिर ब्राजील के कैक्सियास डो सुल में गोल्ड मेडल जीता था। तीन डेफलंपिक्स के अलावा, अर्जुन अवॉर्डी दीक्षा ने टोक्यो ओलंपिक्स 2020 (एबल बॉडी) में भी देश को रिप्रेजेंट किया है। सिल्वर मेडल फ्रांस की मार्गो ब्रेजो को मिला और ब्रॉन्ज़ मेडल कनाडा की एरिका डॉन रिवार्ड ने जीता। डेफलिपिक्स 15-26 नवम्बर तक टोक्यो में खेले जा रहे हैं और इसमें 111 भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

अरशद नदीम ने भाला फेंक स्पर्धा में जीता स्वर्ण

रियाद, वार्ता। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने इस्लामिक सॉलिडैरिटी गेम्स 2025 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। प्रिंस फैसल बिन फहद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में बुधवार को हुए मुकाबले में अरशद नदीम ने अपने दूसरे प्रयास में 83-05 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सात प्रतियोगियों के बीच अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया।

अरशद नदीम ने तुर्की के कोन्या में पिछले एडिशन में भी 88.55 मीटर का नया गेम्स रिकॉर्ड बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया था।

खेल विशेष

फेडरर अंतर्राष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम चुने गए

लंदन, वार्ता। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतर्राष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। वह पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है। अपने पूरे करियर में, मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं। 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने नडाल और जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

मुशफिकुर-लिटन के शतक, आयरलैंड 98/5 पर

मीरपुर, वार्ता। मुशफिकुर रहीम (106) और लिटन कुमार दास (128) की शतकीय पारियों के दम पर बंगलादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को पहली पारी में 476 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद बल्लेबाजी कर रही आयरलैंड के स्टंप के समय तक 98 रन पर पांच विकेट झटकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। बांग्लादेश ने कल के 294 पर चार विकेट से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में अपने 100वें टेस्ट में शतक बनाने वाले मुशफिकुर रहीम आउट हुए। उन्होंने 214 गें. दों में पांच चौके लगाते हुए 106 रन बनाए। उन्हें मैथ्यू हम्फ्रीज ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए मेहदी हसन मिराज ने लिटन दास के साथ छठे विकेट के लिए 123 रन जोड़े। गेविन होए ने मेहदी हसन मिराज को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। बंगलादेश का सातवां विकेट दूसरे शतक वीर लिटन कुमार दास के रूप में गिरा। लिटन कुमार दास ने 192 गेंदों में आठ चौके और चार छक्कों की मदद से 128 रनों की पारी खेली। तैजुल इस्लाम (चार), हसन मुराद 11 रन बनाकर आउट हुए । 142वें ओवर की पहली गेंद पर एंडी मैकब्राइन ने खलील अहमद (आठ) को आउटकर 476 के स्कोर पर बंगलादेश की पहली पारी का अंत कर दिया। आयरलैंड के लिए एंडी मैकब्राइन ने छह विकेट लिए। मैथ्यू हम्फ्रीज और गेविन होए को दो-दो विकेट मिले। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड के लिए कप्तान एंडी मैकब्राइन और पॉल स्टर्लिंग की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। खलील अहमद ने पॉल स्टर्लिंग (27) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 19वें ओवर में हसन मुराद ने एंडी मैकब्राइन (21) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। कैड कारमाइकल (17), हैरी टेक्टर (14) और कर्टिस कैम्फर (शून्य) पर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने के समय आयरलैंड ने पांच विकेट पर 98 रन बना लिए थे और लोरकन टकर (नाबाद 11) और स्टीफन डोहेनी (नाबाद दो) क्रीज पर मौजूद थे। बांग्लादेश के लिए हसन मुराद ने दो विकेट लिए। खलील अहमद , तैजुल इस्लाम और मेहदी हसन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

फीफा रैंकिंग में स्पेन शीर्ष पर

जिनेवा, वार्ता। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) की ओर जारी की ताजा विश्व रैंकिंग में स्पेन 1877.18 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। ताजा रैंकिंग के अनुसार इस दौरान कुल 149 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए, जिसमें 74 मैत्री मैच शामिल हैं। रैंकिंग में अर्जेंटीना 1873.33 अंक के साथ दूसरे , फ्रांस 1870 अंक के साथ तीसरे और इंग्लैंड 1834.12 अंक के साथ चौथे स्थान पर बना हुआ है। ब्राजील को दो स्थान का फायदा हुआ है वह 1760-46 अंक के साथ दो पायदान चढ़कर पांचवें स्थान पर आ गया, जबकि पुर्तगाल 1760.38 अंक छठे और नीदरलैंड्स 1756.27 अंक सातवें स्थान पर आ गए। नॉर्वे से 4-1 से हारने के बाद इटली शीर्ष 10 से नीचे गिरकर 1702.06 अंक के साथ 12वें स्थान पर खिसक गया।

सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

- **सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया**

सिडनी, वार्ता। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईंराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने गुरुवार को चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिटंन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। वहीं लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल मुकाबले में जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई।

पुरुष युगल बैडमिटंन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया। भारतीय बैडमिटंन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की। वे सु चिग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा। सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे। इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया। इस बीच, आयुष शेट्टी ने जापान के कोडाई नाराओका पर दूसरी उलटफेर वाली जीत दर्ज की। 32वें नंबर पर मौजूद शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में नाराओका को 21-17, 21-16 से हराया। आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन का सामना करेंगे। भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए।

महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में जीता सिल्वर

टोक्यो, वार्ता। राइफल शूटर महित संधू ने 50मी प्रोन इवेंट में सिल्वर जीता, टोक्यो में चल रहे 25वें समर डेफलंपिक्स में यह उनका तीसरा मेडल है। महित ने फाइनल तक पहुंचने के लिए क्वालिफिकेशन में वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने फाइनल में 246-1 का स्कोर करके सिल्वर मेडल जीता, जबकि चेकिया की एलिस्का स्वोबोडोवा ने 247-2 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। हंगरी की मीरा जुज़ाना बियातोव्स्की ने 225-0 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। फाइनल में दूसरी भारतीय शूटर, नताशा जोशी शूट-ऑफ के बाद आठवें स्थान पर रहीं।

फाइनल में, महित 14 शॉट पूरे करने के बाद चौथे स्थान पर थीं। अगले दो शॉट्स की सीरीज के बाद वह ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहीं, उन्होंने यूक्रेन की वायलेटा लाइकोवा को हराया और 20 शॉट्स पूरे होने तक उसी पोजीशन पर रहीं। इसके बाद माहित ने अगली सीरीज में 9-8 और 10-2 का स्कोर किया, लेकिन हंगेरियन शूटर के 9-4 और 9-8 के स्कोर ने पक्का कर दिया कि भारतीय सिल्वर पोजीशन पर पहुंच गईं। माहित ने फिर 10-0 और 10-7 के स्कोर के साथ फाइनल खत्म किया, लेकिन स्वोबोडोवा के कुल स्कोर की बराबरी नहीं कर सकीं क्योंकि चेक शूटर ने भी अपने दोनों आखिरी शॉट 10 में मारे। इससे पहले क्वालिफिकेशन में, माहित ने 619-7 के स्कोर के साथ छह सीरीज खत्म करके एक नया डेफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, जबकि नताशा जोशी ने 611-6 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। भारत ने टोक्यो में शूटिंग में अपने मेडल की संख्या 12 कर ली है, जिसमें माहित ने तीन मेडल जीते हैं।

युवराज संधू ने छह शॉट की बड़ी बढ़त हासिल की

- **युवराज अब डिगबोई में अपनी तीसरी जीत और सीजन के पांचवें टाइटल के लिए तैयार है**

डिगबोई (असम), वार्ता। पीजीटीआई रैंकिंग लीडर युवराज संधू के तीसरे राउंड में शानदार प्रदर्शन ने उन्हें डिगबोई गोल्फ लिक्स में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये के इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स 2025 में कुल 16-अंडर 200 के स्कोर के साथ छह शॉट की बड़ी बढ़त दिला दी। युवराज (65-69-66), जो पहले और दूसरे राउंड के बाद दो स्ट्रोक से आगे थे, ने गुरुवार को शानदार और बिना गलती के छह-अंडर 66 का स्कोर बनाकर अपनी बढ़त चार शॉट और बढ़ा ली। चंडीगढ़ के 28 साल के युवराज अब डिगबोई में अपनी तीसरी जीत और सीजन के पांचवें टाइटल के लिए तैयार हैं। आखिरी दिन युवराज का पीछा विराज मदप्पा (70-68-68) करेंगे, जो पहली बार डिगबोई में खेल रहे हैं और अभी 10-अंडर 206 के साथ दूसरे नंबर पर हैं। 28 साल के मदप्पा के तीसरे राउंड में 68 के स्कोर ने उन्हें रात भर की टाई वाली तीसरी जगह से एक जगह ऊपर उठा दिया। श्रीलंका के एन थंगाराजा (67) और डिगबोई के पूर्व विजेता वीर अहलावत (69) नौ-अंडर 207 के कुल स्कोर के साथ तीसरे नंबर पर रहे। डिगबोई के देवेन भूमिज, जो कट बनाने वाले एकमात्र लोकल प्रोफेशनल हैं, अपने तीसरे राउंड में 73 के स्कोर के बाद चार-ओवर 220 के स्कोर के साथ 42वें नंबर पर रहे। युवराज संधू, जो पहले दिन से ही लीडरबोर्ड में टॉप पर हैं, ने तीसरे राउंड में ज़बरदस्त शुरुआत की, पहले सात होल्स में पांच बर्डी हासिल की, जहां उन्होंने छह से 10 फ़ीट की रेंज से तीन पट लगाए। इसके बाद युवराज ने पार-5 के 15वें होल पर एक और बर्डी लगाई। युवराज, जो इस साल अब तक च्ळज्प् पर सीज़न की कमाई में 1 करोड़ रुपये की कमाई पार करने वाले अकेले खिलाड़ी हैं, ने कहा कि मैंने लगातार दूसरे दिन रेग. ुलेशन में 17 ग्रीन्स मारे, इसलिए मेरी बॉल-स्ट्राइकिग सॉलिड बनी हुई है। पटर ने भी अपना काम किया।

हालांकि, बैक-नाइन पर बर्डी के लिए मैं कुछ फोर-फुटर्स चूक गया, जिससे मेरी प्रोग्रेस थोड़ी धीमी हो गई। इस साल की शुरुआत में पीजीटीआई के विनर विराज मदप्पा, डिगबोई गोल्फ़ लिक्स में अपनी पहली मौजूदगी में ही अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे, जो असम का उनका पहला दौरा भी है। विराज के राउंड में 11वें होल पर ईगल के लिए एक चिप-इन, एक और शानदार चिप जिससे उन्हें 14वें होल पर टैप-इन बर्डी मिली, दो और बर्डी और एक बोगी मिली। सप्तक तलवार (72), जो हाफ़वे स्टेज में दूसरे नंबर पर थे, आठ-अंडर 208 के साथ टाई में पांचवें स्थान पर आ गए।

रोनाल्डो ने राष्ट्रपति ट्रम्प को कहा शुक्रिया

वाशिगटन, वार्ता। पुर्तगाली फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने व्हाइट हाऊस में सऊदी प्रिस मोहम्मद बिन सलमान के लिए आयोजित स्टेट डिनर मे उन्हें और उनकी मंगेतर जॉर्जिना रोड्रिगेज को बुलाए जाने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का शुक्रिया अदा किया है। रोनाल्डो ने ट्रम्प के साथ अपनी और जॉर्जिना रोड्रिगेज की फोटो सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा कि मिस्टर प्रेसिडेंट, आपके निमंत्रण और आपने और प्रथम महिला ने मुझे और मेरी होने वाली पत्नी जॉर्जिना का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया, उसके लिए धन्यवाद। हममें से हर किसी के पास समाज को देने के लिए कुछ ना कुछ है और मैं अपनी ओर से पूरा प्रयास करुंगा।

गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे शुभमन गिल

दूसरे टेस्ट में उप कप्तान ऋषभ पंत शुभमन गिल की जगह कप्तान

गुवाहाटी, वार्ता। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे।

माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है। इस बात का असर 30 नवम्बर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवम्बर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से, भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर अनइवन बाउंस थी, जिसके बाद टीम 30 रन से मैच हार गई। गिल अक्टूबर 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ गर्दन में ऐंठन की वजह से एक टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे। गुरुवार को, जब ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला कि गिल मैच नहीं खेल पाएंगे, तो भारत के बैटिग कोच सीतांशु कोटक ने गिल को बाहर किए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर ऐंठन दोबारा होने की कोई संभावना है तो टीम उन्हें खिलाने का रिस्क नहीं लेगी। कोटक ने कहा कि वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। अब, (उन्हें खिलाना है या नहीं) यह फैसला कल शाम को लिया जाएगा। फिजियो, डॉक्टरों को यह फैसला करना होगा कि, (भले ही) वह पूरी तरह से ठीक हो जाएं, (खेल के दौरान), उन्हें फिर से वह ऐंठन नहीं होनी चाहिए। अगर हमारे पास यह गारंटी है कि, बहुत संभावना है, उन्हें यह समस्या दोबारा नहीं होगी, तो वह खेलेंगे। अगर कोई शक है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे, क्योंकि अगर वह खेलते हैं तो यह टीम के लिए मददगार नहीं होगा। गिल के रिप्लेसमेंट के बारे में सोचते समय भारत के लिए एक चिता यह है कि उनकी टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज़्यादा है। कोलकाता में उनकी एकादश में छह खिलाड़ी थे। टॉप आठ में पांच -और साई सुदर्शन और पडिक्कल, जो लाइन-अप में आने की कोशिश कर रहे थे, वे भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। भारत की लाइन-अप में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज़्यादा होने से कोलकाता में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को काफी फायदा हुआ। कोटक ने कहा कि ऑफ स्पिनर बनाम बाएं हाथ के बल्लेबाज के मैच पर बहुत ज़्यादा ध्यान दिया गया, और बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज को भी खिलाया, जिससे भारत की लाइन-अप को फायदा होना चाहिए था। आप मुझे एक बात बताइए, उनके पास एक बाएं हाथ का स्पिनर भी था। अगर हमारे पास सात दाएं हाथ के बैट्समैन होते, तो? उनके पास एक बाएं हाथ का स्पिनर भी था, और एक ऑफ स्पिनर भी। मेरा मानना है कि आपको अच्छा खेलना होगा। ऑफ स्पिनर का बाएं हाथ के बल्लेबाज को बॉलिंग करने का मतलब यह नहीं है कि बाएं हाथ का बल्लेबाज आउट हो जाए। हमारे पास (कोलकाता में) दो बाएं हाथ के स्पिनर थे, उनके पास नौ दाएं हाथ के बल्लेबाज थे(क्या वे आउट हुए? तो शायद वह बात थोड़ी ओवररेटेड है। ओवररेटेड हो या न हो, इंडिया शायद मैच-अप पर सोचेगा, भले ही वे गुवाहाटी के ट्रैक के लिए तैयारी कर रहे हों, जो कोलकाता के मुकाबले बैटर्स के लिए ज़्यादा आसान होने वाला है। मैच से दो दिन पहले इंडिया के ज़रूरी प्रैक्टिस सेशन से कुछ इशारा मिला कि गिल की जगह कौन आ सकता है। नेट्स में बैटिंग करने आए पहले चार बैटर यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, वाशिगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल थे। पहले तीन कोलकाता में इंडिया के टॉप तीन थे, और जुरेल ने गिल की गैरमौजूदगी में दूसरी इनिंग्स में नंबर 4 पर बैटिंग की थी। साई सुदर्शन अगले नेट्स में थे। इस बीच, पडिक्कल ने नेट्स सेशन के शुरुआती हिस्से में बैटिंग नहीं की, लेकिन स्पिनर्स के नेट में पार्ट-टाइम ऑफस्पिन बॉलिंग करते दिखे। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर रेड्डी, जिन्हें कोलकाता में स्क्वॉड से रिलीज कर दिया गया था ताकि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंडिया ए की लिमिटेड-ओवर्स सीरीज में खेल सकें, ट्रेनिग में वापस आ गए, और साथ में बॉलिंग की। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप फास्ट बॉलर्स के नेट में। अक्षर ने शुरू में बॉलिंग नहीं की, और सेशन शुरू होने के लगभग 45 मिनट बाद ही अपने टीम के साथियों के साथ शामिल हुए। इनमें से कोई भी बात जरूरी नहीं कि भारत के संभावित सिलेक्शन की ओर इशारा करती हो।

शहर की सफाई व्यवस्था की बेहतरी को नगर निगम को मिले नए 20 कूड़ा वाहन

महापौर व नगर आयुक्त ने झंडी दिखाकर किया रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नगर निगम रुड़की को 20 नए कूड़ा वाहन मिले हैं जिन्हें मेयर और नगर आयुक्त ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के मिलने के बाद नगर को स्वच्छता की बड़ने में बड़ी मदद मिलेगी।

नगर निगम रुड़की के 40 वार्डों में अब तक 22 कूड़ा वाहन थे जिसके कारण अक्सर वार्ड पार्षदों की शिकायत रहती थी कि उनके क्षेत्र में कूड़ा उठाने के लिए वाहनों की समस्या बनी रहती है। अब नगर निगम द्वारा 20 नए कूड़े वाहन खरीदे गए हैं जिसके बाद निगम से जुड़े सभी वार्डों के पास अलग कूड़ा वाहन होगा। आज मेयर अनीता अग्रवाल एवं नगर आयुक्त राकेश तिवारी ने विधि विधान से पूजन कर इन वाहनों को हरी

झंडी दिखाकर शहर के सपुर्द किया। मेयर अनीता अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ रुड़की सुंदर रुड़की बनाने की दिशा में यह अहम कदम है और नगर में हम स्वच्छता की दिशा में और आगे बढ़ेंगे। महापौर ने कहा कि अब शहर की सफाई व्यवस्था और अच्छी होगी वाहनों की जो कमी थी वह दूर हो गई है अब शहर की सफाई व्यवस्था में और चार चांद लगेंगे। नगर आयुक्त राकेश तिवारी ने कहा कि नगर में इन वाहनों की जरूरत थी जिसे अब पूरा किया गया है। शिक्षा नगरी को स्वच्छ सुंदर रखने रखने के लिए सफाई कर्मचारी पहले से ही जिम्मेदारी ईमानदारी से कम कर रहे हैं अब इन वाहनों के जरिए हमशहर के गली मोहल्लों को और बेहतर तरीके से साफ रख सकेंगेवक्त पर गली मोहल्ले में कूड़ा वहां जाएंगे और शहर को साफ सुथरा रखने में मदद करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता ललित मोहन अग्रवाल,पार्षद एवं अधिकारी मौजूद रहे।

शताब्दी द्वार के पास लॉज के बाहर युवती का हंगामा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। शताब्दी द्वार पास एक लॉज के बाहर लोगों एक युवती का युवक के साथ विवाद हो गया। युवती ने नग्न अवस्था में जमकर हंगामा काटा। इस दौरान लोगों की भीड़ भी मौके पर जुट गई। सूचना पुलिस को दी गई। लेकिन उससे पूर्व ही युवक और युवती मौके से चले गए। घटना बुधवार रात की बताई गई है जब एक युवक और युवती ने शताब्दी द्वार के समीप एक लॉज में एक कमरा लिया था। तभी वहां कुछ और युवक आ गए जिनके साथ युवक का विवाद हो गया। बताया गया है थोड़ी ही देर में युवती नग्न अवस्था में कमरे और फिर लॉज से बाहर आ गई और हंगामा शुरू कर दिया। वहीं लॉज के कर्मचारियों ने भी उन्हें समझाने का प्रयास किया। सड़क पर इस प्रकार से युवती का हंगामा देखकर लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों के द्वारा सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पुलिस के पहुंचने से पहले ही सभी युवक और युवती मौके से चले गए। वहीं लोगों का कहना है कि आए दिन इस प्रकार के विवाद यहां होते है। शताब्दी द्वारा की पहचान आईआईटी से है लेकिन इसके पास बने लॉज में आपत्तिजनक कार्य होते हैं। इस संबंध में कोतवाली के एसएसआई मनोज गैरोला का कहना है कि इस प्रकार के हंगामे की सूचना मिली थी लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले सभी वहां से चले गए थे।

धूमधाम से मनाया विज्ञान महोत्सव

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। शिक्षा विभाग और एससीईआरटी के निर्देशों के तहत राजकीय कन्या इंटर कॉलेज रामनगर रुड़की में सामाजिक विज्ञान महोत्सव धूमधाम और उल्लास से मनाया गया। इस आयोजन में बच्चों ने तीन श्रेणियां भाषण, मॉडल, और क्विज प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य श्रीमती कमलेश पवार ने किया और पुरस्कार का वितरण खंड शिक्षा अधिकारी अभिषेक शुक्ला ने किया। मॉडल प्रतियोगिता में आफरीन प्रथम नंदिनी द्वितीय और देव सिंह तृतीय रहे भाषण प्रतियोगिता में जोया प्रथम जाकिया द्वितीय और अर्श तृतीय रहे इसके अलावा क्विज क्विज प्रतियोगिता में अर्णव सैनी प्रथम जीविका द्वितीय और प्रियांशी तृतीय स्थान पर रहे। खंड शिक्षा अधिकारी अभिषेक शुक्ला ने कहा की ऐसी गतिविधियाँ सभी विषयों में होती रहनी चाहिए इससे बच्चों को बहुत कुछ सीखने और समझने को मिलता है सीखना ही सर्वोत्तम है। कार्यक्रम की आयोजक और प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम कटियार ने कहा कि प्रतियोगिताओं में जीतना जरूरी नहीं है बल्कि भाग लेना जरूरी है। प्रधानाचार्य श्रीमती कमलेश पवार ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने भविष्य को निखारने के लिए वह सब कुछ करना चाहिए

जो आपकी क्षमता में है इसके लिए की जी जान लगा दे। कार्यक्रम के संचालक और प्रधानाचार्य ताजीम अली ने सामाजिक विज्ञान महोत्सव के उद्देश्यों पर रोशनी डालते हुए कहा कि इससे विषय को रोचक बनाने और बच्चों की सामाजिक विज्ञान में रुचि पैदा करना है प्रधानाचार्य ने बताया कि भारत में जितनी भी जातियां और कबीले आए उन्होंने भारतीय संस्कृति को संपन्न बनाने के लिए कुछ ना कुछ दिया है और वह खुद भी भारतीय संस्कृति में ढल गए इसी को मिली जुली संस्कृति कहते हैं। संचालक और प्रधानाचार्य प्रवेज आलम ने कहा की प्रतियोगिताएं अपने ज्ञान को निखारने का एक तरीका है इसलिए बच्चों को इसमें ज्यादा से ज्यादा भाग लेना चाहिए। प्रधानाचार्य सुबोध मलिक ने भी बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके अच्छी भविष्य की कामना की कार्यक्रम के बाद बच्चों और शिक्षकों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई इसमें भाग लेने वालों में राजेंद्र सिंह, रविंदर चौहान, अंजू शाह, श्रद्धा शर्मा, संगीता देवराड़ी, कविता आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

शहर व देहात को स्वच्छ बनाने को चलाया सफाई अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की/लक्सर/ नारसन/ खानपुर। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में हरिद्वार जनपद को स्वच्छ ,क्लीन एवं मॉडल जनपद बनाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विगत दिन सफाई व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद के सभी क्षेत्रों में एवं प्रवेश द्वारों में सभी अधिकारियों को स्वयं धरातल पर उतरते हुए,अपने अपने क्षेत्रों में बेहतर सफाई व्यवस्था किए जाने के लिए निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे।

जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में आज दूसरे दिन भी जनपद के सभी विकास खंडों एवं तहसीलों में संबंधित अधिकारी अपने अपने क्षेत्रों में पहुंच कर सफाई व्यवस्था की निगरानी कर रहे है। जिलाधिकारी स्वयं धरातल पर पहुंचकर कर ले रहे सफाई व्यवस्था का जायजा। मुख्य नगर आयुक्त रुड़की राकेश चंद तिवारी ने अवगत कराया है कि नगर निगम क्षेत्र रुड़की में आज दूसरे दिन भी सफाई अभियान चलाया गया, खुद नगर आयुक्त राकेश चंद तिवारी टीम के साथ सड़कों पर उतरे और सफल कसमानेसड़क किनारे मिट्टी व अन्य गंदगी को गाड़ियों में भरकर साफ कियाउसने बताया किमुख्यमंत्री के आदेशों के अनुपालन मेंजिलाधिकारी महोदय के निर्देश परनगर निगम क्षेत्र मेंसफाई अभियान चलाया जा रहा हैगली मोहल्ले से लेकर सड़कों पर लगातार नगर निगम के सफाई कर्मचारी कार्य कर रहे हैंऔर सफाई अभियान कोईमानदारी से सफल बनाने के लिए काम कर रहे हैं। नगर आयुक्त राकेश तिवारी ने सफाई अभियान को सफल बनाने के लिए आम जनता से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वह गली मोहल्ला वह सड़कों को साफ रखने में निगम की मदद करें कूड़ा डस्टबिन में ही डालें सड़क पर गंदगी ने फैलाई और गली मोहल्ले में भी कूड़ा ना डालें। खंड विकास अधिकारी रुड़की ने अवगत कार्य है कि डंडेरा नगर पंचायत क्षेत्र में की जा रही सफाई व्यवस्था एवं झाड़ी कटान का निरीक्षण किया गया। खंड विकास अधिकारी लक्सर परवीन भट्ट ने अवगत कराया है कि लाडपुर कलां क्षेत्र एवं रायसी मार्ग में की जा रही सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। खंड विकास अधिकारी खानपुर राजेंद्र जोशी ने अवगत कराया कि पुरकाजी बॉर्डर खानपुर में की जा रही सफाई व्यवस्था एवं झाड़ी कटान का निरीक्षण किया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने अवगत कराया है कि कलेक्ट्रेट के बाहर नगर पालिका के सहयोग से साफ सफाई एवं कूड़ा उठान कार्य का निरीक्षण किया गया। खंड विकास अधिकारी नारसन सुभाष सैनी ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग नारसन एवं विकास खंड कार्य में की जा रही साफ सफाई व्यवस्था कार्य का निरीक्षण किया गया। अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने अवगत कराया है कि हर की पौड़ी क्षेत्र को साफ सुथरा रखने के लिए एवं आने वाले श्रद्धालुओं को आने जाने में परेशानी न हो इसके लिए फुटपाथ एवं घाटों पर लगाई गई दुकानों को हटाया गया।

रायसी बहुकिसेसहस पर उर्वशी निर्वाचित

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र की रायसी बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति के चुनाव में उर्वशी देवी चौहान निर्विरोध निर्वाचित हो गई हैं, जिससे क्षेत्र की राजनीति में उनके पक्ष में एक मजबूत लहर देखने को मिली है खानपुर विधायक उमेश शर्मा ने इस अवसर पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया, फ्भारे साथी महेंद्र सिंह चौहान और उनकी पत्नी उर्वशी देवी आज के चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित हो गई हैं। हमारी ओर से इन सभी को बहुत-बहुत बधाई।विधायक शर्मा ने इस दौरान पूर्व चेयरमैन श्रवण कुमार गोयल

की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि श्रवण कुमार गोयल ने दो कार्यकाल तक बेदाग रहकर सेवा की है, जिसके लिए पूर्व चेयरमैन को भी बहुत-बहुत बधाई। पूर्व चेयरमैन श्रवण कुमार गोयल ने भी निर्वाचित उर्वशी देवी चौहान को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, फ्भारे ओर से महेंद्र सिंह चौहान की पत्नी उर्वशी देवी को बहुत-बहुत मुबारकबादनवनिर्वाचित उर्वशी देवी के पति, महेंद्र सिंह चौहान ने निर्विरोध निर्वाचन पर क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, फ्मैं क्षेत्र की जनता ने भरपूर साथ दिया और सभी ने हमको निर्विरोध जिताया है। उसके लिए हम सभी का धन्यवाद करते हैं और आशा करते हैं कि जिस तरह से हमारा चुनाव हुआ है, इसी तरह से सभी लोग मिलजुलकर चुनाव लड़ते रहेंश्उर्वशी चौहान का निर्विरोध निर्वाचन रायसी समिति के लिए एक सकारात्मक संदेश देता है, जो क्षेत्र में आपसी सहयोग और विकास की नई दिशा को इंगित करता है।

लंढौरा किसेस के कुलदीप सिंह सभापति व नूर आलम उपसभापति

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। डायरेक्टरों के चुनाव के बाद चौधरी कुलदीप सिंह को निर्विरोध लंढौरा किसान सेवा सहकारी समिति का सभापति और नूर आलम को उप सभापति चुना गया। वीरवार को लंढौरा किसान सेवा सहकारी समिति निर्वाचित बोर्ड की बैठक हुई। इस दौरान सर्वसम्मति से चौधरी कुलदीप सिंह को सभापति और नूर आलम को उप सभापति चुना गया। इस दौरान सभापति ने कहा कि कई ऐसे लोग है जिन्होंने समिति कई लाख रुपये का ऋण ले रखा है। काफी समय बीतने के बाद भी समिति को वापस नहीं लौटाया गया है। निर्वाचित सभापति का कहना है कि ऐसे लोगों को ऋण अदायगी के लिए नोटिस भिजवाया जाएगा। ऋण अदायगी न करने वाले व्यक्ति के खिलाफ आरसी की कार्रवाई भी की जाएगी। सभापति ने कहा कि आमखेड़ी, घोसीपुरा समेत कई गांव के किसानों को खाद लेने के लिए आठ किलोमीटर से अधिक दूरी तय करनी पड़ती है। कहा कि ऐसे गांव के किसानों के लिए आमखेड़ी के आसपास ही खाद गोदाम बनवाया जाएगा जिससे किसानों को आसानी से खाद मिल सके इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नसीम, चौधरी बिजेंद्र सिंह, हाजी सलीम सुनील वालिया, प्रेम गिरी, रियासत अली, इसरार, निर्वाचित डायरेक्टर नारायण, सुरेश, कुलदीप, गुड्डी, जहिमा, नदीम, नूरहसन, चौधरी विकास, सतीश प्रधान, मोनू आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने खाद के कट्टों से भरा डीसीएम पकड़ा, चालक फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। झबरेड़ा गुरुकुल मार्ग पेट्रोल पंप के पास से बुधवार रात्रि पुलिस द्वारा यूरिया खाद के कटटो से भरे एक डीसीएम को पकड लिया। डीसीएम चालक भागने में सफल रहा। गुरुवार सुबह नायब तहसीलदार द्वारा डीसीएम के खिलाफ संबंधित कार्रवाई की गई है। थानाध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि बुधवार रात्रि उन्हें सूचना मिली कि एक डीसीएम में कुछ चोरी का सामान कस्बे से गुरुकुल की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा डीसीएम का पीछा कर उसे गुरुकुल मार्ग कस्बे में स्थित पेट्रोल पंप के पास पकड़ लिया। पुलिस को देखकर डीसीएम चालक अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। इसकी सूचना प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई। नायब तहसीलदार युसुफ अली ने बताया कि बुधवार रात्रि गुरुकुल मार्ग पर कस्बे में स्थित पेट्रोल पंप के पास से पुलिस द्वारा यूरिया खाद से भरे एक डीसीएम को पकड़ लिया था। उन्होंने यूरिया खाद से भरे डीसीएम को थाना पुलिस की सुपुर्दगी में देते हुए संबंधित कार्रवाई की गई है। डीसीएम चालक का पुलिस द्वारा पता लगाया जा रहा है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद झबरेड़ा समिति का चुनाव परिणाम रोका

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति झबरेड़ा में डायरेक्टर पद के लिए सोमवार को चुनाव कराए गए ।चुनाव होने के बाद श्याम 6:00 बजे हाई कोर्ट नैनीताल के आदेश आने पर डायरेक्टरो की हार जीत की घोषणा नहीं की गई। किसान सेवा सहकारी समिति झबरेड़ा में 11 डायरेक्टर किसानों द्वारा चुने जाते हैं। सोमवार को कस्बे में स्थित चौधरी भरत सिंह डीएवी इंटर कॉलेज में डायरेक्टर पद के चुनाव के लिए मतदान किया गया ।कुछ डायरेक्टर निर्विरोध भी चुन लिए गए थे। समिति से चुनाव अधिकारी मोहित मिश्रा का कहना है कि शाम 6:00 बजे हाई कोर्ट नैनीताल से आए आदेश के अनुसार चुनाव की घोषणा करने पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट से आदेश आने पर चुनाव में डायरेक्ट की हार जीत की घोषणा नहीं की गई। हाई कोर्ट के आदेश का पालन किया गया है।

चोरी की बाइक सहित एक युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। मानकपुर आदमपुर मार्ग चौराहा के पास पुलिस द्वारा बुधवार देर शाम गश्त करते समय एक व्यक्ति को चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया ।गुरुवार को बाइक चोर का चालान करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया है। थानाध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि बुधवार देर शाम वह पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे । कस्बे से कुछ आगे मानकपुर तिराहा के पास एक व्यक्ति झबरेड़ा की ओर से ग्राम मानकपुर आदमपुर की ओर बाइक से तेज गति से जा रहा था। पुलिस द्वारा बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया। बाइक सवार रुकने की बजाय दूसरी दिशा में बाइक मोड़कर भगाने का प्रयास करने लगा। पुलिस द्वारा बाइक सवार व्यक्ति को संदिग्ध देखते हुए दबोच लिया। पूछताछ करने पर पकड़े गए व्यक्ति द्वारा अपना नाम बॉबी उर्फ चाइनीज पुत्र राजवीर निवासी ग्राम सादोली बताया। जिस बाइक से वह जा रहा था वह बाइक भी चोरी की थी । कुछ दिन पूर्व ही उसने बाइक को कस्बे के बाजार से चोरी की थी बताया। उक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए चालान कर न्यायालय में पेश किया गया है।

मनसूब अली बने नगला इमरती सहकारी समिति के अध्यक्ष, दिलशाद उपसभापति

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। नगला इमरती किसान सहकारी समिति में सभापति और उपसभापति के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

ढंडेरा स्थित नगला इमरती किसान सहकारी समिति में चुनाव अधिकारी रविंद्र सैनी को देखरेख में सभापति और उप सभापति के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई। निर्धारित समय में सभापति के पद पर मनसूब अली ने नामांकन दाखिल किया उनके सामने किसी और के द्वारा नामांकन न दाखिल करने पर उन्हें निर्विरोध सभापति निर्वाचित किया गया इसके साथ ही दिलशाद को उप सभापति चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत हुआ। अध्यक्ष मनसूब अली ने कहा समिति बोर्ड द्वारा किसानों के हितों के लिए कार्य किया जायेगा जो भी योजनाएं सरकार से आएंगी किसानों तक पहुंचाई जाएंगी। खाद आदि की समस्याओं से किसानों को जूझना न पड़े इसके लिए कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह सिपाही की तरह कार्य करेंगे। नवनिर्वाचित निदेशक विजयपाल, स्नेहलता, मंजू राणा, कोसीन, सीमा गिरी, आसिफ, अर्जुन सिंह आदि का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर अरशद, योगेंद्र पुंडीर,रवि राणा, राजकुमार पुंडीर, अभय पुंडीर,राव सज्जाद आदि मौजूद रहे।

एनएसएस छात्रों को दिया आपदा प्रबंधन बचाव का प्रशिक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में क्वांटम विश्वविद्यालय, मंडावर रुड़की में दिनांक 18 नवंबर 2025 से आयोजित 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन क्वांटम विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय आपदा प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन के विविध पहलुओं पर विस्तृत और व्यावहारिक जानकारी दी गई । एसडीआरएफ के सब-इंस्पेक्टर परमवीर दशमाना और उनकी टीम ने प्रतिभागियों को बाढ़ से बचाव के उपाय, बाढ़ के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण और उनके प्रयोग के संबंध में विशेष प्रशिक्षण दिया साथ ही मास्टर ट्रेनर, जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, हरिद्वार ने प्रतिभागियों को भूकम्प, अतिवृष्टि और सूखा जैसी आपदाओं के प्रभाव, बचाव और तैयारी के उपायों के बारे में जानकारी दी गई । प्रशिक्षण कार्यक्रम में कैंप कमांडेंट कर्नल अमन कुमार सिंह, लेफ्टिनेंट अंजना गुसाईं, लेफ्टिनेंट रत्नेश कुमार व हवलदार सुरजीत सिंह भी मौजूद रहे और उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने एवं मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों, विशेषकर युवाओं को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में उनकी भूमिका तय करने, आम जनता तक जागरूकता पहुँचाने और आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए सक्षम बनाना है । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन की वास्तविक परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित करने और समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है ।

इफरा हसन ने किया राज्य का नाम रोशन

एडवोकेट इजहारुल हसन की बेटी इफरा भारतीय खेल प्राधिकरण विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रूडकी निवासी मरहूम इजहारूल हसन की बेटी इफरा हसन ने भारतीय खेल प्रशिक्षण विभाग में असिस्टेंट बनकर अपने परिवार व राज्य का नाम रोशन किया है। इफरा की उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों व रिश्तेदारों व समाज के लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

विभाग से जारी विज्ञप्ति के अनुसार वह विभाग में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर नियुक्त हुई हैं और अपने काम को ईमानदारी जिम्मेदारी से अंजाम देंगी। इफरा हसन ने अपनी मेहनत व काबलियत से यह मुकाम हासिल किया है। इफरा हसन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता को देते हुए कहा कि उन्होंने भले ही लगातार कड़ी मेहनत कर यह सफलता प्राप्त की लेकिन उनके माता पिता का हमेशा उन्हें खुलकर साथ मिला। इफरा ने बताया कि उनके वालिद मरहूम इजहारूल हसन ने उनकी खुशी के लिए उनके सपनों को पूरा करने के लिए हमेशा साथ दिया और आगे बढने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि उनका पैतृक गांव अकबरपुर ढाढेकी है। वह रूडकी में रहकर भी पढी हैं। और उन्होने हमेशा अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए पढायी की और यह मुकाम हासिल किया। जो हमेशा याद रहेगा। वह अपने पिता के द्वारा दी गयी नसीहतों को हमेशा याद रखेगी।

अधिकृत डीलर से ही एचएसआरपी बनवाएं : एल्विन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। सुरक्षा के मददेनजर एआरटीओ प्रशासन एल्विन रोक्सी ने पूरी टीम के साथ हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) बनाने वाले दुकानदारों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान चलाया जिससे दुकानदारों में खलबली मची रही।

एआरटीओ एल्विन रोक्सी ने बताया कि हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट बनाने वाले दुकानदारों के खिलाफ अभियान चलाते हुए उन्हें सख्त हिदायत दी है कि उनके द्वारा किसी भी प्रकार की कोई नंबर प्लेट न बनायी जाये और न ही अनाधिकृत रूप से स्टीकर आदि बनाकर वाहनों पर लगायें जायें। जैसी दुकानदार फैसी

❖एआरटीओ ने एचएसआरपी बनाने वाले अवैध दुकानदारों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान

(एचएसआरपी) बनाने वाले दुकानदारों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान चलाया जिससे दुकानदारों में खलबली मची रही।

एआरटीओ एल्विन रोक्सी ने बताया कि हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट बनाने वाले दुकानदारों के खिलाफ अभियान चलाते हुए उन्हें सख्त हिदायत दी है कि उनके द्वारा किसी भी प्रकार की कोई नंबर प्लेट न बनायी जाये और न ही अनाधिकृत रूप से स्टीकर आदि बनाकर वाहनों पर लगायें जायें। जैसी दुकानदार फैसी लाईट एवं प्रेशर होरन व मोडीफाईड सेलेंसर बनाकर लगाते हैं ऐसे दुकानदारों पर सख्त कार्यवाही होगी। उन्होंने बताया कि (एचएसआरपी) प्लेट जो रात्रि में चमकती है जिससे वाहन दुर्घटना की संभावना से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस बावत लगातार शिकायत की जा रही है

कि लोग फर्जी नंबर प्लेट लगाकर वाहन चला रहे हैं। इन पर लगाम लगाने को यह अभियान चलाया जा रहा है। एआरटीओ एल्विन रोक्सी ने बताया कि सरकारी फीस जमा करने के उपरांत केवल अधिकृत डीलर से ही हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट बनवायें। अन्यथा चलान की कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सईद अहदम, प्रशासनिक अधिकारी राजेंद्र नेगी, परिवहन उपनिरीक्षक राकेश थपलियाल व रमेश पंत, अजय कुमार, ओमकार, नीरज आदि मौजूद रहे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार, 21 नवम्बर 2025

सैन्य क्षमता बढ़ाना जरूरी

अमेरिका ने भारत के लिए दरियादिली का रास्ता खोला है, या जबरदस्ती कर्ज में फंसाने की चाल चली है, यह तो बाद में पता चलेगा। ट्रम्प ने भारत के लिए हथियारों के दरवाजे खोल दिए हैं। भारत अब यूएस से 93 मिलियन डालर (8249379000 रुपये) के हथियार खरीदेगा। इस डील के बाद अब भारत को जेवलिन एंटी-टैंक मिसाइलों और एक्सकैलिबर प्रिसिजन-गाइडेड आर्टिलरी राउंड्स का नया बैच मिलने का रास्ता साफ हो गया है। ये डील चीन और पाकिस्तान के लिए भारी साबित होगी। डील में मिलने वाले हथियारों से दोनों देशों की रातों की नींद उड़ जाएगी। दुश्मन के टैंक के लिए तो ये तबाही साबित होंगे। ये अमेरिका की चाल है या भारत अपने रक्षा सिस्टम में बढ़ोतरी करना चाहेगा, क्योंकि आज दुनिया विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। भारत के एक तरफ चीन और पाकिस्तान हैं, तो दूसरी तरफ बांग्लादेश है। इसलिए हमें अभी से चौकन्ना रहना है। इसका नतीजा ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए पाकिस्तानी सेना के हमले से निकला है। अगर भारत के पास रूस का एस-400 एंटी मिसाइल सिस्टम नहीं होता, तो भयंकर परिणाम हो सकते थे। इसलिए भारत को अपनी सेना की ताकत बढ़ाना आज के समय में जरूरी है। भारत को यह देखना होगा कि उसे अमेरिका ने हथियार देने का जो रास्ता खोला है, वह कहीं कुटिल चाल न हो। अमेरिकी एजेंसी डीएससीए ने अपने बयान में कहा है कि प्रस्तावित बिक्री से भारत की मौजूदा और भविष्य के खतरों का सामना करने की क्षमता में सुधार होगा। देश की सुरक्षा मजबूत होगी और क्षेत्रीय खतरों को रोका जा सकेगा। इसमें यह भी कहा गया है कि भारत को इन चीजों और सेवाओं को अपनी सेना में शामिल करने में कोई मुश्किल नहीं होगी। अमेरिका ने एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी राउंड की बिक्री को भी मंजूरी दी है। इसकी कीमत लगभग 47 मिलियन डॉलर है, जिससे कुल कीमत लगभग 93 मिलियन डॉलर हो गई है। बता दें कि जेवलिन सिस्टम आरटीएक्स और लॉकहीड मार्टिन ने मिलकर बनाए हैं, जिससे पैदल सेना की यूनिट लंबी दूरी पर बख्तरबंद टारगेट पर बहुत सटीकता से हमला कर सकती हैं। एक्सकैलिबर राउंड आर्टिलरी यूनिट के लिए ळचै-गाइडेड सटीकता देते हैं, यह एक ऐसी क्षमता है जिसका इस्तेमाल भारत पहले भी कोलेटरल डैमेज को कम करने के लिए कर चुका है। डीएससीए ने इन प्रस्तावों को ट्रांसफर करने के बारे में औपचारिक तौर पर जानक. ारी साझा की है। भारत को इन सभी सैन्य हथियारों को अपनी सेना में शामिल करने में किसी भी प्रकार की मुश्किल नहीं होने वाली है। इस उपकरण की प्रस्तावित बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा। जेवलिन दुनिया की सबसे एडवांस पोर्टेबल एंटी-टैक गाइडेड मिसाइल है। एक बार फायर हो जाने के बाद सैनिक को निशाना बनाए रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। यह मिसाइल खुद लक्ष्य को ढूंढ़ती है और टारगेट करती है। इससे पहले भारत फ्रांस से राफेल फाइटर खरीद चुका है, जो दुश्मन पर भारी पड़ रहे हैं। हमारे देश की सेना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना है। सरकार को चाहिए कि देश की सेना नंबर एक पर आ जाए, तो फिर कोई भी आंख उठाने की जुर्रत नहीं कर सकेगा। क्योंकि अभी चीन और पाकिस्तान समय-समय पर भारत को आंख दिखाते रहे हैं। कुल मिलाकर जब सभी देश अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ा रहे हैं, तो भारत पीछे क्यों रहे, लेकिन खरीदारी भी संयम के साथ करनी होगी, जिससे देश के विपक्ष और जनता में सकारात्मक संदेश जा सके।

भारत के लिए चिंताजनक रिपोर्ट

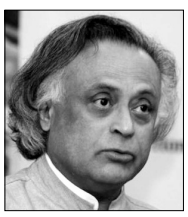

अमेरिका-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग की हाल में आई वार्षिक रिपोर्ट को भारत के लिए चिंताजनक है, इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, उक्त रिपोर्ट करीब 800 पेज की है और इसके पृष्ठ 108 और पृष्ठ 109 में दिए उल्लेख आश्चर्यजनक और समझ से परे हैं, रिपोर्ट में पहलगाम आतंकी हमले को पाकिस्तान द्वारा आयोजित विद्रोही हमला बताया गया है, रिपोर्ट में इसके बाद चार दिन चले संघर्ष में भारत पर पाकिस्तान की सैन्य सफलता बताया गया है, क्या प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय इस रिपोर्ट पर अपनी आपत्ति दर्ज कराएंगे।

-जयराम रमेश
प्रमुख, कांग्रेस संचार विभाग

SIR सिर्फ आरोप से काम नहीं चलेगा

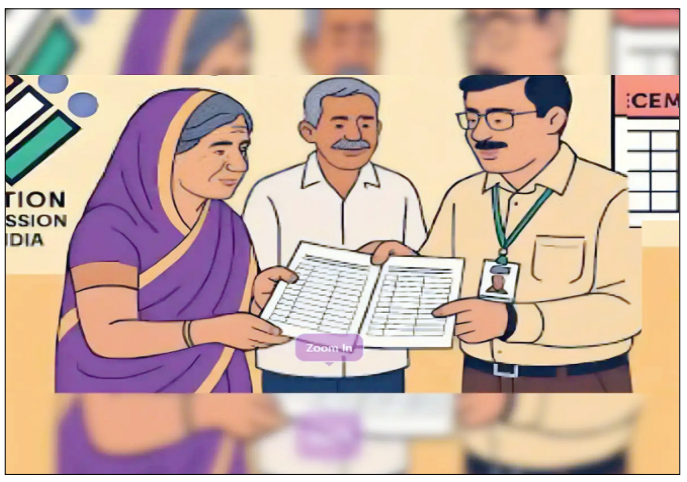

यशोदा श्रीवास्तव

चुनाव आयोग खुलकर सत्ता पक्ष के लिए यूपी विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव की बिसात बिछा रहा है उधर विपक्ष बैठकें करने में व्यस्त है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है तब विपक्ष के लोग कहां हैं? बात केवल यूपी की करें तो यहां साफ साफ दिख रहा है कि एसआईआर एक पक्षीय चल रहा है। बीएलओ से लेकर सरकारी अमला, भाजपा और संघ के लोग सब इसमें शामिल है, लेकिन यह सब आसानी से होने क्यों दिया जा रहा है? सरकारी अमला तो सरकार के लोग होते हैं, वे वही करेंगे जो सरकार चाहेगी। और यह आज की बात नहीं है।

एस आई आर क्यों? इस सवाल का कोई मतलब नहीं। इस सवाल का भी कोई मतलब नहीं कि बिहार के बाद सिर्फ 12 राज्यों में ही एस आई आर क्यों? म्यांमार, जहां से सर्वाधिक रोहिंग्या घुसपैठ कर सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में विराजमान हैं जैसा कि कहा जाता है,लेकिन म्यांमार के सीमावर्ती भारतीय प्रदेशों में एस आई आर की जरूरत चुनाव आयोग ने बिल्कुल नहीं महसूस की। यह तय है कि विपक्ष कितना भी चिल्ल पों कर लें यूपी में 2027 का विधानसभा चुनाव और 2029 में लोकसभा चुनाव एस आई आर के जरिए परिवर्तित वोटर लिस्ट से ही होना है। दरअसल चुनाव आयोग आगामी इसी चुनाव की बिसात बिछा रहा है।

एसआईआर की विसंगतियां हजार है। जैसे बीएलओ जिन्हें एसआईआर फार्म घर घर पहुंचाने की जिम्मेदारी है,वह लगभग नहीं हो रहा है। जागरूक लोगों को बीएलओ को ढूंढ कर एसआईआर फार्म लेना पड़ रहा है। राजस्थान से लेकर यूपी में ऐसे हजारों उदाहरण मौजूद हैं। यूपी के एक भाजपा विधायक के वायरल वीडियो पर यकीन करें तो वह अपने लोगों से बहुत साफ शब्दों में कह रहा है कि विपक्षी वोटरों के नाम उड़ा दिए जाएं। दरअसल चुनाव आयोग की मंशा भी यही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ बड़ा आंदोलन चलाया लेकिन क्या हुआ, किसने सुनी उनकी बात? उलटे 272 पूर्व जज और नौकरशाहों ने राहुल के खिलाफ चिट्ठी लिखकर विरोध जताया कि वे चुनाव आयोग जैसी पवित्र संस्था को बदनाम कर रहे हैं। इन नौकरशाहों को ब्राजील की मॉडल का भारतीय वोटर लिस्ट में शामिल होकर कई जगहों पर मतदान करना गलत नहीं लगा और न ही बिहार में बीच चुनाव सरकारी खजाने से लाखों महिलाओं को दस दस हजार की इमदाद भी अचंभित नहीं किया। जब दो पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त मौजूदा चुनाव आयोग दिशा हीन बता रहा है तब लोकसभा में बहुमत के आंकड़े के बराबर 272 पूर्व नौकरशाहों का राहुल के खिलाफ खुलकर आना हैरान करने वाला है। तो क्या पूर्व नौकरशाहों के खुला विरोध को राहुल के खिलाफ महाभियोग माना जाए?

इधर चुनाव आयोग खुलकर सत्ता पक्ष के लिए यूपी विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव की बिसात बिछा रहा है उधर विपक्ष बैठकें करने में व्यस्त है। बड़ा सवाल यह है कि जब एसआईआर चल रहा है तब विपक्ष के लोग कहां हैं? बात केवल यूपी की करें तो यहां साफ साफ दिख रहा है कि एसआईआर एक पक्षीय चल रहा है। बीएलओ से लेकर सरकारी अमला, भाजपा और संघ के लोग सब इसमें शामिल है, लेकिन यह सब आसानी से होने क्यों दिया जा रहा है? सरकारी अमला तो सरकार के लोग होते हैं, वे वही करेंगे जो सरकार चाहेगी। और यह आज की बात नहीं है। पहले भी सरकारें ऐसे ही करती रही हैं, लेकिन सत्ता में विराजमान राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं के समतूल्य विपक्षी दलों के लोग ऐसा क्यों नहीं कर पाते? यूपी में प्रमुख विपक्षी दल सपा है। आगामी विधानसभा चुनाव में इसे सत्ता के लिए जंग करनी है, लेकिन यह पार्टी भी पूरे यूपी में कुछ जगहों को छोड़ कर एस आई आर को लेकर शायद ही कहीं और दिख रही हो। हां वाट्सएप पर इनके ज्ञान की भरमार है। वे जानते हैं कि उनके कोर वोटर कौन हैं और इन्हीं वोटरों को सहेजने में वे विफल हो रहे हैं। दूसरी पार्टी कांग्रेस है। यूपी के लिए फिलहाल इसकी बात ही क्या करना। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही उसकी दिल्ली में हाई लेवल की बैठक हुई, इस बैठक में जो भी निर्णय लिए गए हों, उसका धरातल पर उतरना आसान नहीं है। यूपी में कांग्रेस के अभी छह सांसद हैं। सपा के साथ मिलकर 17 सीटों पर लड़ी थी। हारी हुई सीटों पर भी कांग्रेस की स्थिति सम्मान जनक थी। विधानसभा में कांग्रेस के सिर्फ दो विधायक हैं। एसआईआर को लेकर यह दो विधायक कितना कुछ कर पाएंगे, बताने की जरूरत नहीं। यहां संगठन भी हवा-हवाई है। जिला कमेटी को छोड़ दीजिए बाकी ब्लाक स्तर की कमेटियां कहने भर को है। प्रदेशभर में एसआईआर को लेकर इक्का-दुक्का जिला अध्यक्ष ही सक्रिय हैं बाकी सब के सब सुषुप्तावस्था में हैं। न्याय पंचायत और बूथ स्तर पर इनका कुछ नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यवस्था दी है कि सरकारी बीएलओ के अलावा राजनीतिक पार्टियां अपना बीएलओ भी नियुक्त कर सकती हैं ताकि चुनाव आयोग पर वोट काटने और जोड़ने का तोहमत न लगे। कांग्रेस इसमें भी सुस्त है। एसआईआर को लेकर विपक्ष के लापरवाह व सुस्ती का फायदा सत्ता पक्ष के कार्यकर्ता खूब उठा रहे हैं। वे सक्रिय हैं तो अपनी वाली कर रहे हैं, विपक्ष को सक्रिय होने से कौन रोका है? विपक्ष यह समझने की भूल कर रहा है कि यह सामान्य एस आई आर नहीं है। इस एस आई आर का मूल सिद्धांत ही कुछ और है। बिहार चुनाव में बुरी तरह पराजित कांग्रेस इस खुशफहमी में हो सकती है कि वहां सर्वाधिक 65 लाख वोटर आउट किए जाने के बाद भी उसे औसतन करीब 71 हजार वोट प्रति विधानसभा सीट हासिल हुए,वह भी तब जब ओवैसी से लेकर बसपा, जन सुराज, आम आदमी पार्टी सहित अन्य छोटी पार्टियां महागठबंधन को ही नुकसान पहुंचाने के लिए ही चुनाव मैदान में थीं। आखिर यह पार्टियां तो यूपी विधानसभा चुनाव में भी होंगी और लोकसभा चुनाव में भी। आखिर इनसे निपटने या मैनेज करने का प्लान कांग्रेस के पास क्या है? दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने अपनी ही पार्टी से सवाल किया कि बिना संगठन के हम क्या करें? धरातल पर कोई संगठन ही नहीं है। बैठक में निसंदेह और लोगों ने भी ऐसा ही महसूस किया होगा, लेकिन कांग्रेस आलाकमान शादी डांट काम के जरिए कांग्रेस की रणनीति कार का हिस्सा बन बैठे लोगों के अलावा और किसी की सुनें तब न। कांग्रेस वर्किंग कमिटी के सदस्यों पर गौर करें तो वह पूरा का पूरा दक्षिण भारतीयों के कब्जे में है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी में करीब दो सौ सदस्य दक्षिण भारत से ही हैं। इसके अलावा ढेर सारे ऐसे लोग हैं जो या तो भाजपा नेताओं से गलबहियां करते घूम रहे हैं या फिर बिना धरातल पर झांके कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता में वापसी का ख्वाब दिखा रहे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

क्यों उठ रहे चुनाव आयोग पर सवाल

रजनीश कपूर

बहरहाल चुनाव चाहे किसी राज्य की सरकार का हो या केंद्र की सरकार का, हर राजनैतिक दल मतदाताओं को लुभाने की मंशा से ऐसे कई वादे करते हैं जो वास्तव में सच नहीं किए जाते। यदि जनता को चुनावों में किए गए वादों और उन्हें पूरा किए जाने के अंतर की देखा जाए तो यह अंतर काफी बड़ी संख्या में पाया जाएगा। चुनावों से पहले ऐसे वादे हर राजनैतिक दल द्वारा किए जाते हैं। जिस तरह बिहार की जनता ने एक बार फिर से नीतीश कुमार में अपना विश्वास जताया है उससे यह बात तो तय है कि जनता को किए गए चुनावी वादे काफी लुभावने थे। परंतु मतदाताओं यह सोचना होगा कि वादों की सूची और उन्हें पूरा करने में जिस भी दल का अंतर सबसे कम हो वही दल जनता के हित की सोचता है, तभी उसी दल को चुना जाता है।

हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चुनाव आयोग की भूमिका और उस पर उठते सवालों ने एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर बहस छेड़ दी है। एनडीए की ऐतिहासिक जीत और महागठबंधन (इंडिया एलायंस) की करारी हार के बीच, मुख्य सवाल यही उठा कि क्या चुनाव आयोग ने अपने संवैधानिक कर्तव्यों का सही तरह से निर्वहन किया? साथ ही, आचार संहिता के उल्लंघन, राजनीतिक दलों के आचरण और आयोग पर दोहरे मानदंडों के आरोपों ने भी चुनावी निष्पक्षता की मूल भावना को चुनौती दी है। हाल के चुनावों में चुनाव आयोग पर पक्षपात और दोहरे मानदंड अपनाने के आरोप लगे। खास तौर पर, कांग्रेस और महागठबंधन ने वोटर लिस्ट, अधिकारियों की नियुक्ति और निष्पक्ष मतदान पर गंभीर सवाल खड़े किए। आरोप है कि कुछ विधानसभा क्षेत्रों में वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटा दिए गए या मनमाने ढंग से जोड़े-घटाए गए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आयोग ने भाजपा शासित राज्यों से चयनित नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को चुनावी पर्यवेक्षक नियुक्त कर पक्षपातपूर्ण रवैया दिखाया। विपक्ष ने मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि आयोग की प्रक्रिया आम जनता का भरोसा कायम नहीं रख पा रही है।

इस चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दलों के सोशल मीडिया पर भड़काऊ, जातिवादी और भ्रामक कंटेंट साझा होने के आरोप लगे। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने ऐसे लगभग 21 एफआईआर दर्ज किए, जिनमें भाजपा, राजद और कांग्रेस जैसे बड़े दलों के खिलाफ भी कार्रवाई हुई। कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर तो गुमराह करने वाले AI- जनित वीडियो और डीपफेक कंटेंट डालने के आरोप मिले, जिन्हे तुरंत हटवाया गया। आयोग द्वारा आचार संहिता के पालन के लिए सोशल मीडिया पर निगरानी करने की व्यवस्था थी, परंतु बड़ी संख्या में भड़काऊ और गुमराह करने वाले पोस्ट सामने आए, जिससे आयोग की प्रभावशीलता को लेकर सवाल भी उठे। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग की सबसे अहम जिम्मेदारी है, चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना। आयोग को अपने हर कदम पर समानता और पारदर्शिता का पालन करना चाहिए। आयोग की साख को बहाल करने के लिए कुछ जरूरी कदम उठाने चाहिए। जैसे कि सभी दलों की शिकायतों की सार्वजनिक व स्वतंत्र जांच। पर्यवेक्षकों और चुनावी कर्मियों की निष्पक्ष नियुक्ति जो कि राजनीतिक झुकाव से दूर रहते हुए की जाए।वोटर लिस्ट की शुद्धता और अद्यतन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना। सोशल मीडिया व डिजिटल प्रचार पर कठोर निगरानी और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई।आचार संहिता उल्लंघन पर बिना किसी भेदभाव के उचित व सख्त न्यायिक कार्यवाही। वहीं देखा जाए तो महागठबंधन (इंडिया एलायंस) रणनीतिक स्तर पर संगठित नहीं हो सका। सीट शेयरिंग, यानी सीटों का बंटवारा, चुनाव से ठीक पहले तय हुआ, जिससे अभियान की गति और एकता दोनों प्रभावित रहीं। तेजस्वी यादव के देर से सक्रिय चुनाव प्रचार, गठबंधन में सहयोगी दलों के मतभेद और साझा विजन की कमी ने विपक्ष की प्रभावशीलता कम कर दी। साथ ही, कांग्रेस जैसी सहयोगी दल जमीनी स्तर पर मतदाताओं को लाम. बंद करने में नाकाम रही। ऐसे समय में जब एनडीए अपनी एकजुटता दिखा रहा था, महागठबंधन अपनी आंतरिक समस्याओं में उलझ कर रह गया। महागठबंधन ने मुख्य रूप से सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कम्बेंसी) पर ज्यादा दांव लगाया, जबकि एनडीए ने अपनी स्थिरता, विकास, और समावेशिता के एजेंडा के साथ मतदाताओं को बेहतर तरीके से साधने में सफल रहा। जातिगत समीकरणों को लेकर महागठबंधन ने पारंपरिक रणनीति अपनाई, परंतु दलित, महिला, और अति पिछड़ा वर्ग को खास तौर पर टार्गेट करके एनडीए ने अपने पुराने वोट बैंक के दायरे को काफी विस्तार दिया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मनोरंजन से मानसिक क्रांति तक: टीवी का बदला चेहरा

ब्लैक एंड व्हाइट बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व टेलीविजन दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में विश्व टेलीविजन दिवस मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिए समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है। इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे, लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चौनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चौनल डीडी-1 और दूसरा नया चौनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में डीडी मैट्रो नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है। हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती। देश में जहां दूरदर्शन की शुरुआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चौनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चौनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चौनल प्रसा. रित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

योगेश कुमार गोयल

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

समुद्र में आर्टिफिशियल आइलैंड बना रहा पाकिस्तान

आईलैंड तेल के 25 कुएं खोदे जाएंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के समर्थन के बाद उठाया कदम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पहलीसमुद्र में आर्टिफिशियल आइलैंड (कृत्रिम द्वीप) बनाने जा रहा है। शहबाज सरकार ने अरब सागर में इस आइलैंड को बनाने की मंजूरी दे दी है। इसे समुद्र में तेल की खोज (आयल एक्सप्लोरेशन) के लिए स्थाई प्लेटफार्म की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (पीपीएल) लीड करेगी।

पाकिस्तान ने यह फैसला ट्रम्प का समर्थन मिलने के बाद किया है। ट्रम्प ने जुलाई में ऐलान किया था कि अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर पाकिस्तान के बड़े तेल भंडार विकसित करेंगे। उन्होंने यहां तक कहा था कि अगर ये तेल मिला, तो भारत भी इसे खरीद सकता है। अब पाकिस्तान इस आर्टिफिशियल आइलैंड की मदद से अरब सागर में 25 तेल-कुएं खोदने की योजना बना रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह आर्टिफिशियल आइलैंड सिंध के तट से करीब 30 किमी

■ ट्रम्प ने जुलाई में ऐलान किया था: अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर पाकिस्तान के बड़े तेल भंडार विकसित करेंगे

दूर, सुजावल इलाके के पास बनाया जा रहा है। सुजावल कराची से लगभग 130 किमी दूर है। आइलैंड को समुद्र की ऊंची लहरों से बचाने के लिए 6 फीट ऊंचा बनाया जा रहा है। पहले समुद्री लहरों की वजह से जिन ड्रिलिंग प्रोजेक्ट्स में रुकावटें आई थीं, उन्हें दूर किया जा सकेगा। आइलैंड के फरवरी तक तैयार होने की उम्मीद है। भारी मशीनरी और सप्लाई को एक स्थिर प्लेटफार्म से संचालित करने से खर्च में लगभग 33 प्रतिशत तक कमी हो सकती है। पहले मौसम के कारण बार-बार देरी होती थी, जिससे लागत बढ़ जाती थी। पीपीएल के मुताबिक यहां 24 घंटे ड्रिलिंग चल सकेगी। पाकिस्तान की समुद्री सीमा में पिछले साल सितम्बर में तेल और गैस का एक बड़ा भंडार मिला था। डान की रिपोर्ट मुताबिक, पाकिस्तान ने इस इलाके में एक सहयोगी देश के साथ मिलकर 3 साल तक सर्वे किया था। इसके बाद यहां तेल और गैस रिजर्व की मौजूदगी की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह भंदुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल और गैस का भंडार हो सकता है। फिलहाल वेनेजुएला में तेल का सबसे बड़ा रिजर्व है, जहां 34 लाख बैरल तेल है। वहीं, अमेरिका के पास सबसे शुद्ध तेल का भंडार है, जिसे अब तक इस्तेमाल नहीं किया गया। पाकिस्तान अगर तेल और गैस को निक.ालने में कामयाब हो गया तो यह उसकी अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद साबित होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भंडार से जुड़ी रिसर्च पूरी करने में करीब 42 हजार करोड़ का खर्च आएगा। इसके बाद समुद्र की गहराई से इसे निकालने में 4-5 साल लग सकते हैं। अगर रिसर्च सफल रही तो तेल और गैस को निकालने के लिए कुएं लगाने और बाकी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने में और ज्यादा पैसे की जरूरत होगी। पाकिस्तानी अधिकारियों ने तेल और गैस भंडार मिलने को देश की 'ब्लू वाटर इकोनामी' के लिए अच्छा बताया है। समुद्री रास्तों, नए बंद.रगाहों और सामुद्रिक नीति (मैरीटाइम पालिसी) के जरिए अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना ही ब्लू इकोनामी कहलाता है। पाकिस्तान विश्व में कच्चे तेल के भंडार में 50वें स्थान पर है।

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता खराब होने के कारण धुंध के बीच सड़क पर वाहन चलते हुए।

वियतनाम में बाढ़ से मृतकों की संख्या बढ़कर 16 हुई

हनोई। वियतनाम के मध्य क्षेत्र में भारी बारिश एवं बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है जबकि पांच अन्य लोग लापता हैं। यह जानकारी वियतनाम आपदा और डाइक प्रबंधन प्राधिकरण ने गुरुवार को दी। रिपोर्ट के अनुसार, 43200 से अधिक घर जलमग्न हो गए हैं जबकि 91 अन्य क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 10000 हेक्टेयर से अधिक धान एवं अन्य फसलें जलमग्न हो गई हैं तथा 6500 से अधिक पशुधन और मुर्गियों की मौत हो गई हैं या फिर बह गई हैं। इस बीच, बिजली की कटौती होने से 553200 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं।

अमेरिकी सैन्य अधिकारी संघर्ष समाप्ति पर वार्ता के लिए यूक्रेन पहुंचे

वाशिंगटन। पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारी रूस के साथ युद्ध समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा करने के लिए यूक्रेन पहुंचे हैं। यह जानकारी बीबीसी ने गुरुवार को अमेरिकी सेना के हवाले से दी। अमेरिकी सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल के नेतृत्व में टीम की आज कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मिलने की उम्मीद है जब वे तुर्की की यात्रा से लौटेंगे। बुधवार से ऐसी खबरें प्रसारित हो रही है कि अमेरिका और रूस ने एक नई शांति योजना तैयार की है जिसमें यूक्रेन को बड़ी रियायतें देने की बात की गई है लेकिन न तो वाशिंगटन और न ही मास्को ने इस योजना की आधिकारिक पुष्टि की है। इससे पहले, यूक्रेन के पश्चिमी शहर टेरनोपिल पर रूसी मिसाइल एवं ड्रोन हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए थे। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण शुरू किया था। सेना के प्रवक्ता कर्नल डेविड बटलर ने एक बयान में कहा कि सचिव ड्रिस्कॉल और उनकी टीम प्रशासन की ओर से आज सुबह कीव पहुंचे, ताकि वे यूक्रेनी अधिकारियों से मुलाकात कर सकें और युद्ध समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा कर सकें।

दावा: ऑपरेशन सिंदूर में पाक ने भारत को हराया

अमेरिकी रिपोर्ट में पहलगाम अटैक को भी आतंकी अटैक न मानकर विद्रोही हमला माना गया

वाशिंगटन। एक अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच 4 दिन की लड़ाई (ऑपरेशन सिंदूर) में पाकिस्तान को बड़ी सैन्य कामयाबी मिली थी। इस रिपोर्ट में पहलगाम अटैक को भी आतंकी हमला न मानकर विद्रोही हमला माना गया है। 800 पन्नों की इस रिपोर्ट को यूएस-चाइना इकोनामिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन (यूएससीसी) ने जारी किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसने कम से कम 6 भारतीय लड़ाकू विमानों को गिराया, जिनमें राफेल जेट भी शामिल हैं।

इससे राफेल की इमेज को नुकसान पहुंचा। रिपोर्ट कहती है कि वास्तविक रूप से सिर्फ तीन भारतीय विमानों के गिराए जाने की पुष्टि होती है। यूएससीसी का कहना है कि चीन ने भारत-पाकिस्तान युद्ध का इस्तेमाल अपने आधुनिक हथियारों को लाइव वार में टेस्ट करने और दुनिया को दिखाने के लिए किया। लड़ाई के बाद दुनियाभर में चीनी दूतावासों ने अपने हथियारों की तारीफ की और कहा कि पाकिस्तान ने इनके इस्तेमाल से भारतीय लड़ाकू विमानों को गिराया। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के 5 महीने बाद चीन ने इंडोनेशिया को 75 हजार करोड़ रुपये में 42 जे-10सी फाइटर जेट बेचने की डील की थी। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने इस लड़ाई में चीन से मिले

रिपोर्ट को यूएस-चाइना इकोनामिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन (यूएससीसी) ने किया जारी

हथियारों का इस्तेमाल किया और अपने सैन्य फायदे को दुनिया के सामने रखा। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान ने चीन के एचआईक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम, पीएल-15 मिसाइलें और जे-10 फाइटर जेट का इस्तेमाल किया। भारत का दावा है कि पाकिस्तान को इस दौरान चीन से खुफिया जानकारी (इंटेलिजेंस) भी मिली। हालांकि पाकिस्तान ने इसे नकार दिया और चीन ने इस पर कुछ भी साफ नहीं कहा। रिपोर्ट के मुताबिक 2019/2023 के बीच पाकिस्तान के 82 प्रतिशत हथियार चीन से आए हैं। 90 के आखिरी दशक में जब चीन बहुत तेजी से आर्थिक और तकनीकी तौर पर ताकतवर हो रहा था तो अमेरिका में इसे लेकर चिंता बढ़ी। अमेरिकी नेता यह मानने लगे कि चीन से आने वाले आर्थिक फायदे और सुरक्षा खतरे दोनों को साथ-साथ समझना जरूरी है। ऐसे में चीन पर नजर रखने के लिए एक कमेटी बनाई गई जिसका काम यह पता लगाना था कि चीन की आर्थिक या तकनीकी गतिविधि अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा तो नहीं बन रहीं, यूएससीसी खुद कोई कार्रवाई नहीं करती, बस रिपोर्ट बनाकर अमेरिका की संसद को देती है। आयोग की सिफारिशों को अंतिम रिपोर्ट में शामिल करने के लिए, उन्हें कम से कम 8 सदस्यों (दो-तिहाई) के समर्थन की जरूरत होती है। चीनी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने यूएससीसी की रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं। अखबार लिखता है कि यूएससीसी ने एक बार फिर से चीन की आर्थिक, तकनीकी और सुरक्षा क्षेत्र में हो रही तरक्की को ऐसे दिखाया गया है कि जैसे वह दुनिया के लिए खतरा हो। अभी का रवैया दिखाता है कि यह रिपोर्ट राजनीतिक मकसद से लिखी गई है और हकीकत का पूरी निष्पक्षता से विश्लेषण नहीं करती। आयोग के भीतर चीन को लेकर भारी गलतफहमियां और अहंकार मौजूद है। अखबार आगे लिखता है कि अमेरिका को चीन को और ज्यादा बेहतर तरीके से समझने की जरूरत है। अखबार का कहना है कि चीन की हथियार इंडस्ट्री के विकास को लेकर आरोप लगाना या उसे गलत तरीके से पेश करना, किसी भी संप्रभु देश के अपनी रक्षा क्षमता बढ़ाने के मूल अधिकार को नकारने जैसा है। अखबार ने लिखा-अमेरिका सप्लाई चेन को हथियार जैसे इस्तेमाल करता है।

ट्रम्प बोले: 350 प्रतिशत की धमकी पर मोदी का फोन आया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्होंने 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई थी। ट्रम्प ने अमेरिका-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में कहा कि मुझे सबसे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का फोन आया था। उन्होंने शुक्रिया कहा और बताया कि मैंने लाखों जानें बचाई हैं। इसके बाद ट्रम्प ने दावा किया कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का फोन आया। मोदी ने कहा कि हम खत्म कर चुके हैं। ट्रम्प ने पूछा कि क्या खत्म कर चुके हो? इस पर मोदी ने बताया कि हम जंग नहीं करने जा रहे हैं। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस दौरान पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों निशाना बनाया गया। 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ। ट्रम्प ने 60 से ज्यादा बार जंग रुकवाने का दावा किया ट्रम्प ने ही सबसे पहले सोशल मीडिया पर सीजफायर की जानकारी दी थी। उन्होंने ये दावा किया था कि उनकी वजह से ही संघर्ष थमा है।

जूनियर ट्रम्प ने ताजमहल देखा

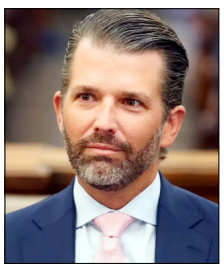

आगरा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटे जूनियर ट्रम्प ताजमहल देखने के लिए गुरुवार को आगरा पहुंचे। जूनियर ट्रम्प अपनी पत्नी और कुछ दोस्तों के साथ ताज महल का दीदार करने के लिए करीब साढ़े तीन बजे पहुंचे और डेढ़ घंटे तक ताजमहल के अंदर रहे।

ताजमहल के अंदर डायना टेबिल पर फोटो सेशन कराया। गाइड नितिन सिंह ने जूनियर ट्रम्प को ताजमहल का दीदार कराया। गाइड नितिन सिंह ने डोनाल्ड ट्रम्प को भी ताजमहल का दीदार कराया था। जूनियर ट्रम्प की सुरक्षा के लिहाज से भी कड़े इंतजाम किए गए थे। आगरा आने पर स्थानीय पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। कई थानों का फोर्स लगाई गई थी। इसके अलावा स्थानीय सूचना तंत्र भी अलर्ट था। अमेरिका के कुछ सुरक्षा कर्मी भी साथ में थे। ताज. महल के अंदर जब प्रवेश हुआ तो सीआईएसएफ ने सुरक्षा का घेरा बना लिया और कड़ी सुरक्षा के बीच ताजमहल का दीदार कराया गया। जूनियर ट्रम्प दिल्ली से विशेष वाहन से आगरा आए थे और दोपहर में एक होटल में भोजन के उपरांत ताज. महल देखने पहुंचे थे।

दक्षिण कोरिया में 267 यात्रियों को ले जा रही नौका समुद्र में फंसी, कोई हताहत नहीं

सोल। दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में बुधवार को 267 यात्रियों को ले जा रही एक यात्री नौका फंस गई। समाचार एजेंसी योनहास ने यह जानकारी दी। स्थानीय समयानुसार कल रात 8:17 बजे (1117 जीएमटी) तट रक्षक बल को सूचना मिली कि 246 यात्रियों और 21 चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही नौका राजधानी सोल से लगभग 310 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में सिनान काउंटी के एक द्वीप के पास फंस गई है। यह नौका दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू से रवाना होकर दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोकपो की ओर जा रही थी। कथित तौर पर जहाज द्वीप के पास पहुंचते समय एक डूबी हुई चट्टान से टकरा गया।

आईएईए ने ईरान से हमलों में प्रभावित सभी परमाणु प्रतिष्ठानों तक पहुंच प्रदान करने का किया आग्रह

वियना/तेहरान। संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था ने आज चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जून में हुए हमलों में क्षतिग्रस्त ईरानी प्रतिष्ठानों तक उसकी अभी भी महत्वपूर्ण पहुंच नहीं है और तेहरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार के सत्यापन को बहुत देर हो चुकी है।

वियना में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को संबोधित करते हुए महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने बुधवार को कहा कि एजेंसी को ईरान के निम्न और उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार की तत्काल जांच करने की आवश्यकता है, जिसे निरीक्षक पिछले पांच महीनों से सत्यापित नहीं कर पाए हैं। ग्रॉसी ने कहा कि सितम्बर में काहिरा में

■ तेहरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार के सत्यापन को बहुत देर हो चुकी है

निरीक्षण पर सहमति होने के बाद वे ईरानी अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में हैं अगर समझौते का पूरी तरह से लागू करना है तो और ज्यादा रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता है। उनकी यह टिप्पणी अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन द्वारा समन्वित प्रयास के साथ मेल खाती है जिन्होंने संयुक्त रूप से एक मसौदा प्रस्ताव में मांग किया है कि ईरान आईएईए के साथ अपना पूर्ण सहयोग फिर से शुरू करे तथा निरीक्षकों को अप्रतिबंधित पहुंच प्रदान करे। हालांकि तेहरान ने चेतावनी दी है कि इस तरह के प्रस्ताव से आईएईए निदेशक के साथ सितम्बर में हुई सहमति खतरे में पड़ जाएगी। इस सप्ताह की शुरुआत में, ईरान के उप विदेश मंत्री काज़म ग़रीबाबादी ने पश्चिमी देशों की आलोचना करते हुए कहा था कि उनके कार्यों से समझौते को नुकसान पहुंच सकता है। ईरानी अधिकारियों ने इस रुकावट को सितम्बर के आखिर में स्नैपबैक मैकेनिज़्म के तहत संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों के फिर से लागू होने पर जोर दिया। आंशिक रूप से सार्वजनिक की गई आईएईए रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अभी भी निरीक्षकों को जून में 12 दिनों के संघर्ष के दौरान इजरायल और अमेरिकी हमलों में क्षतिग्रस्त हुए परमाणु स्थलों का दौरा करने की अनुमति नहीं दी।

सऊदी अरब-अमेरिका के बीच 575 अरब डॉलर के समझौते

दोहा। सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल-फलीह ने कहा है कि इस सप्ताह नए सौदों की घोषणा के बाद वर्ष 2025 में अमे.रिका और सऊदी अरब की कंपनियों के बीच हस्ताक्षरित अनुबंधों का मूल्य बढ़कर लगभग 575 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। गौरतलब है कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान वहां एक निवेश मंच में हिस्सा लिया जिसमें दोनों देशों के व्यापार प्रतिनिधियों और कंपनियों ने भाग लिया। अल-फलीह ने बुधवार को अल एखबारिया प्रसारक से कहा, सऊदी और अमेरिकी कंपनियों के बीच लगभग 267 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 242 नए समझौतों की घोषणा की गई।

मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता विवादों में घिरी

इटली की प्रिंसेज समेत 3 जजों ने दिया इस्तीफा, आयोजक ने लगाया कंटेस्टेंट से अफेयर का आरोप

बैंकाक। ब्यूटी कान्टेस्ट मिस यूनिवर्स 2025 से जुड़े विवाद खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। ग्रैंड फिनाले से एक दिन पहले मिस यूनिवर्स सिलेक्शन कमेटी की प्रेसिडेंट और इटालियन प्रिंसेज कैमिला डि बोरबोन ने ज्यूरी पैनल छोड़ दिया है।

वह पैनल छोड़ने वाली तीसरी जज हैं। इससे पहले मशहूर म्यूजिशियन ओमार हारफूश और फ्रांस के पूर्व फुटबालर क्लाउड माकलेले ने भी ज्यूरी छोड़ दी थी। मिस यूनिवर्स में जजिंग पैनल 8 सदस्यों का होता है। 3 जजों के पैनल छोड़ने के बाद आर्गेनाइजेशन ने नताली ग्लेबोवा (कनाडा की पूर्व मिस यूनिवर्स 2005) को शामिल किया है। अब पैनल में 6 सदस्य है। ग्रैंड फिनाले कल यानी 21 नवम्बर को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में होगा। ओमार ने आरोप लगाया कि जज कमेटी बनने से पहले ही आर्गेनाइजर्स ने टॉप-30 कंटेस्टेंट का सिलेक्शन अनआफिशियल तरीके से कर लिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कंटेस्टेंट को चुना

गया जिनके आर्गेनाइजर्स से पर्सनल रिलेशनशि.प हैं। इसके बाद माकलेले ने निजी कारणों से इस्तीफा दे दिया। ओमर हारफूश ने 17 नवम्बर को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मिस यूनिवर्स 2025 के आर्गेनाइजर्स पर आरोप लगाते हुए लिखा था, टॉप 30 प्रतियोगियों को चुनने के लिए गलत तरीके से वोटिंग की गई। यह वोटिंग उन लोगों ने की जो पैनल के सदस्य नहीं थे। उन्होंने आगे कहा कि मुझे गुमराह किया गया और मुझे गलत सिलेक्शन प्रोसेस को मानने के लिए कहा गया। इसके कारण मुझे हुए इमोशनल ट्रामा भी हुआ, मेरी रेपुटेशन डैमेज हुई। ओमार ने अपनी पोस्ट में आर्गेनाइजर्स के खिलाफ लीगल एक्शन लेने की धमकी भी दी। माकेलेले ने 18 नवम्बर को इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर पैनल छोड़ने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अफसोस के साथ, मैं मिस यूनिवर्स 2025 में शामिल नहीं हो पाऊंगा। आपकी समझ और समर्थन के लिए धन्यवाद। इसके विरोध में कई देशों की कंटेस्टेंट्स ने हाल से बाहर निकलकर विरोध जताया। नवात ने फातिमा से कहा कि उन्होंने प्रतियोगिता से जुड़े प्रमोशनल कंटेंट शेयर नहीं किए। जब फातिमा ने इस पर आपत्ति जताई, तो नवात ने सुरक्षा कर्मियों को बुलाने की धमकी दी और कहा कि जो भी उनके समर्थन में आएगा, उसे प्रतियोगिता से बाहर किया जा सकता है। इसके बाद फातिमा मंच छोड़कर बाहर चली गईं। इस आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर #JusticeForFatima ट्रेंड करने लगा। विरोध के बाद नवात ने एक वीडियो जारी कर माफी मांगी और कहा कि अगर किसी को बुरा लगा है, तो वह माफी चाहते हैं।

चीनी वैज्ञानिकों के भरोसे चीन को टक्कर दे रहा अमेरिका

मेटा एआई टीम 11 में से 7 रिसर्चर चीन के, 1 भी अमेरिकी नहीं

वॉशिंगटन। मेटा सीईओ मार्क जकरबर्ग ने जून में अपनी नई सुपर इंटेलिजेंस लैब का ऐलान किया था। तब उन्होंने बताया था कि इस प्रोजेक्ट में शामिल 11 वैज्ञानिक काम कर रहे हैं। इनका मकसद ऐसी मशीनें बनाना है जो इंसानी दिमाग से भी ज्यादा ताकतवर हों। न्यूयॉर्क टाइम्स को मिले इंटरनल मेमो से पता चला है कि ये सभी 11 वैज्ञानिक दूसरे देशों में पढ़े लिखे अप्रवासी हैं। इनमें से 7 वैज्ञानिक चीन से हैं, जबकि बाकी 4 भारत, ब्रिटेन, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से हैं।

अखबार ने लिखा है कि अमे.रिका में लंबे समय से सरकारी अधिकारियों और एक्सपर्ट का एक वर्ग चीन को एआई के क्षेत्र में सबसे

■ अमेरिका में हो रहा बड़ा और क्रांतिकारी एआई रिसर्च काफी हद तक चीनी वैज्ञानिकों की मदद से आगे बढ़ाया जा रहा है

बड़ा खतरा बताता रहा है। लेकिन रिपोर्ट्स बताती हैं कि अमेरिका में हो रहा बड़ा और क्रांतिकारी एआई रिसर्च काफी हद तक चीनी वैज्ञानिकों की मदद से आगे बढ़ाया जा रहा है। यह मेटा की एआई यूनिट के चीफ अलेक्जेंडर वॉन्ग है। जून 2025 में मेटा से जुड़े। इन्हें कंपनी में लाने के लिए मार्क जकरबर्ग ने 1.26 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। मेटा पहले से ही चीनी वैज्ञानिकों पर काफी निर्भर रही है। कंपनी के भीतर अक्सर मजाक में कहा जाता है कि नए आने वालों को दो चीजें सीखनी पड़ती हैं। पहली हैक, यानी कंपनी की प्रोग्रामिंग भाषा और दूसरी मंदा.रिन, क्योंकि एआई टीमों में बड़ी संख्या में चीनी रिसर्चर्स होते हैं। इस साल मेटा को लगभग 6300 एच-1बी वीजा अप्रूव हुए जो अमेजन के बाद सबसे ज्यादा हैं। मेटा ने 2018 के बाद से कम से कम 28 रिसर्च पेपर पर चीनी संगठनों के साथ मिलकर काम किया है। सिर्फ मेटा ही नहीं, बल्कि ऐप्पल, गूगल, इंटेल और सेल्सफोर्स जैसी अमेरिकी कंपनियों ने भी चीनी संगठनों के साथ मिलकर कई अहम रिसर्च किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने तो सबसे ज्यादा, यानी कम से कम 92 अहम पेपरों में साझेदारी की है। अमेरिका में ट्रम्प सरकार के आने के बाद से प्रशासन सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी अपना चुका है। इसके अलावा सिलिकॉन वैली में भी चीन विरोधी भावना बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है। इसके बावजूद चीनी रिसर्चर्स न सिर्फ अमेरिका में बने हुए हैं बल्कि अहम रोल भी निभा रहे हैं।

(A Minority Institution)
ISLAMIA DEGREE COLLEGE
Deoband, Distt., Saharanpur
(Recognized by NCTE)
(Affiliated to SCERT Govt. of India)
D.El.Ed (B.T.C.) 2025-27
Qualification For Admission:
❖ 50% Marks in graduation for General Candidates/ Other State.
❖ 45% marks in graduation for OBC & SC/ST Candidates.
➢ Date of Issue of Registration Form 24/11/2025 In the College or Available on Website (Online & offline)
➢ Last Date For Submitting the Completed Application Form in College- 15/12/2025
Secretary Principal
काउंसलिंग शासनादेश के अनुसार संपन्न करायी जाएगी।
Contact no. : 9045143298, 8755525452

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ
पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108